प्रातःनागपुरी

आपकी बात, निर्भीकता के साथ

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

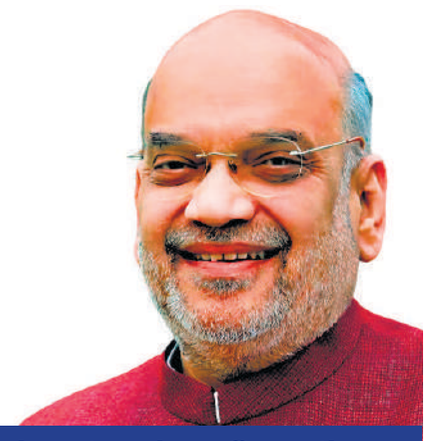

वर्ष : 01 अंक : 134 रांची, शनिवार, 27 अप्रैल, 2024 (वैशाख कृष्ण 04, संवत 2081), पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

संक्षिप्त

गांडेय उपचुनाव की अधिसूचना जारी, 20 मई को मतदान

रांची। चुनाव आयोग ने गांडेय उपचुनाव के लिए 26 अप्रैल को अधिसूचना जारी कर दी है। तीन मई शुक्रवार को नाम निर्देशन करने की अंतिम तारीख रखी गयी है। नाम निर्देशन की संवीक्षा की तारीख चार मई 2024 व नाम वापसी की अंतिम तारीख 6 मई को रखी गयी है। मतदान 20 मई सोमवार को होगा। 6 जून तक सारी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चुनाव सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक होगा। बता दें कि झारखंड विधानसभा क्षेत्र गांडेय से निर्वाचित विधायक डॉ। सरफराज अहमद के पद से त्यागपत्र दिए जाने जाने के बाद 31 दिसंबर 2023 से यह सीट खाली हो गयी थी। मामले में 16 मार्च के चुनाव आयोग के उपचुनाव को लेकर जारी नोटिफिकेशन को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की गयी थी, जिसे 25 अप्रैल को हाईकोर्ट ने खारिज किया था। इसके बाद चुनाव का रास्ता साफ होते ही भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद के हस्ताक्षर से निर्वाचन की अधिसूचना जारी कर दी गयी है।

गुजरात में चुनाव से पहले हथियारों की बड़ी खेप जब्त

अहमदाबाद। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने 6 लोगों को गिरफ्तार कर 25 पिस्तौल समेत 90 कारतूस बरामद किया है। यह सभी हथियार मध्यप्रदेश से संचालित ट्रावेल्स एजेंसी के जरिए गुजरात लाया गया था। गुजरात एटीएस मामले की जांच में और भी हथियार मिलने की आशंका जता रही है। गुजरात एटीएस के एसपी हर्ष उपाध्याय और टीम ने राज्य भर में अवैध रूप से हथियार रखने वालों के खिलाफ मुहिम चला कर बड़ी सफलता हासिल किया है। खासकर सौराष्ट्र के अमरेली, राजकोट और सुरेन्द्रनगर के आसपास के क्षेत्रों में लोगों के पास अवैध हथियार होने की जानकारी मिली थी। इस सूचना के आधार पर एटीएस टीम ने निगरानी शुरू की।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में 3.2 तीव्रता का भूकंप

जम्मू। जम्मू एवं कश्मीर के किश्तवाड़ में शुक्रवार देररात भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। हालांकि इसमें कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार किश्तवाड़ में शुक्रवार रात 11.06 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.2 दर्ज की गई है। भूकंप के झटकों से किसी भी तरह के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है।

सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा का रिजल्ट जारी करने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगायी रोक

अदालत ने जेएसएससी और राज्य सरकार को दिया निर्देश-अनुमति के बिना परिणाम जारी नहीं किया जाए

प्रातः नागपुरी संवाददाता, रांची

सुप्रीम कोर्ट ने सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा का परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी है। शुक्रवार को जस्टिस जेके महेश्वरी एवं जस्टिस संजय करोल की खंडपीठ में झारखंड शिक्षक पात्रता (जेटेट) पास अभ्यर्थी परिमल कुमार एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने झारखंड सरकार और जेएसएससी से कहा कि सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना परिणाम जारी नहीं किया जाए। यह मामला अभी अदालत में विचाराधीन है इसलिए बिना अनुमति परिणाम जारी करने पर रोक रहेगी। मामले की अगली सुनवाई जुलाई के पहले हफ्ते में होगी

इस मामले की अगली सुनवाई जुलाई के पहले सप्ताह में होगी। सहायक आचार्य के लिए हिंदी की परीक्षा शनिवार से शुरू हो रही है। सुप्रीम कोर्ट में जेटेट पास अभ्यर्थियों ने एसएलपी दाखिल कर झारखंड हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है और इसमें हाई कोर्ट ने सीटेट और दूसरे राज्यों से टेट पास अभ्यर्थियों को भी सहायक आचार्य परीक्षा में शामिल करने का निर्देश दिया है।

प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायण एवं अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि झारखंड की क्षेत्रीय भाषा संथाली, खोरठा आदि का ज्ञान जेटेट अभ्यर्थियों के पास है। उन्होंने इसकी परीक्षा दी है। सीटेट अभ्यर्थियों के पास क्षेत्रीय भाषा के रूप में हिंदी या अंग्रेजी विषय का ही ज्ञान है।

शेष पेज 08 पर

सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम और वीवीपीएटी मामले में सभी याचिकाएं खारिज की

नई दिल्ली। देश की शीर्ष अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के वोटों की वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों से 100 फीसदी सत्यापन की मांग वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दीं। सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम से डाले गए वोटों का वीवीपीएटी से पूर्ण पुनःसत्यापन कराने संबंधी याचिकाओं पर शुक्रवार को अपना फैसला सुनाया और याचिकाएं खारिज कर दीं। कोर्ट ने कहा कि ईवीएम के माध्यम से डाले गए वोटों का वीवीपीएटी से पुनः पूर्ण सत्यापन कराने की मांग वाली याचिकाओं पर सहमति वाले दो फैसले हैं। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र का अर्थ सद्भावना बनाना है और मतदान प्रक्रिया पर आंख मूंदकर अविश्वास करना अनुचित संदेह को जन्म दे सकता है। ये फैसला जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने सहमति से दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बैलेट पेपर से मतदान की वापसी की याचिका की प्रार्थना भी खारिज करने का काम किया।

कैसे करता है काम : वोटिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए इस प्रणाली को यूज में लाया गया। ये मशीन ईवीएम से कनेक्ट नजर आती है। जैसे ही मतदाता वोट डालता है, वैसे ही एक पर्ची निकलती है। इस पर्ची की बात करें, तो इसमें उस उम्मीदवार का नाम और चुनाव चिन्ह होता है, जिसे उसने अपना कीमती वोट दिया है।

क्या है वीवीपीएटी

वीवीपीएटी की बात करें, तो ये एक स्वतंत्र वोट सत्यापन प्रणाली है। इसके जरिए वोट देने वाला यह जान सकता है कि उनका वोट उसी व्यक्ति को गया है या नहीं, जिसे उसके द्वारा वोट दिया गया है।

झारखंड में 6800 सिपाहियों की नियुक्ति का रास्ता साफ

- हाईकोर्ट ने नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

प्रातः नागपुरी संवाददाता, रांची

कॉन्स्टेबल नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुना दिया है। शुक्रवार को अदालत ने सिपाही नियुक्ति को चुनौती देने से संबंधित सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं। 15 मार्च को हुई सुनवाई के दौरान इस केस से जुड़े सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत के इस फैसले से उन लोगों को बड़ी राहत मिली है, जिनकी नियुक्ति वर्ष 2015 में हुई थी। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में हुई।

बता दें कि राज्य के 6800 सिपाहियों की नियुक्तियों को रिट संख्या 04/2015 के माध्यम से सुनील टुडू एवं अन्य ने झारखंड हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने विज्ञापन संख्या 04/2015 के तहत नियुक्त सिपाहियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया था। अदालत ने यह भी निर्देश दिया था कि सिपाही के पद पर नियुक्त किये गये करीब 6800 सिपाहियों को व्यक्तिगत रूप से लिखित में सूचित किया जाये कि मामले के अंतिम आदेश से आपकी नियुक्ति प्रभावित होगी।

झारखंड की चार लोस सीटों से 18 के नामांकन रद्द, चुनाव मैदान में रह गये 47 उम्मीदवार

प्रातः नागपुरी संवाददाता, रांची

लोकसभा चुनाव 2024

लोकसभा चुनाव के पहले चरण को लेकर दाखिल किये गये नामांकन की शुक्रवार को स्क्रूटनी हुई। इसमें चार लोकसभा सीट से 18 प्रत्याशियों का पर्चा रद्द कर दिया गया। जिसमें खूंटी लोकसभा से 9 प्रत्याशी, लोहरदगा से 2, सिंहभूम सीट से 7 और पलामू से किसी भी प्रत्याशी का नामांकन रद्द नहीं हुआ। इसके बाद अब मैदान में 47 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। हालांकि, वापसी की अंतिम तिथि 29 अप्रैल है। इसके बाद कोई भी उम्मीदवार अपना नाम वापस नहीं ले सकता है।

किस लोकसभा सीट से कितने लोगों ने भरा था पर्चा : सिंहभूम लोकसभा सीट से 21, लोहरदगा से 17, खूंटी से 16 और पलामू से 11 लोगों ने अपना पर्चा दाखिल किया था। लोहरदगा लोकसभा सीट से बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रत्याशी ललित उरांव व निर्दलीय प्रत्याशी एतवा उरांव का नामांकन रद्द किया गया। वहीं खूंटी से अबुआ झारखंड पार्टी के सोमा मुंडा, भागीदारी पार्टी के जयपाल मुंडा, अंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया के समड़ोम गुड़िया, अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया के सामुएल पूर्ति, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया के थॉमस डांग, झारखंड पार्टी के प्यारा मुंडू, लोकहित अधिकारी पार्टी के काशीनाथ संगा, निर्दलीय उम्मीदवार सुबोध पूर्ति और अहलाद का नामांकन रद्द कर दिया गया।

क्या है रद्द होने की वजह : रद्द होने वाले नामांकन के बारे में बताया गया कि अलग उम्मीदवारों का पर्चा अलग अलग कारणों से रद्द हुआ है।

शेष पेज 08 पर

लोकसभा चुनाव का दूसरा चरण : 13 राज्यों की 88 सीटों पर वोटिंग खत्म

त्रिपुरा-मणिपुर में 75 प्रतिशत से ज्यादा मतदान

एजेंसियां, नई दिल्ली

हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बीच शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान खत्म हो चुका है। शाम 5 बजे तक 61 वोटिंग हुई है। 5 बजे तक त्रिपुरा में सबसे ज्यादा मतदान 76।2 फीसदी मतदान हुआ है। इसके बाद मणिपुर में 76।1 फीसदी वोट डाले गए हैं। 5 बजे तक छत्तीसगढ़ में 72।1 फीसदी मतदान हुआ है। वहीं वेस्ट बंगाल और असम में 5 बजे तक 70 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ है। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में आज यानी 26 अप्रैल 2024 को 13 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों के लिए चुनाव हुआ। केरल की सभी 20 लोकसभा सीटों पर चुनाव हुआ है। कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, उत्तर प्रदेश की आठ, महाराष्ट्र की आठ, मध्य प्रदेश की छह, असम की पांच, बिहार की पांच, छत्तीसगढ़ की तीन, पश्चिम बंगाल की तीन और त्रिपुरा, मणिपुर एवं जम्मू कश्मीर की एक-एक सीट समेत 88 लोकसभा सीटों पर वोट डाले गए।

इसमें मणिपुर बाहरी सीट के तहत कुछ विधानसभा क्षेत्र में लोकसभा के लिए मतदान पहले चरण में हो चुका है, जबकि अन्य विधानसभा क्षेत्र में आज मतदान हुआ। दूसरे चरण में चुनाव लड़ने वालों में केरल के वायनाड से राहुल गांधी, तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस के शशि थरूर मैदान में हैं। शशि थरूर का मुकाबला केंद्रीय मंत्री और भाजपा के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर से है। मथुरा से हेमा मालिनी, राजनांदगांव से भूपेश बघेल, बेंगलुरु ग्रामीण से डी।के। सुरेश और बेंगलुरु दक्षिण से तेजस्वी सूर्या चुनाव लड़ रहे हैं। राजस्थान की कोटा सीट से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। बिहार के पूर्णिया से पप्पू यादव बतौर निर्दलीय मैदान में हैं। मेरठ से भाजपा के उम्मीदवार अरुण गोविल चुनाव लड़ रहे हैं।

बिहार: दरभंगा में शादी समारोह में आतिशबाजी से लगी आग, एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत

एजेंसियां, दरभंगा

मृतकों में महिला व मासूम भी शामिल

बिहार के दरभंगा में एक शादी घर में बड़ा हादसा हुआ है, जहां आग लगने से 6 लोगों की मौत हो गयी। शादी की खुशियां पल भर में ही मातम में तब्दील हो गयीं। घटना गुरुवार देर रात की है। शादी समारोह के लिए बनाए शामियाने में आग लग गयी और उसकी चपेट में आधा दर्जन से अधिक लोग आ गए। 6 लोगों की मौत की सूचना अभी तक सामने आयी है। घटना अलीनगर प्रखंड के बहेड़ा थाना अंतर्गत अंटोर गांव की है।

आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण इकट्ठे होकर आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। लेकिन आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया। इस दौरान आग की लपटें वहां रखे सिलेंडर को अपनी चपेट में ले लिया और सिलेंडर तेज आवाज के साथ विस्फोट कर गया।

शेष पेज 08 पर

झारखंड में 30 तक लू की चेतावनी, अलर्ट जारी

रांची। शुक्रवार को राज्य के लगभग सभी जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेसि के पार पहुंच गया। मात्र छह जिलों का ही अधिकतम तापमान 40 डिग्री से कम रहा। न्यूनतम तापमान भी 25 डिग्री सेसि या इससे अधिक चल रहा है। इस कारण लोगों को सुबह धूप बढ़ने के साथ ही गर्मी का एहसास हो रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र का पूर्वानुमान है कि 27 से 30 अप्रैल तक पूरे राज्य में हीट वेव चल सकती है। इस दौरान राजधानी सहित अन्य जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेसि या इसके आसपास रह सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अलर्ट जारी किया है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेसि के करीब पहुंच गया। 28 अप्रैल से लेकर अगले कुछ दिनों तक लगातार यहां का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेसि के पार रहने का अनुमान है। इस दौरान बादल छाने या मौसम में किसी तरह के बदलाव के संकेत नहीं हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि संताल परगना के इलाके में पारा 40 डिग्री सेसि से ऊपर चल रहा है।

कोल्हान में स्थिति और खराब है। यहां अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेसि पर है। चाईबासा में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेसि हो गया है। पलामू प्रमंडल के गढ़वा में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेसि, जबकि डालटनगंज में 42 डिग्री सेसि हो गया है।

कांग्रेस के मैनिफेस्टो पर मुस्लिम लीग का छाप: पीएम मोदी

- अररिया की सभा में बिहार में बूथ लूट और जंगल राज की दिलायी याद

एजेंसियां, अररिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अररिया जिले के फारबिसगंज में शुक्रवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस शुरू से ही मुस्लिम तुष्टिकरण के तहत काम किया है। कांग्रेस का मैनिफेस्टो पर मुस्लिम लीग का छाप है। पीएम ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह ने देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों के हक की बात कही थी।जिसका वीडियो अभी भी है। जबकि एनडीए मानती है देश के संसाधन और संपत्ति पर पहला हक गरीबों का है। गरीब मजदूरों, किसानों, छात्र, युवा और मां बहनों का है। इस दौरान उन्होंने बिहार में बूथ लूट और जंगल राज की भी याद दिलायी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संपत्ति,जमीन,यज्ञ तक की घर में रखे गहने और वह भी सुहागिन मां बहनों का मंगलसूत्र तक छीनने की कवायद में है।उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी परिवार के मुखिया सदस्य के गुजर जाने के बाद अपनी संपत्ति बेटे बेटियों को नहीं दे पायेंगे।कांग्रेस वैसी संपत्ति पर 55 फीसदी टैक्स लगाने वाले हैं। उन्होंने नारा देते हुए कहा कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी,जिंदगी के बाद भी। इससे पहले पांचवीं बार फारबिसगंज आने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संबोधन की शुरुआत स्थानीय भाषा में कहा कि अररिया के ई पावन धरती मा अहां सब कै प्रणाम करै छी से की।जिस पर मौजूद भीड़ ने जमकर तालियां बजाईं।आंचलिक साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अररिया और सुपौल की इस भूमि से उनका विशेष लगाव है। उन्होंने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि देश का आशीर्वाद मिला तो अपने तीसरे कार्यकाल में कर्ज उतारने के लिए और ज्यादा मेहनत करूंगा।तीसरे कार्यकाल में देशहित में और ज्यादा बड़ा फैसला लेने वाला हूं।उन्होंने गर्मी और विपरीत परिस्थिति के बावजूद मतदाताओं खासकर युवा मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्र पर पहुंचकर एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने की अपील की।उन्होंने कहा कि 2024 का यह चुनाव भारत को आर्थिक और सामरिक दृष्टि से मजबूत बनाने वाला चुनाव है।जिसमे बिहार को महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन को न तो देश के संविधान का परवाह है और न लोकतंत्र का।वर्षों तक बैलट पेपर के बहाने गरीब मजलूमों के मतदान का अधिकार छीनने का काम किया जाता था।कांगरे से शासनकाल में बूथ लूट और बैलट पेपर लूटा जाता था।

शेष पेज 08 पर

एसीबी ने बलियापुर ब्लॉक कॉर्डिनेटर को किया गिरफ्तार

- बिल पास कराने के नाम पर ठेकेदार से मांगी थी 30 हजार रुपये घूस

धनबाद। एसीबी की टीम ने शुक्रवार को बलियापुर प्रखंड अंचल कार्यालय में दबिश दी। एसीबी की टीम ने ब्लॉक कॉर्डिनेटर जयंत कुमार डे को तीस हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों दबोचने सफलता हासिल की है। करीब डेढ़ घंटे तक की चली कार्रवाई के बाद आरोपी जयंत कुमार डे को एसीबी की टीम गिरफ्तार कर अपने साथ कार्यालय ले गई। इस कार्रवाई से बलियापुर प्रखंड अंचल कार्यालय में हड़कंप मच गया है। प्रखंड अंचल के सभी कर्मी अपने अपने कार्यालय से बाहर निकल कर आ गए। इस कार्रवाई की जानकारी एसीबी के एसपी सहदेव साव ने मीडिया को दी। पत्रकारों से जानकारी साझा करते हुए एसीबी एसपी ने बताया कि बलियापुर भिखाराजपुर के रहने वाले संवेदक मोहम्मद इरशाद की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई है।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

तोरपा में युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

खूंटी। तोरपा थाना क्षेत्र के कुल्डा जंगल में विनोद गोप (30) ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार को उसका शव जंगल में एक पेड़ पर लटका हुआ मिला। जानकारी के अनुसार वह गिड्डम गांव का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह विगत तीन दिनों से घर से लापता था। मामले की जानकारी मिलने पर तोरपा थाना की पुलिस वहां पहुंची तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया

लोकसभा चुनाव को लेकर बैठक आयोजित

खूंटी। रनिया मंडल में भाजपा की शुक्रवार को मंडल अध्यक्ष निखिल कंडुलना की अध्यक्षता में हुई बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर विचार विमर्श किया गया। मौके पर चुनाव प्रभारी संतोष जयसवाल ने भाजपा कार्यकताओं को निर्देश देते हुए कहा कि यह सबसे महत्वपूर्ण समय है। हर कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और लगन के साथ घर-घर जाकर भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा के पक्ष में मतदान करने की अपील लोगों से करें। जयसवाल ने कहा कि चुनाव के दौरान सभी कार्यकताओं की जिम्मेवारी बढ़ जाती है। आप ही संगठन की रीढ़ हैं। बैठक में रनिया मंडल की सभी सातों पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पंचायत प्रभारी ,उपस्थित थे। बैठक में प्रत्येक पंचायत में चुनाव की रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। मौके पर बूथ स्तरीय कार्यकताओं को पाठसभा में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी अध्यक्षों को निर्देश दिया गया।

शरारती तत्वों ने जंगल में लगाई आग

बेड़ो। प्रखंड के बारीडीह गांव के समीप जंगल में शुक्रवार की सुबह को शरारती तत्वों ने आग लगा दी। जिसके कारण पूरे जंगल में आग फैल गई। आग से जंगल में लगे कई पेड़ पौधे जल गए। ग्रामीणों द्वारा आग पर काबू पाने के लिए काफी प्रयास किया गया।वही आग के भयानक रूप को देखते हुए स्थानीय लोगों द्वारा अग्नि शमन विभाग को सूचना दी गई। जिसके बाद अग्नि शमन वाहन मौके पर पहुंची। लेकिन इसके पूर्व ही ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। वही अगलगी की खबर पाकर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई थी। ग्रामीणों कहा कि किसने आग लगाई यह अब तक पता नहीं चल पाया है।
इधर जंगल में गिरे साल वृक्ष के सूखे पत्तों के साथ-साथ हरे-भरे छोटे-छोटे पौधे,सखुआ के कई पेड़ आशिक या पूर्ण रूप से जल गए। जंगल में लगी आग जंगल के घनत्व में कमी आने के कारण भयावह रूप तो नहीं ले सकी,लेकिन जंगल का अधिकाश हिस्सा जल गया। हरे-भरे पौधों के साथ-साथ सैकड़ों प्रकार के कीड़े-मकोड़े और जीव जंतु जंगल में आग के कारण बुरी तरह प्रभावित हुए।

रामगढ़ में 43 असहाय घर पर करेंगे मतदान चुनाव में गांव आ रहे तीन हजार से अधिक प्रवासी

संवाददाता

रामगढ़। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में नामांकन 27 अप्रैल से शुरू हो जाएगा। इसके लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसकी जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि तीन मई तक नामांकन पत्र भरे जाएंगे। चार मई को स्क्रुटनी होगी और छह मई तक नाम वापस लिए जाएंगे। इसके बाद 20 मई को लोकसभा क्षेत्र में मतदान होगा और चार जून को मतगणना के बाद यह प्रक्रिया खत्म होगी।
डीसी ने बताया कि 20 मई को चुनाव कराने के लिए पोलिंग पार्टी को रामगढ़ कॉलेज परिसर में 19 मई को ईवीएम उपलब्ध कराया जाएगा। रामगढ़ जिले में सुबह 7:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक मतदान चलेगा। मतदान के बाद हजारीबाग में बनाए गए स्ट्रांग रूम में ईवीएम जमा किए जाएंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी डॉ बिमल कुमार और निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र गुप्ता मौजूद थे। डीसी ने बताया कि रामगढ़ जिले में शत-प्रतिशत मतदाता मताधिकार का प्रयोग करें, इसके लिए अनूठी योजना चलाई गई है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वैसे मतदाता जिनकी उम्र काफी अधिक है या फिर वे दिव्यांग हैं। वे किसी भी परिस्थिति में मतदान केंद्र तक नहीं पहुंच सकते हैं, तो उनके घर पर मतदान की प्रक्रिया पूर्ण कराई जाएगी। रामगढ़ जिले में 43 ऐसे मतदाताओं को चिह्नित किया गया है। चुनाव कार्य में लगी टीम उनके घर जाकर बैलेट से मतदान प्रक्रिया पूरी कराएगी।
डीसी ने बताया कि रामगढ़ जिले के 10 हजार से अधिक मतदाता दूसरे जिले या राज्य में काम कर रहे हैं। इसकी सूची श्रम विभाग की ओर से दी गई थी। बीएलओ के द्वारा भी प्रवासी मजदूरों को चिह्नित किया गया था। इनमें से तीन हजार से अधिक मतदाता वोट डालने के लिए 20 में से पहले अपने घर पहुंच रहे हैं। यह अभी तक का आंकड़ा है। इसमें और भी इजाफा हो सकता है। कई लोगों ने कार्यालय में ईमेल किया है और कई लोगों ने फोन से टिकट बुक करने की बात कही है।

एसएसटी और एफएसटी हुआ सक्रिय

डीसी चंदन कुमार ने बताया कि स्टेटिक स्क्वाड टीम और फ्लाइंग स्क्वायड टीम अधिसूचना जारी होने के साथ ही सक्रिय हो गए हैं। रामगढ़ जिले के प्रवेश मार्ग पर स्टेटिक स्क्वायर टीम ने जांच शुरू कर दी है। पतरातू प्रखंड में तालाटांड़ और पालू, रामगढ़ प्रखंड में बनखेता, गोला प्रखंड में चौपादारू, दुलमी प्रखंड में कुल्ही और मांडू प्रखंड में थाना के समीप चेकनाका बना कर वाहनों की जांच की जा रही है। कहीं भी चुनाव को प्रभावित करने के लिए पैसे, शराब वह अन्य चीजों का प्रलोभन दिया जा रहा है, तो उसकी सूचना मिलते ही फ्लाइंग स्क्वायड टीम कार्रवाई करेगी।

यूनिक होंगे महिला और दिव्यांग बूथ, मिलेगा गोलगप्पा व आइसक्रीम

डीसी ने बताया कि 20 मई को मतदान होना है। जिले में यूनिक मतदान केंद्र भी बनाए जा रहे हैं। इसमें 14 महिला बूथ और छह दिव्यांग बूथ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि महिला बूथ पर महिला सुरक्षा कर्मी और महिला पोलिंग पार्टी ही मौजूद रहेगी। इसके अलावा वहां मटके में पानी, शौचालय, टेंट आदि की व्यवस्था होगी। साथ ही उन बूथों से 200 मीटर दूर गोलगप्पे और आइसक्रीम के ठेले भी लगाए जाएंगे। यूनिक बूथ के पास मेले जैसा माहौल होगा। छह दिव्यांग बूथों के पास भी सारी व्यवस्था होगी। वहां व्हीलचेयर, रैम्प, शौचालय, पेयजल, अटेंडेंट के रुकने की व्यवस्था की जा रही है। उन स्थानों पर छांव के लिए टेंट भी लगाए जाएंगे।

80 वर्ष से अधिक उम्र वालों के लिए उपलब्ध होगी गाड़ी

80 वर्ष से अधिक उम्र के लोग या दिव्यांग व्यक्ति जो मतदान केंद्र पर पहुंचने में समर्थ नहीं होंगे, उन्हें बाकायदा गाड़ी पर बिठाकर मतदान केंद्र तक पहुंचाया जाएगा। डीसी ने बताया कि मतदान केंद्रों के पास छोटी गाड़ियों की व्यवस्था की जा रही है, ताकि आसानी से लोगों को उनके घर से लाया जा सके। बीएलओ को इसकी जिम्मेदारी दी गई है, ताकि वैसे लोगों को चिन्हित करके वे पहले से रखें।

खूंटी संसदीय सीट से नौ प्रत्याशियों का नामांकन रद्द, सात उम्मीदवार मैदान में

खूंटी। तकनीकी खमियों के कारण खूंटी संसदीय से नामांकन पत्र दाखिल करने वाले 16 अभयर्थियों में से नौ प्रत्याशियों का नामांकन संविक्षा के बाद रद्द कर दिया गया औ उनके चुनाव लड़ने के मंसूबे पर पानी फिर गया। जिला प्रशासन द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि खूंटी लोकसभा क्षेत्र में नामांकन पत्रों की संवीक्षा के दौरान सात अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र योग्य पाये गये। नौ प्रत्याशियों के नामांकन पत्र अयोग्य घोषित कर दिये गये। संविक्षा में योग्य पाए गए अभ्यर्थियों में अर्जुन मुंडा, काली चरण मुंडा, सावित्री देवी, बबीता कच्छप, अर्पणा हंस, बसंत कुमार लोंगा, निर्दलीय और पास्टर संजय कुमार तिर्की, निर्दलीय शमिल हैं। संविक्षा में अयोग्य पाए गए अभ्यर्थियों में सोमा मुंडा, अबुआ झारखंड पार्टी, जयपाल मुंडा, भागीदारी पार्टी (पी), समडोम गुड़िया, आंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया, सामुएल पूर्ति, आंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया, थॉमस डांग, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक), प्यारा मुंडू, झारखंड पार्टी, काशी नाथ सांगा, लोकहित अधिकार पार्टी, सुबोध पूर्ति, निर्दलीय और अहलाद केरकेट्टा, निर्दलीय शामिल हैं।

18 वर्षों से फरार चल रहा वारंटी प्रदीप साव गिरफ्तार

संवाददाता

रामगढ़। अगामी निर्वाचन-2024 का स्वतंत्र व निष्पक्ष आयोजन को लेकर लोकसभा चुनाव के दौरान अपराधकर्मियों एवं फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर लगातार चलाये जा रहे छापेमारी अभियान के दौरान 26 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक रामगढ़ को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि मांडू (वेस्ट बोकारो) थाना कांड संख्या-175/ 2006, दिनांक-27/05/2006, धारा-147/ 148/ 149/ 323/ 337/ 427/504 भादवि एवं जीआर1405/06 में 18 वर्षों से फरार चल रहे लाल वारंटी प्रदीप साव, पिता स्व दिनेश्वर साहू, सा०-बड़गांव, थाना-मांडू (वे०बो०), जिला-रामगढ़ कुज्जू स्थित फैक्ट्री में काम करता है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक रामगढ़ द्वारा पुअनि सदानन्द कुमार ओ०पी० प्रभारी वेस्ट बोकारो के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी टीम द्वारा कुज्जू स्थित फैक्ट्री से 18 वर्षों से फरार चल रहे लाल वारंटी प्रदीप साव को विधिवत गिरफ्तार किया गया। उक्त अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक डॉ० बिमल कुमार के दिशा-निर्देश में पिछले दिनों रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न थाना/ओपी में दर्ज पुराने से पुराने कांडों में फरार चल रहे अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

गिरफ्तार व्यक्ति का नाम पता

प्रदीप साव, पिता-स्व. दिनेश्वर साहू, सा.-बड़गाँव, थाना- माण्डू (वेबो), जिला-रामगढ़।

छापेमारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी

छापेमारी दल में पुअनि सदानंद कुमार ओपी प्रभारी वेस्ट बोकारो, पुअनि संजय बेदिया वेस्ट बोकारो एवं वेस्ट बोकारो ओपी सशस्त्र बल शामिल थे।

आदिवासियों का हित भाजपा और कांग्रेस के लिए कभी चुनावी मुद्दा नहीं रहा: बसंत लोंगा

संवाददाता

खूंटी। जनजातियों के लिए सुरक्षित खूंटी संसदीय सीट से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में भाग्य आजमा रहे कोलेबिरा के पूर्व झामुमो विधायक बसंत लोंगा ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा सहित अन्य राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों के ऐजेंडे में आदिवासियों की भलाई की बात कभी नहीं रही। सरना कोड, समता जजमेंट, रुढ़िवादी पारंपरिक व्यवस्था, पेसा कानून जैसे आदिवासियों से जुड़े मामले भाजपा और कांग्रेस के लिए कभी चुनावी मुद्दे कभी नहीं बने सके। तोरपा में कोआर्डिनेशन कमेटी की बैठक के पूर्व पत्रकारों से बातचीत करते हुए बसंत लोंगा ने कहा कि वे न कभी झामुमो के विरोधी रहे हैं और न ही वे बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। आज भी गुरुजी शिबू सोरेन उनके आदर्श हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि झामुमो ने 1995 के बाद मुझे अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका ही नहीं दिया। पूर्व विधायक ने कहा कि आज झामुमो भी उद्देश्यों से भटक गया है। उन्होंने कहा कि खूंटी संसदीय सीट में कांग्रेस और भाजपा के बीच कोई गुप्त समझौता जरूर हुआ है अन्यथा क्या कारण हो सकता है कि लगातार चुनाव हारने वाले कालीचरण मुंडा को ही इस बार भी कांग्रेस ने टिकट दे दिया। उन्होंने कहा कि सरना धर्मावलंबियों के लिए सरना कोड बहुत जरूरी है लेकिन यह मुद्दा न कांग्रेस के घोषणा पत्र में है और न भाजपा के संकल्प पत्र में। एक प्रश्न के उत्तर में बसंत लोंगा ने कहा कि खूंटी संसदीय सीट से कांग्रेस की अपेक्षा झामुमो बेहतर प्रदर्शन कर सकता है लेकिन गुप्त समझौते के तहत हर बार आदिवासियों के लिए आरक्षित इस सीट को कांग्रेस को दे दिया जा रहा है और हर बार कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ता है।

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के प्रांगण में ओरिगामी प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

रामगढ़ । शहर के श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के प्रांगण में 26 अप्रैल को ओरिगामी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता कक्षा 6 के द्वारा कराई गई। ओरिगामी वह कला है, जिसमें पेपर को कई डिजाइनों में फोल्ड किया जाता है, जिससे एक आकृति बनती है। पेपर फोल्ड कर तरह-तरह की आकृतियां बनाने वाले कलाकार को पेपर फोल्डर कहते हैं। जिसका अर्थ है कि वस्तु की गुणवत्ता या व्यक्ति की क्षमता पर्याप्त रूप से उच्च है। 'ओरिगामी' शब्द जापान में पुराने दस्तावेजों की एक विशिष्ट शैली को भी संदर्भित करता है। विद्यालय के बच्चों ने इस कला में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सब ने अपने कलाकृतियों का प्रदर्शन किया।इस कला को कक्षा 6 के बच्चों ने अपनी प्रतिभाओं के अनुसार नए-नए रूपों को नया आकार दिया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह ने विद्यालय के बच्चों की प्रशंसा कर उनके हौसले को यूं ही बनाए रखने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई कार्य नहीं है जो हमारे बच्चे नहीं कर सकते। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, उपाध्यक्ष सरदार परमिंदर सिंह जस्सल और सरदार कुलजीत सिंह कालरा, उपाध्यक्ष सह प्रबंधक सरदार मनमोहन सिंह लांबा सहित स्कूल प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार परमजीत सिंह चमन, सरदार हरदीप सिंह, सरदार पुश्विंदर सिंह छाबड़ा, सरदार कुलजीत सिंह छाबड़ा, सरदार इंद्रपाल सिंह सैनी, सरदार ब्रह्म भसीन, सरदार विक्रमजीत सिंह कोहली तथा मीडिया प्रभारी सरदार करमजीत सिंह जग्गी भी उपस्थित थे।

सदान अपने अधिकारों को ध्यान में रखकर मतदान करें : राजेंद्र प्रसाद

खूंटी। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद का खूंटी में शुक्रवार को मोर्चा के कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। राजेंद्र प्रसाद अगंराबारी जाने के क्रम में कुछ देर के लिए खूंटी में रुके थे। राजेंद्र प्रसाद ने लोगों से अपील की कि मतदान आपका सबसे बड़ा अधिकार है और इसी चुनाव के माध्यम से आप देश का भाग्य बदल सकते हैं। इसलिए हर योग्य व्यक्ति वोट जरूर डाले। राजेन्द्र ने कहा कि वोट करना राष्ट्र धर्म है। उन्होंने कहा कि सदान अपने अधिकारों को ध्यान में रखकर वोट करें, जिससे सरकार और राजनीतिक दलों के ऊपर मूलवासी सदानों के अधिकारों को लेकर दबाव बनाया जा सके और प्रत्याशी को एहसास हो कि वे मूलवासी सदानों के वोट से चुनाव जीत कर आए हैं। इस मौके पर मूलवासी सदान मोर्चा खूंटी के जिलाध्यक्ष शिवनारायण गौंझू, संरक्षक किशोर गौंझू, युवा प्रदेश अध्यक्ष सयूम अंसारी, शिव कुमार कर, अजीत, श्रवण कुमार, घनश्याम महतो, संतोष गुप्ता संतोष गुप्ता, सुबोध महतो, अमित गौंझू आदि मौजूद थे।

श्रद्धा और भक्ति के साथ तोरपा का नौ दिवसीय मंडा अनुष्ठान संपन्न

संवाददाता

खूंटी। वैसे तो भगवान भोलनाथ को प्रसन्न करने के लिए अलग-अलग इलाकों में कई तरह के अनुष्ठान किए जाते है, पर शैव भक्ति की जितनी कष्टसाध्य आराधना पंडा पर्व है, उतना कष्ट सामान्य पूजा-अर्चना में देखने को नहीं मिलता। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के बाद से ही पूरे झारखंड में भगवान भोलेनाथ की कष्ट साध्य आराधना का पर्व मंडा शुरू हो जाता है, जो पूरे ज्येष्ठ महीने तक चलता है। यह ऐसा सार्वजनिक अनुष्ठान है, जिसमें न कोई जात भेद होता और न ही मंत्रोच्चार की जरूरत है। भक्त भगवान आशुतोष को प्रसन्न करने के लिए सिर्फ अपने शरीर को कष्ट देते हैं। मंडा अनुष्ठान कहीं-कहीं नौ दिनों का होता है, तो कही तीन दिनों का। भगवान शंकर का वरदान पाने के लिए भक्त जिन्हें भोक्ता कहा जाता है, अनुष्ठान पूरा होने तक अपना घर-परिवार त्याग कर किसी शिवालय में शरण लेते हैं। इस दौरान वे 24 घंटे में सिर्फ एक बार फलाहार करते हैं। मंडा पर्व ऐसा अनुष्ठान होता है, जहां जनजातीय और अनुसूचित जाति समुदाय के लोग काफी संख्या में भाग लेते हैं। झारखंड के अलग-अलग गांवों में अलग-अलग तिथियों में मंडा पर्व मनाया जाता है। हालांकि इसका अनुष्ठान सभी गांवों में नहीं होता। जिस परिवार से कोई भोक्ता मंडा अनुष्ठान में शामिल होता है, तो उसके पूरे परिवार और निकट के रिश्तेदारों मांस-मदिरा का सेवन पूरी तरह बंद हो जाता है।
ऐस ही नौ दिवसीय कष्टसाध्य मंडा पर्व शुक्रवार को तोरपा में संपन्न हो गया। सुबह से लेकर शाम तक निराहार रहकर और दहकते अंगारों में नंगे पाव चलकर भगवान भोलेनाथ की भक्ति का परिचय देते हुए 20 फीट ऊंचे झूले में झूलकर मंडा पूजा का समापन हुआ। मंडा पूजा के अंतिम दिन बडाईक टोली स्थित शिवालय परिसर में भक्तों और श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। मंडा पूजा समिति तोरपा के तत्वावधान मे आयोजित लोटन सेवा, धुंआसी, फूलखंदी और झूलन के साथ संपन्न हो गया। धार्मिक अनुष्ठान पुजारी श्याम सुंदर कर और पाट भोक्ता धन सिंह महतो की अगुवाई में किया गया। फूलखंदी के तहत शिवभक्तों ने नंगे पाव दहकते अंगारों के बीच चलकर अपनी भक्ति और आस्था का परिचय दिया।
वहीं झूलन के दौरान झूलते हुए शिवभक्तों ने श्रद्धालुओं के बीच आस्था के फूल बरसाए, जिसे पाने की होड़ महिलाओं के बीच मची रही। इसके बाद लोगों में प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय बड़ाईक, उपेंद्र साहू, राजेश नायक, मनु नायक लखन साहू देवनंदन साहू सहित आदि ने योगदान दिया।

डीएवी उरीमारी में मनाया गया विश्व कृमि मुक्ति दिवस

उरीमारी। डीएवी उरीमारी में शुक्रवार को झारखंड सरकार के निर्देश पर विद्यालय के 1 से 19 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चों को विश्व कृमि मुक्ति अभियान के तहत । 400 उह खिलाया गया द्य यह कार्यक्रम बड़कागांव प्रखंड चिकित्सालय के तरुण कुमार शर्मा, प्रिय हेम्ब्रम, रूपा देवी तथा अर्चना टोप्पो की टीम की निगरानी में चलाया गया। अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य उत्तम कुमार रॉय ने बच्चों के बीच जाकर उन्हें दवा तथा इसके फायदे के बारे में विस्तार से बताया द्य प्राचार्य ने बताया कि हमारे शारीर में कृमि की वजह से तरह-तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिससे शारीरिक और मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित किया जा रहा है, ताकि हमारी यह पीढ़ी आने वाले समय में शारीरिक परेशानियों से बच सके और उनका सम्यक विकास सुनिश्चित हो सके।

मतदान कर हम सरकार नहीं, बल्कि भारत की दिशा तय करते हैं : निखिल रंजन

रामगढ़ । हमारा एक वोट केवल सरकार नहीं बनाता, बल्कि वह भारत की दिशा तय करता है। यह बात शुक्रवार को रामगढ़ पहुंचे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बिहार-झारखंड क्षेत्रीय संगठन मंत्री निखिल रंजन ने कही। अभाविप की रामगढ़ जिला शाखा ने मतदाता जागरूकता अभियान हेतु बैठक का आयोजन होटल मिलन में किया था। इस मौके पर निखिल रंजन ने कहा कि भारत ने अपनी सफल निर्वाचन प्रक्रिया द्वारा विश्व की सबसे बड़े लोकतंत्र के सफल संचालन का परिचय कराया है। मतदाताओं की जागरूकता एवं भारत की चुनाव प्रक्रिया ही हमें और मजबूती देगा। हम अपने वोट से यह सुनिश्चित करते हैं कि भारत के भविष्य एवं विकास की गति क्या होगी। प्रत्येक चुनाव में मतदाता प्रतिशत में बढ़ोतरी ने भारत के नागरिकों की लोकतंत्र में आस्था को सिद्ध किया है। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक शुभम गिरी ने की। बैठक में रामगढ़ नगर अध्यक्ष डॉक्टर आशीष कुमार एवं जिला संगठन मंत्री विक्रम राठौड़ मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूकता अभियान चलाने को लेकर कमेटी का गठन किया गया। नगर अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार ने कहा कि सरकार पर सवाल उठाने से अच्छा है हम अपने मतों का उपयोग कर निर्णय खुद करें। मत का उपयोग लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाता है। जिला संयोजक शुभम गिरी ने कहा कि मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर अभियान समिति का गठन एक-दो दिन में किया जाएगा जिसमें आभियान के जिला संयोजक, नगर संयोजक, प्रखंड अभियान संयोजक के रूप में सभी को दायित्व सौंपा जाएगा। पंचायत स्तर से लेकर बूथ स्तर तक समिति का विस्तार किया जाएगा। मतदाता जनजागरण अभियान के नियमित छोटी बैठक 300 करने का लक्ष्य है। बैठक में मुख्य रूप से प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सह कॉलेज अध्यक्ष नितेश कुमार मोदी, चितरपुर नगर मंत्री संदीप शुक्ला, भुरकुंडा नगर मंत्री पुनीत कुमार, कृष्णा पोद्दार्थ, भुरकुंडा नगर सह मंत्री पिंटू मुंडा सहित कई लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त

चुनाव आयोग ने की नयी परंपरा की शुरूआत: झामुमो

रांची। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने चुनाव आयोग की ओर से दो राष्ट्रीय दलों के स्टार प्रचारकों के संबंध में नोटिस भेजे जाने पर कड़ी नाराजगी जतायी है। भट्टाचार्य ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चुनाव आयोग ने दो राष्ट्रीय दलों को दो नोटिस भेजा है। दोनों पार्टियों से स्टार प्रचारकों के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। चुनाव आयोग ने ऐसी परंपरा की शुरूआत पहली बार की है। क्योंकि यह मांग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की है। चुनाव आयोग को यह साहस नहीं हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी को नोटिस भेजा जाये। जब चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा गया है। दूसरा स्पष्टीकरण दिलीप घोष से मांगा गया। प्रधानमंत्री मोदी को नोटिस क्यों नहीं यह बहुत बड़ा सवाल है, ये सवाल साधारण नहीं है। भाजपा की तरफ से लगातार हेट स्पीचेज दिए जा रहे हैं। बिहार में गिरिराज सिंह के भाषा पर कोई कुछ नहीं बोल रहा है। भाजपा के कई अन्य नेता गलत भाषण और बयानबाजी करने से बाज नहीं आते है। लेकिन चुनाव आयोग उन नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 29 अप्रैल को

रांची। जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 29 अप्रैल को रांची के प्रेस क्लब में आयोजित की जायेगी। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो करेंगे। इसमें जदयू के प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, प्रमंडल प्रभारी एवं जिला संगठन प्रभारी सहित विभिन्न प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शामिल होंगे। यह जानकारी शुक्रवार को जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने दी।

रांची में दंगे का फरार आरोपी गिरफ्तार

रांची। राजधानी की कोतवाली थाना पुलिस ने रांची दंगे के फरार आरोपित मो. सद्दाम को गिरफ्तार किया है। वह हिन्दपीढ़ी थाना क्षेत्र के एकरा मस्जिद के पास हुए साम्प्रदायिक दंगे में भी शामिल था। उसके खिलाफ रांची के 11 थानों में अलग-अलग मामले दर्ज हैं। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कोतवाली थाना के एक मामले के आरोपित मो सद्दाम उर्फ कोरेंट पगला एसएन गांगुली रोड पर रेकी कर रहा है। इसके बाद कोतवाली थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिन्हा के नेतृत्व में गठित टीम ने मो. सदाम को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह लूटपाट को अंजाम देने के लिए रेकी कर रहा था। इसी दौरान पकड़ा गया। पूछताछ में सद्दाम ने बताया कि हिन्दपीढ़ी थाना क्षेत्र के एकरा मस्जिद के पास हुए साम्प्रदायिक दंगे में भी वह शामिल था।

महेश्वर साहू समर्थकों के साथ कांग्रेस में हुए शामिल

रांची। प्रदेश कांग्रेस के तत्वाधान में शुक्रवार को मिलन समारोह का आयोजन कांग्रेस भवन रांची में किया गया। मिलन समारोह में झारखंड वैश्य मोर्चा के अध्यक्ष महेश्वर साहू ने सैकड़ो समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने माला पहनाकर महेश्वर साहू और उनके समर्थकों को कांग्रेस के सदस्यता दिलाई। मौके पर राजेश ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से प्रभावित होकर और देश के वर्तमान माहौल को देखते हुए महेश्वर साहू ने अपने लोगों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है। देश के वर्तमान हालात में अच्छे भविष्य के लिए राहुल एक उम्मीद की किरण के रूप में देशवासियों को नजर आ रहे हैं। महेश्वर साहू लगातार अपने समाज की बातों को उठाते रहे हैं और अपने समाज के हित के लिए मांगों को मजबूती के साथ उठाते रहे हैं।

रांची में पूर्व पीएलएफआई उग्रवादी सहित तीन गिरफ्तार

चोरी की बाइक बरामद

संवाददाता

रांची। राजधानी की मोराबादी टीओपी पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ मकान मालिक, किरायेदार और पूर्व पीएलएफआई उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में बरियातु थाना क्षेत्र के संजय सिंह, रातु थाना क्षेत्र के पीएलएफआई उग्रवादी विशाल स्वांसी और सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मधुकम निवासी विक्की साव शामिल हैं। इनके पास से बाइक एमटी-15 (जेएच 01 ईएन 1539), बाइक (जेएच 01 एफएम 8265) पुलिस ने बरामद किया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एसएसपी के निर्देश पर मोरहाबादी मैदान के रजिस्ट्री ऑफिस के पास मोरहाबादी टीओपी पुलिस वाहन चेकिंग चला रही थी। इस दौरान बिना नंबर प्लेट की एक एमटी-15 को रोका गया। बाइक में लगा नंबर (जेएच 01डी 0270) स्पष्ट नहीं था। चेसिस नंबर से जांच करने पर पता चला कि इसका मूल रजिस्ट्रेशन (जेएच 01 ईएन 1539) है, जो चान्हो थाना क्षेत्र के पतरातु निवासी राहुल कुमार के नाम पर पंजीकृत है। पुलिस ने बाइक के साथ पकड़े गये संजय सिंह से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने यह बाइक मकान मालिक विक्की कुमार साव से खरीदी है। उसकी निशानदेही पर विक्की कुमार को पकड़ा गया। आरोपित विक्की ने एक और बाइक चोरी की बात स्वीकार की। विक्की की निशानदेही पर पूर्व के पीएलएफआई उग्रवादी विशाल स्वासी को पकड़ा गया। विशाल के पास से चोरी की बाईक (जेएच-01 एफएम 8265) बरामद हुई। बरामद बाइक कोतवाली थाना क्षेत्र के विष्णु साव की चोरी की बतायी जा रही है। गिरफ्तार विशाल के खिलाफ पूर्व से छह मामले दर्ज हैं।

शॉर्ट सर्किट से मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स में लगी आग, मची अफरा-तफरी

रांची। सदर थाना क्षेत्र के बूटी मोड़ जाने वाले मार्ग पर स्थित द किडनी क्लीनिक और आनंद न्यूरो अस्पताल के पास शुक्रवार को शॉर्ट सर्किट से अचानक पूरे मार्केट कांप्लेक्स में आग लग गयी। अगलगी की घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गयी। हालांकि अगलगी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग की लपटे देख कर अस्पताल में इलाज कराने आए मरीज भागने लगे। अस्पताल के कर्मचारी और स्थानीय लोग ने आग बुझाने का प्रयास किया। इसी क्रम में मार्केट में संचालित हो रहे कार वाशिंग सेंटर के पानी से आग को बुझाया गया। मार्केटिंग परिसर में अपना वॉशिंग सेंटर का काम कर रहे रमन कुमार ने बताया कि आग की लपटे इतनी तेज थी कि पांच मिनट में ही पहले तल्ले के सारे वायरिंग जलकर राख हो गए। हालांकि जान माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। लेकिन आग की लपटे इतनी तेज थी कि यदि स्थानीय लोग त्वरित प्रयास कर आग को नहीं बुझाते तो शायद यह आग भीषण रूप ले लेता। मामले में सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि आग लगने की सूचना मिली थी पुलिस मौके पर पहुंची और फ्रायर बिग्रेड को सूचना दी गयी। लेकिन स्थानीय लोग और कार वाशिंग सेंटर के लोगों ने आग को बुझा लिया। अगलगी में किसी के हताहत की सूचना नहीं है।

चलती कार में लगी आग

रांची। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के हेथू जाने वाली सड़क पर अचानक चलती कार में शुक्रवार को आग लग गयी। घटना में कार चला रहा युवक बुरी तरह घायल हो गया है। आनन फानन में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार चलती कार में अचानक आग लगने से कार चला रहा युवक घबरा गया और उसने कार को सड़क के किनारे खड़ा करने की कोशिश की लेकिन तेज रफ्तार के कारण कार सड़क के किनारे गड्ढे में जा गिरी। घटना में कार चला रहा युवक किसी तरह जलती हुई कार से बाहर निकला। हालांकि इस दौरान चालक बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते हीएयरपोर्ट थाना प्रभारी कश्यप गौतम मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड के दो वाहन पहुंचे और कुछ देर तक मशक्कत करने के बाद बाद आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से कार में आग लगी है। आसपास के लोगों ने कार में आग लगी देखी तो सबसे पहले वहां पहुंचे और घायल कार चालक को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

ई-विद्यावाहिनी पर अटेंडेंस बनाना जरूरी, फिर आदेश जारी

संवाददाता

रांची। शिक्षा विभाग ने विद्यालयों में कार्यरत सभी प्रकार के शिक्षक, अनुदेशक, गैर शैक्षणिक कर्मी का अटेंडेंस ई-विद्यावाहिनी के माध्यम से सुनिश्चित करने को लेकर शिक्षा विभाग ने नया आदेश जारी किया है। इसकी जानकारी झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के प्रशासी पदाधिकारी जयंत कुमार मिश्र ने 26 अप्रैल, 2024 को सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को दी है। यह आदेश सभी कस्तूबा गांधी बालिका विद्यालय, झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय और नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय के लिए भी लागू होगा। आदेश में कहा गया है कि ई-विद्यावाहिनी के माध्यम से विद्यालय स्तर पर कार्यरत सभी प्रकार के कर्मी व शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज करने संबंधी आदेश पूर्व में निर्गत है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान यह बात सामने आई है कि कई कर्मी, गैर शैक्षणिक कर्मी, अंशकालिक घंटी आधारित शिक्षकों द्वारा ई-विद्यावाहिनी में उपस्थिति दर्ज नहीं करायी जा रही है, जो अत्यंत खेदजनक है। किसी भी कर्मी का बिना बायोमेट्रिक उपस्थिति के मानदेय/येतनादि का भुगतान जिला, प्रखंड, विद्यालय द्वारा किया जा रहा है, जो अनुचित एवं प्रसंगाधीन पत्र में निर्गत आदेश के प्रतिकूल है।

ये निर्देश दिये गए

सभी श्रेणी के सरकारी विद्यालय में कार्यरत शिक्षक, अनुदेशक, गैर शैक्षणिक कर्मी अंशकालिक, घंटी आधारित शिक्षकों का बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन पत्र निर्गत के एक सप्ताह के अंदर कराते हुए 1 मई, 2024 के प्रभाव से ई-विद्यावाहिनी में उपस्थति अनिवार्य रूप से दर्ज कराना सुनिश्चित किया जाए। विद्यालय अथवा प्रखंड कार्यालय से विद्यालय में कार्यरत किसी भी प्रकार के कर्मी/शिक्षक का मानदेय का भुगतान ईवीवी के बायोमेट्रिक अटेंडेंस के आधार पर किया जाए। विद्यालय स्तर से बिना ईवीवी के बायोमेट्रिक अटेंडेंस के मानेदय का भुगतान किया जाना वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में माना जाएगा। तदनुसार संबंधित पदाधिकारी/कर्मी पर कार्रवाई की जा सकेगी। विशेष परिस्थिति में, जिसका ई-विद्यावाहिनी से किसी परिस्थिति में उपस्थिति कतिपय कारणों से दर्ज नहीं की जा सकी है, उस परिस्थिति में उक्त तिथि का कार्यालय प्रधान द्वारा अपने स्तर से जांच के बाद सत्यापित करते हुए मानदेय का भुगतान किया जा जाए। विद्यालय द्वारा बाह्यस्रोत एजेंसी के माध्यम से विद्यालय में कार्यरत विभिन्न कर्मियों की उपस्थिति पत्रक ई-विद्यावाहिनी से प्राप्त कर सत्यापित करते हुए संबंधित एजेंसी को उपलब्ध कराया जाएगा। उसी आधार पर संबंधित एजेंसी के द्वारा कर्मियों के मानदेय का नियमानुसार भुगतान किया जाएगा।

झारखंड में मजदूरी दर के रिवीजन के लिए बनी समिति, एक माह में देनी है रिपोर्ट

संवाददाता

रांची। न्यूनतम मजदूरी की दरों में की गई बढ़ोत्तरी के रिवीजन करने को लेकर झारखंड चैंबर के आग्रह पर श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग ने कमेटी गठित की है। स ?मिति का अध्योक्ष श्रमायुक्त को बनाया गया है। समिति में संयुक्त श्रमायुक्त सह निदेशक न्यूनतम मजदूरी के अलावा झारखंड चैंबर, आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसियेशन, सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन, इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस को सदस्य बनाया गया है। यह समिति न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के प्रावधानों के अनुरूप मजदूरी दर के निर्धारण/संशोधन के लिए तार्किक तथ्य की सिफारिश करेगी। इसके लिए विभिन्न राज्यों में मजदूरी दर निर्धारण करने के लिए अपनायी गई प्रक्रियाओं को ध्यान में रखा जायेगा। उप समिति द्वारा अपना विस्तृत प्रतिवेदन एक माह के अंदर प्रस्तुत किया जायेगा। चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने इस निर्णय के लिए विभागीय सचिव मुकेश कुमार के प्रति आभार जताया। कहा कि राज्य के व्यापारियों और उद्यमियों के अनुकूल न्यूनतम मजदूरी दर के निर्धारण में उचित निर्णय लिये जा सकेंगे। विदित हो कि चैंबर ने 16 अक्टूबर, 2023 को ही विभाग को अपनी आपत्ति और सुझाव दि?या था। कहा था कि पूर्व की दर से अधिकतम 5 फीसदी वृद्धि ही की जाय। चिंतनीय है कि हमारे प्रतिवेदन पर बिना विचार किये या वार्ता किये, नई दर को अव्यवहारिक रूप से प्रभावी कर दिया गया है। यह भी कहा गया था कि राज्य की न्यूनतम मजदूरी दर अन्य राज्यों से भी अधिक हो गई है।

विश्व पेट्रोकोल कांग्रेस में सीएमपीडीआई के निदेशक ने पेश किया की नोट

रांची। नई दिल्ली में आयोजित 14वें विश्व पेट्रोकोल कांग्रेस-2024 (डब्ल्यूपीसीसी-2024) में सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) अच्युत घटक ने की-नोट पेश किया। इसमें बताया कि किस प्रकार नवीकरणीय ऊर्जा एकीकृत पम्प भंडारण संयंत्र (पीएसपी) विशुद्ध शून्य (नेट जीरो) उत्सर्जन की दिशा में भारत की यात्रा में क्रांति ला सकते हैं। घटक ने पीएसपी के लिए परित्यक्त खदानों को फिर से उपयोग में लाने में कोयला उद्योग की भूमिका पर जोर देते हुए स्थिरता और नवाचार पर चर्चा शुरू की। 14वें विश्व पेट्रोकोल कांग्रेस-2024 में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रतिनिधियों द्वारा मुख्य वक्ता की सराहना की गयी। 14वें विश्व पेट्रोकोल कांग्रेस-2024 हरित ग्रह (प्लानेट) के लिए ऊर्जा, पर्यावरण, दक्षता, समानता और उद्यमिता पर केंद्रित रहा, जहां ज्ञान को क्रियान्वित करने के लिए केन्द्र बिंदु प्रदान करने के लिए 97 से अधिक देश और विदेश से आए वक्ताओं ने सम्मेलन में भाग लिया। पेट्रोकोल कांग्रेस पेट्रोलियम-गैस-कोयला उद्योगों पर एकमात्र कांग्रेस है, जिसका ध्यान ऊर्जा के तालमेल पर है।

रांची में आठ लाख रुपये के गांजा के साथ दो महिलाओं सहित चार गिरफ्तार

रांची। राजधानी की लोअर बाजार थाना पुलिस ने कांटा टोली स्थित खादगढ़ा बस स्टैंड से दो महिलाओं सहित चार तस्करों को 43. 60 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद गांजा की कीमत आठ लाख 60 हजार आंकी गई है। गिरफ्तार तस्करों में उत्तर प्रदेश निवासी सुमित कुमार, पश्चिम बंगाल निवासी दीप राई, उत्तर प्रदेश निवासी अंजना सिंघल और दिल्ली निवासी सुषमा शामिल हैं। इनके पास से 43.60 किलो गांजा, चार मोबाइल, तीन आधार कार्ड, 1500 नकदी और धुर्वा से बनारस जाने का सामूहिक बस टिकट (रेखा बस) बरामद किया गया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जांच अभियान के दौरान बस स्टैंड परिसर खादगढ़ा से दो युवकों और दो महिलाओं को गांजा की अवैध तस्करी कर ओडिशा से बनारस ले जाने के दौरान पकड़ा गया। गुप्त सूचना के आधार पर सिटी डीएसपी रांची के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्करों के पूर्व के आपराधिक इतिहास का पता लगाया जा रहा है।

कांग्रेस मीडिया विभाग के कोऑर्डिनेटर ने की बैठक

संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग की बैठक अध्यक्ष सतीश पॉल मुंजनी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के कोऑर्डिनेटर वैभव शुक्ला और सुमेर चारण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

बैठक में शुक्ला ने प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग की पूरी जानकारी प्राप्त कर मीडिया के साथ समन्वय बनाने की दिशा में गहन चर्चा कर कई दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा के जरिये देश में सोशल मीडिया और मीडिया के अन्य माध्यम से झूठी अफवाहों का बाजार गर्म किया जा रहा है, ताकि जनता अपनी मूल समस्याओं को छोड़कर उनके द्वारा फैलाई जा रहे झूठ के झांसे में आकर अपना मतदान भाजपा के पक्ष में करें।

स्कूलों में लू और गर्म हवाओं से बचाव को लेकर दिशा-निर्देश जारी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के सभी सरकारी विद्यालयों में लू और गर्म हवाओं से बचाव के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसका आदेश स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के प्रभारी सचिव उमा शंकर सिंह ने 25 अप्रैल, 2024 को जारी किया। इसकी जानकारी सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को दी गई है।

आदेश में कहा गया है कि इस वर्ष झारखंड राज्य में अत्यधिक गर्मी का सामना सभी विद्यालयों को करना पड़ रहा है। इससे सबसे ज्यादा बच्चें एवं शिक्षक प्रभावित हो रहे है। आने वाले कुछ दिनों में तापमान में और वृद्धि की आशंका है। इसके कारण डिहाइड्रेशन का भी खतरा रहता है। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों के पठन-पाठन के समय में परिवर्तन किया गया है। साथ ही राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को गर्मी के इस मौसम में तेज धूप और लू के प्रतिकूल प्रभाव से बचाव का उपाय किया जाना अनिवार्य है। प्रभारी सचिव ने लिखा है कि इस चुनौती का सामना करने के लिए यूनिसेफ द्वारा ह्यवाटर बेलह्न की व्यवस्था का सुझाव दिया गया है। इसमें स्वच्छ पानी की उपयोगिता को प्रोत्साहित करने, विद्यालय में सभी बच्चों को नियमित अंतराल में स्वच्छ पानी पीने के लिए प्रोत्साहित करना, बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचने का विकल्प देना आदि शामिल है। यह आवश्यक है कि बच्चों में स्वच्छ पानी पीने की आदत को और अधिक विकसित किया जाए।

ये गतिविधियां सुनिश्चित की जाएं

वॉटर बेल का आयोजन : सभी विद्यालयों में घंटी बजाकर बच्चों को स्वच्छ पानी पीने के लिए प्रेरित किया जाए। यह कार्य प्रातः 8.30 बजे एवं पुनः 10.30 बजे किया जाए। बेल बजने के साथ ही विद्यालय के सभी बच्चे कतार में लगकर स्वच्छ पानी पीएंगे। इसके लिए सभी कक्षा-कक्ष के पास स्वच्छ पानी का घड़ा, स्वच्छ पानी, टीसनी, पानी का ग्लास आदि की व्यवस्था विद्यालय प्रबंधन द्वारा किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी बच्चें आवश्यक रूप से विद्यालय अवधि में कम से कम एक ग्लास स्वच्छ पानी दो बार अवश्य पीयें। वॉटर बेल का उद्दे श्य है कि सभी बच्चे एवं शिक्षकों को निर्धारित समय पर स्वच्छ पानी पीने के लिए स्मारित किया जाए। सभी विद्यालयों में इसका पालन हो सभी विद्यालयों में जहां विद्युत की सुविधा उपलब्ध है, उसे तत्काल क्रियाशील बनाया जाय। वर्ग कक्षों में उपलब्ध पंखों को चालू हालत में रखना सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए जिला एवं प्रखंड के सभी कर्मी एवं पदाधिकारी विद्यालयों का अनुश्रवण कर विद्युत की सुविधा को कियाशील बनाना सुनिश्चित करेंगे। सभी विद्यालयों में शुद्ध एवं पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाय। बच्चों के लिए मिट्टी के घड़े या अन्य कोई अनुकूल पात्र की व्यवस्था विद्यालय विकास अनुदान से करना सुनिश्चित किया जाय। गर्मी में हि?ट स्ट्रोक से बचाव के लिए ज्यादा स्वच्छ पानी पीने के लिए प्रेरित किया जाय। गर्म हवाओं के कारण स्वास्थ्य पर मौसम के दुष्प्रभाव से बचने के लिए नींबू-पानी, नमक-चीनी का घोल, चना-गुड़, कच्चे आम सत्तु का शर्बत आदि का सेवन करने के लिए प्रेरित किया जाय। मध्याह्न भोजन में भी इसकी व्यवस्था सुनिश्चित किया जाय। मध्याहन भोजन छांव में कराना सुनिश्चित किया जाय। गर्म हवाओं के कारण स्वास्थ्य पर मौसम के दुष्प्रभाव से बचने के लिए ओआरएस के घोल की व्यवस्था विद्यालयों में सुनिश्चित किया जाय। ओआरएस का पैकेट निकटतम सरकारी अस्पताल, स्वास्थ्य उप-केन्द्र, एएनएम सहिया के पास निःशुल्क उपलब्ध है। बच्चों को गर्मी के मौसम में मसालेदार, तेलीय एवं उच्च नमक वाले पदार्थों के सेवन नहीं करने की सलाह दी जाय। बच्चों को गर्मी में खाली पैर नहीं रहने के लिए निर्देशित करें। तेज धूप में किसी भी प्रकार का खेल का आयोजन या कार्यक्रम नहीं किया जाय। जरूरत के अनुसार अधिक से अधिक इंडोर गेम का आयोजन किया जाए। राज्य स्तर पर एक गूगल सीट सभी जिलों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा, जिसका लिंक व्हागट्सएप के माध्यम से भेजा जाएगा। सभी जिला प्रतिदिन खैरियत प्रतिवेदन राज्य कार्यालय को संध्या 6 बजे तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

संक्षिप्त

हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

कोडरमा। आपसी विवाद में षडयंत्रकर एक विधवा महिला की हत्या कर लाश छुपाए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ राकेश चंद्रा की अदालत ने शुक्रवार को दोषी रंजीत कुमार महतो, करौजिया, चंदवारा निवासी को 302 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 10 हजार का जुमार्ना भी लगाया। न्यायालय ने 201 आईपीसी में 2 वर्ष की सजा सुनाई। सभी सजाएं साथ-साथ चलेगी। यह मामला वर्ष 2020 का है। इसे लेकर चंदवारा थाना कांड संख्या 90/20 दर्ज किया गया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक पीपी एंजेलिना वारला, अधिवक्ता सुधीर कुमार सिंह और मुकेश कुमार ने किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता राजेंद्र मंडल ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया।

देसी कट्टा एवं तीन जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

लोहरदगा। बगडू थाना पुलिस ने एक युवक को एक देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान लोहरदगा दुपट्टा चौक स्थित ब्राह्मणडिहा निवासी विकास तिर्की (32) के रूप में हुई है।युवक अपने ससुराल निरहू आया था, जहां रौब दिखाने के लिए देशी कट्टा लेकर घूम रहा था, जिसकी जानकारी लोगों ने पुलिस को दी। इसके आधार पर बगडू थाना प्रभारी वारिश हुसैन ने निरहू गांव युवक के ससुराल पहुंचकर छापामारी की गई, जिमसें युवक के पास से देशी कट्टा औ? कारतूस बरामद हुआ।

चाकू से हमला करने वाले तीनों आरोपी गिरफ्तार

पलामू। पांकी थाना क्षेत्र के आसेहार गांव स्थित माइंस के रसोइया सूरज चन्द्रवंशी पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोपित तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में नइम खलीफा (30) , खुर्शीद खलीफा उर्फ छोटू (19) दोनों आसेहार पांकी और महफूज खलीफा उर्फ मिथुन (19) शामिल हैं। शुक्रवार को सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। 21 अप्रैल की रात्रि में पांकी थाना क्षेत्र के आसेहार स्थित सौरभ स्टोन माइंस में आपसी विवाद को लेकर माइंस के ही कुक सूरज चन्द्रवंशी पिता स्व. सुरेन्द्र चन्द्रवंशी पर चाकू से वार किया गया था। उसका इलाज पांकी के बाद एमआरएमसीएच में किया गया। इस संबंध में 22 अप्रैल को पांकी थाना में मामला दर्ज कराया गया था। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेजा।

दिनेश महतो ने गिरिडीह लोकसभा प्रत्याशी के पक्ष में किया जनसंपर्क

तोपचांची (धनबाद) । आज झामुमो के युवा नेता सह विधायक मथुरा प्रसाद महतो के पुत्र दिनेश महतो ने गिरिडीह लोकसभा के इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी मश मथुरा महतो के पक्ष में तोपचांची प्रखंड के कोरकोट्टा पंचायत के जामुनटांड़, कोरकोटा, लुटियटांड़ में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। लोगों को अधिक से अधिक इंडिया गठबंधन के पक्ष में वोट करने की अपील की। दिनेश महतो ने कहा कि इंडिया गठबंधन नफरत को खत्म करके मोहब्बत का पैगाम दे रही है। देश में नफरत फैलाने वालों को जनता समझ चुकी है आने वाले चुनाव में जनता इसका जवाब देगी। महागठबंधन नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रही है यह देश ऋषि मुनि सूफी संतों का देश है। यहां सभी एक दूसरे से मिल जुल कर जीवन गुजारते हैं। सभी एक दूसरे के सुख दुख में साथ खड़े रहते हैं। इस देश में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है, हम मोहब्बत का संदेश देने आए हैं। इस मौके पर झामुमो तोपचांची प्रखंड सचिव नवल किशोर केवट, पंचायत समिति सदस्य आनंद केवट, चिंतामणि साव, राजू शर्मा,मनोज किस्कू, रावण मांझी, शंकर मरांडी,उत्तम महतो राजकुमार महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

मजदूरों से भरी पिकअप वैन पलटी, एक की मौत, नौ घायल

संवाददाता

पलामू। जिले के पंडवा थाना क्षेत्र के लोहड़ा हाई स्कूल के समीप शुक्रवार को डालटनगंज-औरंगाबाद एनएच 98 पर मजदूरों से भरी पिकअप वैन पलटने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि 9 जख्मी हो गए। गंभीर रूप से जख्मी मजदूरों को बेहतर इलाज के लिए एमआरएमसीएच मेदिनीनगर में भर्ती किया गया है, जो आंशिक रूप से जख्मी थे, उनका मौके पर ही इलाज किया गया। घटना के बाद मजदूर के परिजन उग्र हो गए हैं और तत्काल मुआवजा की मांग को लेकर मुख्य सड़क को जाम कर दिया है।

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर स्थानीय थाना पुलिस पहुंची और घायलों को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भेजा। साथ ही मामले की जांच में जुट गई है। बताया जाता है कि सारे मजदूर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के लिए काम कर रहे थे और मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के चियांकी के एक साइड पर काम करने जा रहे थे। सभी मजदूर वहां तीन माह से काम कर रहे थे। हर रोज की तरह शुक्रवार को सुबह 10 बजे हाजिरी बनाकर चियांकी साइड पर जा रहे थे, तभी इस तरह की घटना घट गयी।

जानकारी के अनुसार एमआरएमसीएच में इलाज कराने आए मजदूर ने बताया कि पंडवा स्थित नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया कंपनी कार्यालय में हाजिरी बनाने के बाद साइड पर जाने के लिए निकले थे। इसी क्रम में अचानक अनियंत्रित होकर पिकअप पलट गयी। पिकअप का इंश्योरेंस फेल बताया गया है। ड्राइवर मुन्ना कुमार मौके से फरार हो गया। घटना के बाद कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक का पुत्र गौतम कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर मजदूरों को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती कराया।

इधर, घटना की सूचना मिलने पर मजदूर के परिजन इलाज कराने एवं हाल चाल जानने के लिए एमआरएमसीएच में पहुंच गए हैं। उनके रोने विलखने से माहौल गमगीन हो गया है। मृत मजदूर की पहचान पड़वा थाना क्षेत्र के कोकरसा गांव निवासी कोमल महतो (55) के रूप में हुई है। संजय महतो (40), मुरली महतो (50), उमेश राम (45) को गंभीर चोटें आई है, जबकि राजेश कुमार (35), जितेन्द्र कुमार, मुखर्जी, डोमन साव, राहुल कुमार, मुन्ना कुमार, वीरेन्द्र साव को मामूली चोट आई है।

कोडरमा में दो सड़क हादसों में 12 घायल, पांच की हालत गम्भीर

कोडरमा। जिले के मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-कोवाड मुख्य मार्ग पर ग्राम डुमरडीहा में एक बोलेरो एवं एक स्विफ्ट कार के बीच शुक्रवार दोपहर आमने-सामने की टक्कर में दोनों गाड़ी पर सवार एक महिला समेत छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मदद के लिए पहुंचे आसपास के ग्रामीणों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरकच्चो पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद पांच घायलों को कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया। घायलों की पहचान गिरिडीह जिले के सीमावर्ती क्षेत्र गोरहंद निवासी अयोध्या पासवान, प्रकाश पासवान, बिरेंद्र पासवान, पोखराज पासवान, उर्मिला देवी एवं राजेंद्र यादव के रूप में हुई है। जानकारी अनुसार अयोध्या पासवान समेत चार पुरुष महिंद्रा बोलेरो (जेएच 02 बीएन 5099) से कोडरमा की ओर जा रहे थे। विपरीत दिशा से स्विफ्ट कार (डब्ल्यूबी 19एच 9271) से महिला और पुरुष मरकच्चो की ओर जा रहे थे। दोनों गाड़ियों में टक्कर चालक को नींद आने के कारण से हुई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर मरकच्चो थाने के एसआई विशाल कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तथा दोनों वाहनों को सड़क से किनारे करवाकर आवागमन सामान्य करवाया। दूसरी ओर, नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा गिरिडीह मुख्य मार्ग पर विंडोमोह मोड़ के समीप बोलेरो व पिकअप की टक्कर में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में बोलेरो चालक डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत डोडाकोला निवासी उद्दीन मियां (45) के अलावा छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना की सूचना पाते ही थाना प्रभारी नीतीश कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को सदर अस्पताल कोडरमा भेजा।

कार और बाइक में भीषण टक्कर इलाज के दौरान बाइक चालक की मौत

गुमला । गुमला-घाघरा मार्ग पर छोटा लोरो गांव के समीप शुक्रवार की सुबह कार और बाइक की भीषण टक्कर में टोटो थाना क्षेत्र के दसई टोली नवाडीह निवासी चंदर उरांव (40) गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना में कार चालक लोहरदगा निवासी रामाशीष शर्मा के सिर पर गंभीर चोट लगी।घटना की जानकारी मिलने पर गुमला थाना की पुलिस घटनास्थल पहुची और दोनों घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। वहीं रामाशीष शर्मा को इलाज के बाद छुट्टी कर दी गई। जबकि चंदर का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा था। शुक्रवार की अपराह्न इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि चंदर उरांव अपनी बाइक से गुमला की ओर आ रहा था। इसी बीच टोटो पेट्रोल पंप छोटा लोरो के समीप सड़क किनारे खड़े ट्रक से पास लेकर निकलने के दौरान विपरीत दिशा से आ रहे बाराती बोलेरो वाहन से भिड़ंत हो गई । वहीं घटना में बाइक व कार दोनों के फरखच्चे उड़ गए। जोरदार टक्कर से कार का दोनों एयरबैग खुल गया। बावजूद कार में बैठे रामाशीष शर्मा के सर में काफी चोट लगी। वहीं चंदर के सिर सहित शरीर के कई हिस्से में गंभीर चोट लगी थी। स्थानीय लोगों के सहयोग से पुलिस दोनों घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाई, जहां इलाज के क्रम में चंदर की मौत हो गई। इसके बाद चंद्र के शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया।

पलामू में बारातियों से भरी बस पलटी, 12 घायल

पलामू। बिहार के औरंगाबाद जिले के देव से बारातियों को लेकर वापस लौट रही गजना मईया नामक बस (बीआर 45 पी 6203) शुक्रवार को पलामू जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के बिलासपुर गांव में नागबाबा चबूतरा के समीप पलट गई। आसपास के लोगों ने बस में फंसे सभी 12 बारातियों को बाहर निकाला और अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया। बारात भुनेश्वर प्रजापति के पुत्र अजय प्रजापति की थी और सभी बाराती गुरुवार को पतरिया से बिहार के देव गए थे। वापसी में पतरिया पहुंचने से एक किलोमीटर पहले ही यह घटना घट गई। ग्रामीणों में इस बात को लेकर रोष था कि गत वर्ष ही सरगड़ा मोड़ से वाया बिलासपुर, नौडीहा, सड़ेया गांव की सड़क मरम्मत कराई गई थी। इसके बावजूद वर्तमान में इस पथ की माली हालत खराब होने और जगह-जगह गड्ढे में तब्दील होने से बस अनियंत्रित होकर पलट गई। उन्होंने संबंधित निर्माण कंपनी को काली सूची में डालने व कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग की। सूचना पर विधायक कमलेश सिंह, प्रतिनिधि अजित सिंह, योगेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने पहुंचकर सभी घायलों का हालचाल लिया। उन्होंने पतरिया गांव के घायल बाराती अर्जुन प्रजापति (45), गोपाल प्रजापति (50), महेन्द्र प्रजापति (45), जितेन्द्र प्रजापति (40), कमलेश राम (35), दुर्गा प्रजापति (45) सहित अन्य से कुशलक्षेम लेने के बाद उन्हें पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों से भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इनके समुचित इलाज में कहीं भी बाधा नहीं होगी।

देवघर में एक घर से विभिन्न ब्रांड की 420 बोतल शराब जब्त

देवघर। जिले की टाउन थाना पुलिस ने होटल इम्पीरियल हाईट्स के पीछे एक घर में छापेमारी कर विभिन्न ब्रांड के 420 बोतल शराब बरामद किया है। बरामद शराब की बाजार मूल्य 1.25 लाख बतायी जा रही है। पुलिस ने आरोपित मां-बेटे के विरुद्ध टाउन थाना में प्राथमिकी दर्ज किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सीमावर्ती क्षेत्र में लोकसभा चुनाव होने के कारण देवघर जिले में शराब की बिक्री पर पाबंदी है। इस बीच गुप्त सूचना मिली कि टाउन थाना क्षेत्र के होटल इम्पीरियल हाईट्स के पीछे अनीता घोष ने घर में भारी मात्रा में शराब स्टॉक कर रखी है। सूचना पर एसआईटी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अनीता घोष के घर में छापेमारी कर 1.25 लाख की कीमत के शराब बरामद किया। इसमें 17 बोतल किंगफिशर स्ट्रॉन्ग बीयर, 70 बोतल गॉडफादर स्ट्रॉन्ग बीयर, 113 रॉयल स्टैग व्हिस्की, 37 बोतल ब्लेंडर्स प्राइड, 66 बोतल इंपीरियल ब्लू व्हिस्की, 60 बोतल इंपीरियल ब्लू व्हिस्की और तीन बोतल रॉयल चैलेंज व्हिस्की बरामद किया गया। हालांकि, अनीता घोष का पुत्र आशीष घोष पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस ने अनिता घोष एवं उनके पुत्र आशीष घोष के विरुद्ध नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश कर रही है।

गिरिडीह में शराब के स्टॉक के साथ दो गिरफ्तार

गिरिडीह। देवरी थाना पुलिस ने शुक्रवार को गुप्त सूचना के आधार पर अवैध शराब और बीयर से भरे सात पेटी को जब्त किया है। साथ ही एक बाइक जब्त करने के साथ दो धंधेबाजों को भी दबोचा है। गिरफ्तार धंधेबाजों में भेलवाघाटी थाना इलाके के जगसीमर गांव निवासी अनिल यादव और सुमन यादव शामिल हैं। दोनों डिमांड के अनुसार शराब और बीयर के स्टॉक को बाइक से पहुंचाने जा रहे थे। इसी दौरान देवरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बाइक के साथ दोनों को गिरफ्तार किया। जब्त शराब और बीयर के स्टॉक में किंगफिशर का बीयर और रॉयल स्टेग के स्टॉक हैं।

गुलजार अहमद बने धनबाद जिला कांग्रेस सेवा दल का अध्यक्ष

संवाददाता

तोपचांची (धनबाद) । झारखंड प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष (मुख्य संगठक) नीलिमा नाथन ने कांग्रेस के समर्पित, जुझारू, युवा, संघर्षशील कार्यकर्ता गुलजार अहमद को धनबाद जिला कांग्रेस सेवा दल का अध्यक्ष (कार्यवाहक मुख्य संगठक) बनाया है, और प्रदेश अध्यक्ष(मुख्य संगठक) ने उन्हें निर्देश दिया है के 15 दिन के अंदर प्रखंड कमेटी व जिला कमेटी बनाकर प्रदेश कमेटी को सूची सौंप दे, साथ ही उन्हें निर्देश दिया गया है कि धनबाद लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस समर्थित महागठबंधन के प्रत्याशी अनुपमा सिंह की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी मेहनत और लगन से कार्य करें। वही धनबाद जिला कांग्रेस सेवा दल का अध्यक्ष(कार्यवाहक मुख्य संगठक) बनाए जाने पर गुलजार अहमद ने कहा कि जब से होश संभाला है उस वक्त से ही कांग्रेस का एक सिपाही बनकर काम करता रहा हूं, कांग्रेस के हर कार्यक्रम में सम्मिलित होने का प्रयास करता रहा, कांग्रेस के जन कल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास हमेशा जारी रखा। और मेरा संकल्प है कि जब तक जीवित रहूंगा कांग्रेस की राजनीति करता रहूंगा। आज मुझे जो जिम्मेदारी प्रदेश नेतृत्व द्वारा मिला है उसका मैं सही उपयोग करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी सहित महागठबंधन के प्रत्याशियों को जीत सुनिश्चित करने के लिए एड़ी चोटी लगा दूंगा और जमकर मेहनत करूंगा। गुलजार अहमद ने कहा कि राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी आम जनता के सपनों का देश बनाने के लिए महागठबंधन की सरकार देश में होना अति आवश्यक है। गुलजार अहमद के धनबाद जिला कांग्रेस सेवा दल का अध्यक्ष (कार्यवाहक मुख्य संगठक) बनाए जाने पर प्रदेश नेतृत्व और गुलजार अहमद को बधाई देने वालों में मोहम्मद सलाउद्दीन, मोहम्मद अमीरुल हक, मोहम्मद सनाउल्लाह, मोहम्मद जैनुल आबेदीन, मोहम्मद फिरदौस अंसारी, वासुदेव ठाकुर, योगेश ठाकुर,रबिंद्र कुमार चौरसिया, उमोहम्मद रेहान फजल,मोहम्मद खुर्शीद आलम, मोहम्मद जमशेद, मोहम्मद सोहेल अख्तर,मोहम्मद कैसर अंसारी सहित अन्य लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष नीलिमानाथन के साथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम,झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सिंह, जिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष राशीद राजा अंसारी सहित अन्य नेताओं का आभार प्रकट किया।

मुखिया सरवर खान की भाभी के निधन पर माना पाठक ने जताया शोक

तोपचांची (धनबाद)। तोपचांची पंचायत के मुखिया गुलाम सरवर खान की भाभी और स्वर्गीय रमजान खान की पत्नी के निधन की खबर सुनकर झारखंड जनहित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माना पाठक तोपचांची पहुंचे और शोका कुल परिवार से मिले और तसल्ली दी। और कहा कि इस परिवार से मेरा संबंध बहुत पुराना है। वही तोपचांची पंचायत के मुखिया सरवर खान से भी गहरा तअलुक है और हमेशा इस परिवार से संबंध रहा। सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ा रहा। माना पाठक ने कहा कि मैं कामना करता हूं के इश्वर सवर्गीय रमजान खान की पत्नी को जन्नतुल फिरदौस में आला मकाम अता फरमाए। जनाजे की नमाज में तोपचांची सहित आठ पास के गांव के लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे। मरहूम ए काफी दिनों से बीमार चल रही थी, उनका इलाज रांची के एक अस्पताल में चल रहा था आखिरकार उन्होंने आज इस दारे फानी से दारुल बका की तरफ कुच कर गई।

प्रेमी युगल ने नदी में कूद कर दी जान

संवाददाता

गोड्डा । जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत चकेश्वरी गांव स्थित कझिया नदी में दो प्रेमी युगल ने शुक्रवार की देर शाम कूदकर जान दे दी। दोनों प्रेमी युगल नगर थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है. मृत प्रेमी नाबालिग था, जबकि प्रेमिका की उम्र 22 वर्ष थी। दोनों थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित कझिया नदी में कूद कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार देर शाम दोनों प्रेमी युगल नदी के किनारे जाकर डूबने का फैसला लेते हुए एक साथ नदी में छलांग लगा दी। बड़ी मुश्किल से दोनों शवों को नदी से निकाला गया। जिस जगह पर दोनों जगह पर सुसाइड किया गया, वहां नदी 20-25 फीट गहरा है। वहां सालों भर पानी रहता है। पहले भी डूबने से बच्ची की मौत यहां हो गयी है। जेसीबी से खुदाई किये जाने के कारण वह इलाका कुंड का रूप ले चुका ह। नगर थाना के गश्ती वाहन में शामिल पुलिस कर्मी द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। साथ ही पुलिस के गश्ती वाहन से ही लड़की के शव को लेकर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचे किशोर के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। मृतक की मां बेटे के शव को देखकर फफक-फफक कर रो रही थी।

दोनों के माता-पिता शादी कराने को नहीं थे राजी

जानकारी के अनुसार दोनों के बीच प्रेम संबंध था। दोनो ने एक-दूसरे से शादी का प्रस्ताव अपने परिजनों के समक्ष दिया था। लेकिन लड़के की कम उम्र होने की वजह से माता-पिता ज्यादा उम्र की लड़की से शादी कराने को तैयार नहीं थे। इसको लेकर दोनों के घरों में कहासुनी होती थी। संभवत: बात नहीं बनता देख दोनों ने आत्महत्या का रास्ता चुना। घटना को लेकर पूरे गांव में शोक का माहौल है। वहीं घटना को लेकर नगर थाना के पुलिस पदाधिकारी द्वारा अस्पताल पहुंचकर फर्द बयान लिया गया।

एआईआरएफ के शताब्दी अधिवेशन में बोनस सिलिंग बढ़ाने सहित कई प्रस्ताव पारित

मो ज्याऊद्दीन एआईआरएफ के वर्किंग कमेटी मेम्बर और ओपी शर्मा जोनल सेक्रेटरी मनोनीत

प्रातः नागपुरी संवाददाता

धनबाद। नई दिल्ली के ताल कटोरा इन्डोर स्टेडियम में रेलकर्मियों के संगठन ऑल इण्डिया रेलवेमेन्स फेडरेशन के शताब्दी अधिवेशन के प्रतिनिधि सत्र का आयोजन गुरुवार को हुआ। इसमें पूरे भारतीय रेल के कोने-कोने से 1500 से अधिक प्रतिनिधियों और 3000 से अधिक अन्य संगठन के कार्यकताओं ने भाग लिया। ईसीआरकेयू की ओर से महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव सहित 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एआईआरएफ के सभी पदधारी एवं जोनल सचिवों के साथ-साथ आईटीएफ इन्लेण्ड ट्रान्सपोर्ट रेलवे सेक्शन की स्ट्रेटिजिक प्लानर एवं एआईआरएफ महिला विंग की चेयरपर्सन श्रीमती जया अग्रवाल, संयोजक श्रीमती प्रवीणा सिंह, एचएमएस एशिया-पैशिफिक विंग की सुश्री चंपा वर्मा मंच पर उपस्थित रहें। इस शताब्दी अधिवेशन में रेल कर्मचारियों के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। ऑल इंण्डिया रेलवेमेन्स फेडरेशन की पहल पर ह्य'नेशनल पेशन सिस्टमह्य' (एनपीएस) की खामियों के मद्देनजर गठित पुरानी पेशन स्कीम बहाली का संकल्प संयुक्त मंच (जेएफआरओपीएस) द्वारा लिया गया है। अधिवेशन में इस तथ्य पर गम्भीर मंत्रणा के बाद सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि यदि नौजवान रेलकर्मियों एवं अन्य सरकारी कर्मचारियों के लिए परिभाषित एवं गारेन्टेड पेशन में प्रदत लाभ व सुविधाएं बहाल नहीं की जाती हैं तो देशव्यापी आम हड़ताल को टाला नहीं जा सकेगा। शताब्दी अधिवेशन के प्रतिनिधि सत्र में रेलकर्मियों के 40 प्रमुख मांग पत्र सहित 9 प्रस्ताव भी विस्तृत विचार विमर्श के बाद पारित किया गया।

सम्मेलन के केन्द्रीय मंच से रखे गए प्रस्तावों पर अपनी बात रखते हुए ईसीआरकेयू के महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव ने कहा कि यूनियन के सभी सक्रिय सदस्यों, युवा समिति एवं महिला समिति के सदस्यों को अगस्त में यूनियन की मान्यता प्राप्त करने के लिए होने वाले चुनाव की तैयारी में जुट जाना चाहिए।

अपर महामंत्री मो ज्याऊद्दीन ने बताया कि आने वाले दिनों में होने वाले यूनियन के चुनाव में पूर्व मध्य रेलवे में ईसीआरकेयू को तीसरी बार एकमात्र यूनियन के रूप में स्थापित कराना ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। इसके लिए हमें रेलकर्मियों के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह से समर्पित हो जाना है।

यूनियन के मीडिया प्रभारी एनके खवास ने बताया कि इस वार्षिक सम्मेलन में ईसीआरकेयू के महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव को एआईआरएफ का उपाध्यक्ष, अध्यक्ष डीके पाण्डेय एवं अपर महामंत्री मो ज्याऊद्दीन को वर्किंग कमेटी मेम्बर और ओपी शर्मा को जोनल सेक्रेटरी के लिए मनोनित किया गया। धनबाद मंडल से सहायक महामंत्री ओमप्रकाश, केन्द्रीय संगठन मंत्री सोमेन दत्ता एवं नेताजी सुभाष, आईएम सिंह, बीके साव, एके तिवारी, अमित शेखर सिंह, आरके सिंह, विकास कुमार, सुदर्शन, पीके सिन्हा, रूपेश कुमार, आरएन चौधरी, श्वेता कुमारी, दीपा कुमारी आदि सम्मिलित हुए।

रेलकर्मियों की कुछ प्रमुख मांग

1- नई पेंशन योजना वापस कर गारंटीड पेंशन योजना लागू करो
2- रेलवे का निजीकरण बंद करो
3- संरक्षा पदों को सरेंडर करना बंद करो।
4- बोनस की सिलिंग 7000 से बढ़ाकर वास्तविक वेतन के आधार पर तय करो।
5- जोखिम कार्य करने वाले सभी पदों के कर्मचारियों को जोखिम भत्ता स्वीकृत करो।
6- 1800 के पदों के 50 प्रतिशत को 1900 ग्रेड में अपग्रेड करो।
7- ट्रेन मैनेजर और लोको पायलट को एमएसीपी के तहत 4600 और 4800 ग्रेड पे देना सुनिश्चित करें।
8- चेकिंग स्टाफ को रनिंग स्टाफ की सभी सुविधाएं उपलब्ध हो।
9- पेट्रोलिंग स्टाफ को अधिकतम 12 किमी ही चलाया जाए। रक्षक उपकरण मुहैया कराया जाए।
10- इंजीनियरिंग कर्मचारियों को 4600/4800 तक पदोन्नति के अवसर उपलब्ध कराएं।

वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

बोकारो। पेटरवार थाना क्षेत्र के उत्तासारा स्थित आईडीबीआई बैंक के समीप रांची-बोकारो मुख्य मार्ग एनएच-23 में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह लगभग 5 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार अहले सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने घायल अवस्था में एक बुजुर्ग को सड़क किनारे अचेत पड़े देखा। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी जानकारी पेटरवार पुलिस को दी। पेटरवार पुलिस जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची और अचेतावस्था में पड़े बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार पहुंचाया। बुजुर्ग के सिर में गंभीर चोट लगी थी। चिकित्सा पदाधिकारी हेमलता तिग्गा ने घायल बुजुर्ग का प्राथमिक उपचार किया व गंभीर अवस्था को देखते हुए सदर अस्पताल बोकारो रेफर कर दिया। रेफर करने के कुछ समय बाद ही अस्पताल परिसर में ही बुजुर्ग की मौत हो गई। पेटरवार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृत बुजुर्ग की पहचान नहीं हो पाई है। पहचान के लिए शव को चास स्थित मोर्चरी में रखा गया है। साथ ही विभिन्न थानों को बुजुर्ग की फोटो भेजी गई है।

चुनाव कार्य में किसी भी गलती और मनमर्जी की गुंजाइश नहीं : उपायुक्त

- बोकारो में सेक्टर पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता, बोकारो

बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 02 सी स्थित बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में शुक्रवार को लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के सफल संचालन को लेकर सेक्टर पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का जायजा जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव ने लिया। मौके पर प्रशिक्षण कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी सौरव कुमार भुवानिया, नोडल पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, मीडिया कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी अविनाश कुमार समेत अन्य उपस्थित थे। विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं में सेक्टर पदाधिकारियों को जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम)/ वोटर वेरिफिएबल पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपैट) का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। उन्हें कंट्रोल यूनिट (सीयू), बैलेट यूनिट (बीयू), वीवीपैट को कनेक्ट करने एवं संचालन, माक पोल, पेपर सिलिंग आदि की विस्तार से जानकारी दी गई। डीईओ सह डीसी समेत टीम के अन्य सदस्यों ने प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लेकर दिए जा रहे प्रशिक्षण का जायजा लिया।

आगे, प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी सेक्टर पदाधिकारियों को सभागार में एकत्र कर जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) द्वारा ब्रीफ किया गया। मौके पर कहा कि निर्वाचन के सफल संचालन में सेक्टर पदाधिकारियों का अहम रोल है। आप सबों का प्रशिक्षण सत्र बेहतर चल रहा है। डीएलएमटी द्वारा सभी बिंदुओं पर जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण में बताई गई बातों को गंभीरता से लें और उसी के अनुरूप अपने कार्य दायित्व का निष्पादन करें।

डीईओ सह डीसी ने कहा कि सभी भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सेक्टर पदाधिकारियों के लिए उपलब्ध मैनुअल को पढ़ेंगे। गलती से भी किसी तरह की गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। किसी भी कार्य का निष्पादन अपनी मनमर्जी से नहीं करनी है, मैनुअल के अनुसार ही उसका निष्पादन होगा। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान उनके दायित्वों और जिम्मेदारियां से विस्तार से अवगत कराया।

मौके पर सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने कहा कि आपके द्वारा की गयी एक चूक या कार्यों से संबंधित अपर्याप्त ज्ञान मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है, इसलिए आप सभी बेहद संजीदगी के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें। जो भी प्रश्न/जिज्ञासा हो,उसे प्रशिक्षकों से पूछ अभी ही स्पष्ट कर लें। इस दौरान निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारियों के बीच पोस्टल बैलेट से मतदान को लेकर प्रपत्र 12 वितरण एवं प्राप्त किया गया। पोस्टल बैलेट कोषांग की नोडल पदाधिकारी वंदना शेजवलकर ने इस संबंध में उन्हें विस्तृत जानकारी दी। मौके पर सभी विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त

तुपकाडीह तांतरी उत्तरी पंचायत : क्रशर मजदूरों ने पहले मतदान फिर जलपान का लिया संकल्प

बोकारो। तुपकाडीह तांतरी उत्तरी पंचायत के नूतनडीह में संचालित क्रेशर में कार्यरत मजदूरों के बीच लोकसभा आम चुनाव को देखते हुए मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से मतदाताओं में जागरुकता अभियान गुरुवार को चलाया गया। इस दौरान मजदूरों को मतदान की महत्ता से अवगत कराया गया। ललन सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को वोटिंग करने का अधिकार है। कहा कि पहले मतदान फिर जलपान। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि मतदान जरूर करें। सुदर्शन तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 में आगे आकर सभी मतदाता मतदान करें तथा दूसरों को भी इस महापर्व में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। इस दौरान मजदूरों एवं कर्मचारियों ने मतदान को लेकर संकल्प लिया।

मिथिला एकेडमी स्कूल में रक्तदान शिविर कल

बोकारो। प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो द्वारा बीजीएच के सहयोग से रविवार, 28 अप्रैल 2024 को सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल में सुबह 9 बजे से एकदिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने शुक्रवार को उक्त जानकारी देते हुए समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में इस रक्तदान शिविर में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि रक्तदान को जीवन दान के समान माना गया है। जरूरतमंदों को समय पर रक्त की उपलब्धता हो सके इसके लिए रक्तदान जरूरी है। मिथिला सांस्कृतिक परिषद सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ ही सामाजिक कार्यों के प्रति भी सजग है। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व वर्ष 2023 में भी परिषद द्वारा रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया था।

फिरोज ने 40वीं बार किया रक्तदान

बोकारो। चास प्रखंड मानगो पंचायत निवासी सह कांग्रेस पार्टी के वरीय नेता फिरोज आलम ने बीएस सिटी के एक रक्त सेंटर में 40वीं बार रक्तदान किया। फिरोज ने बताया कि अब तक बिहार बंगाल के साथ साथ झारखण्ड के कई जिले में जाकर अपना खून देकर लोगों की जान बचाने का काम कर चुके हैं। ऐसे काम में मन लगता है तथा पुण्य प्राप्त होता है। कई लोग अपनी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अपने परिजन को बीमारी से उबार नहीं पाते हैं। वह उनके लिए तैयार रहते हैं।

तीन गांवों तक नहीं पहुंचता है सप्लाई का पानी

बोकारो। जरीडीह प्रखंड के खुटरी और तांतरी दक्षिण पंचायत के तीन गांवों तक जैनामोड़ ग्रामीण जलापूर्ति योजना से रोजाना सुबह मिलने वाला सप्लाई पानी पानी में धार नहीं होने के कारण घर घर तक नहीं पहुंच पाता है। शिव मंदिर रोड निर्मलडीह और महादेववर गांव के सुनील महतो, मनोज महतो, लोबिन महतो, बसंत गोस्वामी, सहदेव महतो ने बताया कि शुरुआती दिनों में पानी ठीक तरीके से मिलता था, लेकिन इधर कई माह से पानी में प्रेशर नहीं होने के चलते एक लीटर पानी भी नसीब नहीं हो रहा है। बताया कि खुटरी पानी टंकी ऑफिस में जाकर तथा जल सहिया मीना देवी को पानी नहीं मिलने की शिकायत करने के बाद भी कोई पहल नहीं हुई। अब हम ग्रामीण जाएं तो जाएं कहां। पीने के लिए मंदिर के कुआं से पानी लाना पड़ता है। मंदिर प्रांगण में लगा सोलर पानी सिस्टम भी एक साल से खराब है। नहाने के लिए तेनु बोकारो नहर या पत्थर खदान जाना पड़ता है। इधर पेयजल आपूर्ति विभाग के जेई सुनील कुमार ने बताया कि अपने स्तर से जांच कर पेयजल संकट दूर करने का काम किया जायेगा।

वाहन जांच के दौरान कार से 5.70 लाख रुपए बरामद

बोकारो। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रखंड के बरमसिया ओपी क्षेत्र के मुर्गा तल स्थित चेकनाका में नियमित वाहनों की जांच की जा रही है। शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिला के खातड़ा गांव निवासी सचिन मोदी अपने कार से पुरुलिया से धनबाद जा रहे थे।

एफएसटी टीम की ओर से वाहन जांच के दौरान उनकी कार की जांच की गई। इस दौरान एक बैग में रखे नगद 5.70 लाख रुपए बरामद किया गया। उनसे इन रुपयों के संबंध में जानकारी मांगी गई, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। बताया गया कि वह व्यवसाय के सिलसिले में पैसा ले जा रहे थे। इसपर उनसे कागजात की मांग की गई, लेकिन वह कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। सचिन मोदी से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने और कागजात प्रस्तुत नहीं करने पर इसकी सूचना वरीय पदाधिकारियों को दी गई। साथ ही प्रशासन ने रुपए जब्त कर अग्रिम कार्रवाई के लिए जुट गई। मौजूद टीम ने रुपयों की गिनती करने के बाद उन्हें रिसीविंग दी और नकदी से संबंधित कागजात लाने को कहा गया। नकद बरामदगी के बाद पुलिस जांच में जुटी है।

सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों ने की फायरिंग, अड्डा ध्वस्त, बंदूक बरामद

संवाददाता, बोकारो

प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के कमांडर बिरसेन उर्फ चंचल एवं उसके साथियों के झुमरा पहाड़ी क्षेत्र में भ्रमणशील होने की सूचना मिलने पर सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर एवं जिला पुलिस बल ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से छापामारी अभियान चलाया। छापेमारी के क्रम में शाम को थाना प्रभारी ललपनिया एवं झारखंड जगुआर एजी-15 की सर्च टीम ग्राम लालगढ़ टोला लइयोगढ़ा पार कर रही थी कि जंगल की तरफ से फायरिंग हुई। इसका सर्च टीम ने पीछा किया, लेकिन जंगल का फायदा उठाकर वे भाग गए। सर्च टीम को तलाशी में एक भरदुआ बंदूक मिली। वहीं अभियान के क्रम में सहायक समादेष्टा सीआरपीएफ 26 बटालियन सी-कंपनी एवं प्रभारी रहावन ओपी के टीम ने झुमरा पहाड़ के जंगल में नक्सलियों के छिपने के ठिकाने का पता लगाया, जहां रहने, खाना बनाने आदि सामान पाए गए। उसे सर्च टीम ने नष्ट कर दिया। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है तथा नक्सलियों के विरूद्ध छापामारी की जा रही है।

पुलिस ने मजल लोडिंग एक भरदुआ बंदूक बरामद की और उग्रवादियों द्वारा प्रयोग किए जा रहे मिट्टी के चूल्हे, मचान, लकड़ी को काट कर मोर्चा आदि को सर्च टीम ने नष्ट कर दिया। छापेमारी अभियान में प्रभात कुमार सहायक समादेष्टा सीआरपीएफ 26 बटालियन सी कंपनी, जगदेव पाहन तिर्की पुलिस निरीक्षक झारखंड जगुआर एजी-15, शशि शेखर कुमार ओपी प्रभारी ललपनिया, जयप्रकाश एक्का ओपी प्रभारी रहावन, दीपक कुमार राणा थाना प्रभारी चतरोचट्टी, रंजीत प्रसाद यादव थाना प्रभारी महुआटांड, सीआरपीएफ झारखंड जगुआर एवं जिला बल के सशस्त्र जवान शामिल थे।

जंगल में मिला वार्ड सदस्य का शव, हत्या की आशंका

- पुलिस एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ

बोकारो थर्मल। बेरमो अनुमंडल के नावाडीह प्रखंड अंतर्गत नक्सल प्रभावित ऊपरघाट के पेंक पंचायत स्थित बोरवापानी जंगल में 46 वर्षीय वार्ड सदस्य नजरूल अंसारी का शव पुलिस ने शुक्रवार की शाम को बरामद किया है। प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि वार्ड सदस्य की हत्या कर शव को जंगल में फेंक दिया दिया गया है। मृतक वार्ड सदस्य के घर से लगभग एक किमी दूर जंगल में महुआ पेड़ के नीचे पुलिस ने शव बरामद किया है। जंगल में ही मृतक का बाइक भी खड़ा है। शुक्रवार को कुछ महिलाओं ने वार्ड सदस्य की लाश को देखा और महिलाओं ने गांव वालों को इसकी सूचना दी।

सूचना पाकर पेंक-नारायणपुर के थाना प्रभारी अनिल लिंडा जवानों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वार्ड सदस्य का शव मिलने के बाद गांव में कई तरह की चर्चा आम हो गयी है। ग्रामीण चर्चा कर रहें हैं कि वार्ड सदस्य की दूसरे स्थान पर हत्या कर शव लाकर फेंक दिया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महुआ पेड़ के मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है, साथ ही आगे की जांच के लिए एक टीम बनाई गयी है। थाना प्रभारी अनिल लिंडा ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी। मृतक वार्ड सदस्य को दो पुत्री फरीजा खातून, अमीषा खातून व पुत्र युजेफा है। मृतक की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। मई महीने में छोटी बेटी अमीषा खातून का निकाह होना तय किया था। वार्ड सदस्य नजरूल अंसारी लगातार तीन बार से निर्वाचित हुए थे।

एक मई को मजदूर दिवस पर टेल्को में संगोष्ठी का आयोजन

जमशेदपुर। एक मई को मजदूर दिवस पर टेल्को कॉलोनी रोड नंबर आठ स्थित आम बागान मैदान में इंटक की ओर से विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है। 'आज के राजनीतिक परिपेक्ष्य में मजदूर कहां' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वार्ता पूर्व सांसद डॉ प्रदीप बलमुचू, मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश इंटक अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय, विशिष्ट अतिथि टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष गुरमीत सिंह, महामंत्री आरके सिंह, इंटक के संयुक्त महामंत्री महेंद्र मिश्रा, सम्मानित अतिथि टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष आरआर दुबे और इंटक के कोल्हान प्रभारी राणा सिंह सहित शहर के विभिन्न यूनियन के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। उक्त जानकारी झारखंड इंटक के संयुक्त सचिव मनोज कुमार सिंह ने प्रेस बयान जारी कर दी।

जिला सत्र न्यायधीश से मिले वकील, पार्क बनाने की मांग

जमशेदपुर। जमशेदपुर कोर्ट में बीते दिनों ई-कोर्ट बनाने को लेकर पार्क को तोड़ने का मामला तूल पकड़ने लगा था। इधर, इसी मामले को लेकर अधिवक्ताओं ने एडहॉक कमिटी के अध्यक्ष लाला अजीत अंबष्ठ से मुलाकात कर कोर्ट परिसर में रखे दो कंटेनर को हटाने और पार्क का निर्माण करवाने की मांग की। इधर, एडहॉक कमिटी जिला एवं सत्र न्यायधीश अनिल कुमार मिश्रा से मिली और अधिवक्ताओं की मांग को उनके समक्ष रखा। जिला न्यायधीश ने तत्काल निर्णय लिया और कहा कि अविलंब पार्क का निर्माण कार्य शुरू किया जाए तथा बार भवन के तरफ दीवार को तोड़कर और बैठे हुए अधिवक्ताओं की जगह को हटाकर कंटेनर रखने की व्यवस्था की जाए।

जब तक काम पूरा नहीं होगा तब तक कार्य बहिष्कार : इधर, अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक दोनों कार्य पूरे नहीं हो जाते, तब तक सभी अधिवक्ता अपने-अपने काम पर नहीं लौटेंगे। इस बैठक में संचालनकर्ता अजय सिंह राठौड़, संजीव रंजन परिहार, वरीय अधिवक्ता देवेंद्र सिंह, विजेंद्र कुमार सिंह, अक्षय कुमार झा, जाहिद इकबाल, जितेंद्र कुमार दुबे, प्रवीण कुमार सिंह, लुसी कच्छप, संजीव कुमार झा, विजय कुमार सिंह, अमित कुमार, निरंजन झा, संजीत कुमार गुप्ता, अभय कुमार सिंह, गौरव पाठक समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

बीयर पीने के लिए रंगदारी नहीं देने पर की थी फायरिंग, दो गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर के उलीडीह ओपी क्षेत्र के रामनगर में फायरिंग करने के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सुभाष कॉलोनी निवासी विवेक तिवारी और लक्ष्मण नगर निवासी आकाश गिरी शामिल है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने एक देसी पिस्टल, दो जिंदा गोली और एक मैगजीन बरामद किया है वहीं पुलिस ने घटनास्थल में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है।

पूर्व में एक आरोपी जा चुका है जेल जानकारी देते हुए सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि 5 अप्रैल को आरोपियों ने बैधनाथ कुमार साहू से रंगदारी की मांग की जा रही थी। बैधनाथ बस्ती में ही छोटी सी दुकान चलाता है। आरोपियों द्वारा बैधनाथ से बीयर पीने के लिए रुपयों की मांग की जा रही थी। रुपए नही देने पर बैधनाथ की दुकान पर फायरिंग की गई थी। मामले में 8 अप्रैल को अनीस रजक को जेल भेजा जा चुका है। आज इसी मामले में दो अन्य आरोपियों को भी जेल भेजा जा रहा है।

अवैध कब्जे पर लगेगी लगाम, डीवीसी आवास में रहने वाले लोगों का सत्यापन हुआ शुरू

संवाददाता, बोकारो थर्मल

बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के डीजीएम बीजी होलकर द्वारा आवासीय कॉलोनी में डीवीसी के आवासों में अधिकृत एवं अनाधिकृत रूप से रहने वाले लोगों की जांच करने के लिए डीवीसी अधिकारियों एवं यूनियन प्रतिनिधियों की गठित समिति शुक्रवार को आवासों की जांच आरंभ की। जांच समिति में एचआर के सहायक प्रबंधक सह सचिव आवास आवंटन समिति एसएए अशरफ, डीवीसी श्रमिक यूनियन के सचिव बीके सिंह, कर्मचारी संघ के सचिव सदन कुमार सिंह, स्टाफ एसोसिएशन के सचिव राम नारायण राय, कामगार संघ के सचिव रविचंद्र कुमार, मजदूर संघ के सचिव राजदेव सिंह, हिंद मजदूर किसान यूनियन के सचिव राम लाल पासवान होम गार्ड के जवानों के साथ शामिल थे। डीजीएम द्वारा गठित जांच समिति ने एसडीटी एक, छह, सात, आठ, एसडी एक, दो, तीन, रेलवे स्टेशन के समीप ई टाइप क्वार्टर, टाइप फाइव आदि शामिल थे।

जांच समिति ने जांच के दौरान पाया कि डीवीसी के कई आवासों पर एक ओर जहां अवैध कब्जा किया गया है तो वहीं दूसरी ओर कई ऐसे आवास भी पाये गये, जिसे डीवीसी भू-संपदा विभाग के कर्मियों द्वारा ही भाड़ा पर लगाकर वसूली की जा रही है। एसडीटी एक में जांच के दौरान समिति के सदस्यों से कई महिलाओं ने कहा कि डीवीसी भू-संपदा विभाग के कर्मियों द्वारा एक मुश्त सालाना 20-25 हजार रुपया लेकर आवासों को भाड़ा पर लगाया गया है। भाड़ा समय पर नहीं देने पर उन्हें आवास से निकालने को लेकर धमकाया जा रहा है। समिति ऐसे सभी आवासों की जांच कर एक माह के अंदर अपनी रिपोर्ट डीजीएम सौंपने का कार्य करेगी। डीजीएम ने विभिन्न स्रोतों से प्राप्त शिकायतों के आलोक में डीवीसी अधिकारियों तथा विभिन्न यूनियन प्रतिनिधियों की एक जांच समिति गठित की है, जो डीवीसी बोकारो थर्मल के आवासों में अधिकृत एवं अनाधिकृत रुप से रहने वाले लोगों से पूछताछ कर वस्तुस्थिति की जांच करेगी। जांच के दौरान आवासों में रहने वाले सही व्यक्तियों की पहचान तथा आवास परिसर में निर्मित अवैध निर्माण की भी जांच कमेटी करेगी। समिति सप्ताह में दो दिन बुधवार तथा शुक्रवार को आवासों का भौतिक निरीक्षण कर अपनी विस्तृत रिपोर्ट अधिकतम एक माह के भीतर डीजीएम को प्रस्तुत करेगी।

जाति के इर्द-गिर्द घूमती भारतीय राजनीति

अरुण कुमार दीक्षित

आधुनिक भारत के निमाताओं के सपने साकार करने के लिए समाज के लोगों को आगे आना होगा। इस गंभीर समस्या पर विचार करना होगा। हमारे सभी कार्य के पीछे विचार मूल स्रोत होता है। अच्छे विचार के बीज ही महान कार्यों को संपन्न करते हैं। सुंदर विचारों को हम उनकी स्वाभाविक गति में चलने दें तो परिवर्तन निश्चित ही आता है। विचारों की शक्ति अपार होती है। विचारों की चेतना के साथ हम सब आगे आएं। समतामूलक समाज की स्थापना के लिये अगुवाई करें।

भारतीय राजनीति में जाति की बड़ी अहमियत है। हालांकि अधिकांश महापुरुष जाति विहीन भारत के निर्माण के पक्ष में थे। वे जातिवाद को बेहद खतरनाक मानते थे और कई मौकों पर यह बात उन्होंने कही भी। जाति तोड़ो अभियानों में वे निरंतर जुटे रहे लेकिन जाति की जड़ों को हिला नहीं पाए। इसकी वजह यह रही कि उस समय जातियों का उभार तत्कालीन राजनीति कर रही थी। धीरे-धीरे यह जातीय उभार राजनीतिक गुटों, गिरोहों और वर्गों की शक्ल लेता गया और गांधी, लोहिया तथा अंबेडकर के सपने धराशायी हो गए।

आज भारत की राजनीति में जाति सम्मेलनों की बहुलता बढ़ी है। वर्गों का आधिपत्य बढ़ा है । सभी जातियों-वर्गों के अपने नेता हैं । वह जातीय सम्मेलन करते हैं। सत्तारूढ़ दलों के नेता भी अपने स्तर पर जातीय उभार को मजबूती देते हैं। राजनीति दलों के बॉयलॉज की बात करें तो उसमें एक बात समान होती है कि राजनीतिक दल सर्व समाज के लिए बिना किसी भेदभाव के समान अवसर उपलब्ध कराने के काम करेंगे। जाति नहीं देखेंगे। चुनाव में जाति की बात नहीं करेंगे, मगर विधानसभाओं, विधान परिषद, राज्यसभा के चुनाव में जाति वर्ग के कई चरण मंथन- चिंतन की जातीय इंजीनियरिंग को प्राथमिकता दी जाती है। बात यहीं नही समाप्त होती, यह धर्म और पंथ तक जाती है।

समता मूलक समाज की स्थापना की नकली रस्मों ने भी भारत का बड़ा अहित किया है। यहाँ वोट का गणित है। योग्यता-मेधा नहीं है। जातियों के नाम पर पार्टियां हैं। सभी जातियों की अपनी अपनी पार्टियां हैं। अपने-अपने महापुरुष हैं। उनकी मूर्तियों को लगाने की होड़ है। पार्कों को बनवाने के लिए प्रबल माँगें हैं। इतना ही नहीं, प्राचीन भारत के गौरवशाली इतिहास पुरुषों, शासकों को अपनी जाति बताने में गर्व होता है। राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों के पोस्टर बैनर, लेटर हेड में अपनी जाति के महापुरुषों के चित्रों को लगाने का फैशन बढ़ा है। सरकारों के बदलने पर अपनी जाति वर्ग के विचारों वाले महापुरुषों व्यक्तियों की मूर्तियां लगाने, पार्क बनाने का काम पहले से ही जोरों पर है। इसमें खास बात यह है कि यह मूर्तियां लगाने और पार्क बनाने का काम जनता के धन से ही बड़ी सरलता से संपन्न होता है।

देश में लोकसभा चुनाव का तापमान मौसम के साथ बढ़ता जा रहा है। गांव-गांव, नगर-नगर जातियों के नेता सक्रिय हैं। दलों के प्रभारी भी जाति देखकर राष्ट्रीय, प्रदेशीय व जनपदों में बनाए जा जाते हैं। टिकट बंटवारे में राजनीति का मूल तत्व जाति ही है। टीवी पर भारी बहसें होती हैं।

जाति के इस व्यक्ति या उस व्यक्ति के टिकट मिलने या मिलने पर, ऐसे में जाति विहीन राजनीति की बातें बेमानी है।

समता, ममता और सामाजिक एकता के दावे भी फर्जी हैं। सबको साथ लेकर चलने की पंचायतें हैं, मगर जातियों की पंचायतें तय कर रही हैं कि मेरी जाति का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाए। लोकसभा चुनाव में टिकट वितरण में सभी राजनीतिक दलों में जातियों को लेकर गला काट प्रतिस्पर्धा है। जातिवादी, गुटों वर्गों द्वारा लगातार दलों को धमकी दी जा रही है। जातियों के अति सक्रिय होने से वे जातियां भी पीड़ित अपमानित महसूस करती हैं जिनकी संख्या कम है। वहीं अनेक जातियां उल्लसित हैं कि मेरी जाति की संख्या ज्यादा है। टीवी चैनल भी दलों के पक्ष में जाति आधारित वक्तव्य झगड़े की स्थिति तक दोहराते नहीं थकते हैं लेकिन मूल प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या भारत में अति सक्रिय जातिवादी ही सबसे बड़े लोकतंत्र के ठेकेदार हैं? तब उनका क्या होगा जो जातिवादी नहीं हैं।

डॉ. राम मनोहर लोहिया ने जाति तोड़ो अभियान चलाया था। डॉक्टर लोहिया मानते थे कि जाति प्रथा के ऊपर सांस्कृतिक, राजनीतिक व आर्थिक हमला होना चाहिए, जिससे एक दृढ़ समाज बने । दृढ़ और मजबूत समाज के लिए जनता की उदासीनता देश के प्रति खत्म होनी चाहिए। महात्मा गांधी के बाद देश में जाति तोड़ो अभियान की अगुवाई डॉ. लोहिया ही कर रहे थे। डॉ. लोहिया के विचार खासकर आज के राजनीतिक वातावरण में विशेषतः प्रासंगिक हैं । लोहिया ने कहा कि राजनीति बुराई से लड़ती है इसलिए लड़ो। गांधी ने अपनी पुस्तक सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा के अध्याय 12 के पेज नंबर 35पर लिखा कि मेरे विलायत जाने की बात पर जाति में खलबली मच गई। कहा कि अभी तक कोई मोढ़ बनिया विलायत नहीं गया। जातीय सभा बुलाई गई। मुझे जाति सभा में बुलाया गया। कहा गया कि जाति का ख्याल है कि विलायत (विदेश) जाना ठीक नहीं। हमारे धर्म में समुद्र पार करने की मनाही है। गांधी ने कहा कि मैंने माताजी और भाई से अनुमति प्राप्त की है। सरपंच ने कहा तू जाति का हुक्म नहीं मानेगा। गांधी ने कहा जाति को दखल नहीं देनी चाहिए। सरपंच गुस्सा गए। सरपंच ने आदेश दिया कि यह लड़का ह्यगांधीह्न आज से जाति च्युत माना जाएगा। महात्मा गांधी पर जाति के निर्णय थोपने के प्रयास हुए । गांधी को भी जाति के खाँचे में रखने के प्रयास हुए। बाद में वे विदेश जा पाए। डॉ आंबेडकर का विचार था कि जाति प्रथा से लड़ने के लिए चारों तरफ से प्रहार करना होगा। यह ईंट की दीवार जैसी कोई भौतिक वस्तु नहीं है। यह एक विचार है। अंबेडकर ने सवाल उठाया कि हमारे देश को बार-बार आजादी क्यों खोनी पड़ी। क्यों हम इतनी बार विदेशियों के अधीन हुए। कारण यह था कि हमारा सारा देश हमले के खिलाफ खड़ा नहीं हो सका। हमेशा एक छोटे से वर्ग ने मुकाबला किया और यह पराजित हो गया तो सारा देश विजेता के कदमों पर झुक गया। यह मुख्यतः हिंदुओं की जाति प्रथा के कारण हुआ है। बाबा साहब अंबेडकर एक चिंतन (मधु लिमये) की पुस्तक पृष्ठ संख्या 31 । स्वामी दयानंद ने जाति प्रथा की विकृति छुआछूत या अस्पृश्यता की प्रथा पर तीखा प्रहार किया। कहा कि यह प्रथा अनुचित और अमानवीय है, बल्कि यह वैदिक धर्म के विरुद्ध भी है। स्वामी दयानंद ने जिस राज्य व्यवस्था का समर्थन किया है, वह धर्म तंत्र नहीं है। वह कल्याणकारी राज्य है। इसमें धर्म और नैतिकता की रक्षा के साथ सार्वजनिक शिक्षा के प्रबंध आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि न्याय सत्य पर आधारित राजनीति के प्रति गहरा लगाव मूल्यवान है। लोकमान्य तिलक ने अस्पृश्यता की अमानवीय प्रथा का विरोध किया। जात-पांत पर आधारित भेदभाव की निंदा की। वे भारत में सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप सच्चा समाज सुधार लाना चाहते थे। भारतीय समाज में परिवर्तन चाहते थे।

जिस समय भारत के यह सभी महापुरुष जाति उन्मूलन के लिए लगातार आंदोलनरत थे उस समय आधुनिक भारत उदय हो रहा था। गांधी, अंबेडकर, लोहिया, अरविंद घोष, लाला लाजपत राय, सुभाषचन्द्र बोस ने यह न सोचा होगा कि हमारा भारत अगले कुछ दशकों में राजनीति का संचालन जाति को प्राथमिकता देकर करेगा। आज जाति, धर्म, पंथ सर्वोच्च विषय लेकर लोकसभा चुनाव हो रहे हैं। यह आहत करने वाली बात है। राजनीतिक दल, सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता, प्रबुद्ध जन जब तक चुनाव में जाति विहीनता के लिए अभियान नहीं चलाएंगे तब तक जातीय संगठन, जातीय पंचायतें, जातिवादी राजनीतिज्ञ जाति के नाम पर सत्ता की मलाई खाते रहेंगे। उपेक्षित होंगी प्रतिभाएं। चाहे वह राजनीतिक क्षेत्र की हों या किसान, मजदूर, नौजवान महिलाएं हों।

आधुनिक भारत के निमाताओं के सपने साकार करने के लिए समाज के लोगों को आगे आना होगा। इस गंभीर समस्या पर विचार करना होगा। हमारे सभी कार्य के पीछे विचार मूल स्रोत होता है। अच्छे विचार के बीज ही महान कार्यों को संपन्न करते हैं। सुंदर विचारों को हम उनकी स्वाभाविक गति में चलने दें तो परिवर्तन निश्चित ही आता है। विचारों की शक्ति अपार होती है। विचारों की चेतना के साथ हम सब आगे आएं। समतामूलक समाज की स्थापना के लिये अगुवाई करें।

संपादकीय

फंट पर पित्रोदा

अमेरिका में बैठे कांग्रेस हितैषी सैम पित्रोदा (सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा) ने सुदूर भारत की उनींदे से चुनाव प्रचार में करंट पैदा कर दिया है। उन्होंने अमेरिकी विरासत-कर प्रणाली की सराहना करते हुए भारत में इसकी संभावना पर विचार करने को कहा है। इस एक मशविरा ने भाजपा और उसके नेता नरेन्द्र मोदी को कांग्रेस पर हमले के लिए दोनों हाथों में मुद्दा दे दिया है-एक ब्रह्मास्त्र थमा दिया है। वे इसे पुरखों की गाढ़ी कमाई से खड़ी की गई संपत्ति-परिसंपत्ति पर ह्यपंजाह्न मारने की लुटेरी नीयत मान रहे हैं। उसका ह्यलूट प्लान जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भीह्न जारी रहने वाला है यानी माता-पिता के जीवित रहते कर लेंगे और उनके बाद वारिसों से भी। वे खुल्लमखुल्ला इशारा कर रहे हैं कि कांग्रेस उनकी संपत्ति छीन कर किसी को (मुसलमानों को?) दे देगी। धन-संपदा मनुष्य की एक स्थायी नैसर्गिक कामना है। इसे हथियाने की बात होगी तो लोग-बाग कांग्रेस से बिदकेंगे ही। पित्रोदा के सहसा सीन में आने के दो दिन पहले तक मोदी कांग्रेस के मैनिफेस्टो में संपत्ति के सर्वेक्षण पर समझा रहे थे कि कांग्रेस सत्ता में आई तो आपकी संपत्ति छीन कर ह्यज्यादा बच्चे पैदा करने वालेह्न और ह्यघुसपैठिएह्न को दे देगी-महिलाओं से उनके मंगलसूत्र तक छीन लेगी। जबकि कांग्रेस का एजेंडा एक दशक में बढ़ी आय-असमानता की वजहों की जांच का है। पर मैनिफेस्टो से मोदी के जबरदस्ती निकाले जिन ने लोगों को डराना शुरू कर दिया। तब भी मोदी इन हथियारों की मारकता शेष चुनाव तक बने रहने पर आस्त नहीं थे। वे कांग्रेस और उसके गठबंधन के दुष्प्रचार के आगे डिफेंसिव थे। जो कह रहे थे कि ह्यमोदी अबकी सत्ता में आए तो न आगे चुनाव होगा, न संविधान बचेगा और न आरक्षण रहेगा।ह्न लेकिन पित्रोदा की गलत टाइमिंग ने मोदी का समय सही कर दिया। वे फ्रंट पर हैं और विपक्ष बैकफुट पर। हालांकि कांग्रेस ने सैम की राय को निजी बता कर पल्ला झाड़ लिया है। पर नुकसान की भरपाई मुश्किल है। अमेरिका में कुल विरासती संपत्ति के मूल्य का 55 फीसद हिस्सा सरकार ले लेती है। शेष 45 फीसद पर ही भावी पीढ़ी का हक होता है। यह विश्व के दर्जनों देश में लागू है। भारत में राजीव गांधी सरकार ने वित्तमंत्री वीपी सिंह के सुझाव पर इसे अनुत्पादक मानते हुए निरस्त कर दिया था। पर इस गए विचार ने भारतीय चुनाव में एक नया हलचल पैदा कर दिया है।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला, याचिकायें खारिज, मतदाताओं में मायूसी

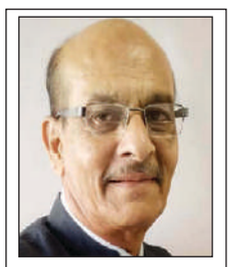

सनत जैन

वीवीपेट, ईवीएम मशीन और मतदाता पर्ची की गिनती करने की मांग वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। जो दो याचिकाएं लगाई गईं थीं, उनमें मांग की गई थी, कि वीवीपेट से निकलने वाली सभी पर्चियों की गिनती कराई जाए। जो पर्ची मशीन से निकलती है, उसे मतदाता के हाथ में दी जाए। मतदाता स्वयं पर्ची को बैलट बॉक्स में डाले। यदि यह संभव न हो, तो वीवी पेट में जो काला कांच लगा है, जो लाइट 7 सेकंड के लिए जलती है। उस वीवीपेट मशीन का ग्लास बदल दिया जाए। ताकि मतदाता ने जिसे वोट दिया है, उसे देख पाए। मतदाता के सामने ही पर्ची कटकर वैलिड बॉक्स में गिरी है, या नहीं, यह मतदाता सुनिश्चित कर सकें। तीन बार सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जिस तरह के संकेत मिल रहे थे। उससे लग रहा था, इस मामले में याचिका कताओं को कोई राहत मिलने वाली नहीं है। इसके पहले भी चुनाव आयोग से संबंधित याचिकाओं को यही बेंच खारिज कर चुकी थी। यह याचिका लंबे समय से सुनवाई के लिए लंबित थी। चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद, इसमें सुनवाई शुरू हुई। याचिकाकर्ता 100 फीसदी मतदाता पर्चियों की गिनती की मांग कर रहे थे। इस मांग को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं माना। सभी याचिकाओं को निरस्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 45 दिन तक कंट्रोल मशीन को सील कर सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। वहीं 7 दिन के अंदर दूसरे या तीसरे नंबर का उम्मीदवार अपने खर्चे पर कंट्रोल यूनिट की जांच की मांग कर सकता है। इसकी मांग करने वाले उम्मीदवार को उसका खर्च देना पड़ेगा। यदि कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई, तो उम्मीदवार के द्वारा जमा की गई राशि वापस नहीं की जाएगी। गड़-बड़ी पाए जाने पर उम्मीदवार को राशि वापस कर दी जाएगी।

पिछले कई महीनों से ईवीएम, वीवीपेट मशीन तथा कंट्रोल यूनिट की कार्यप्रणाली को लेकर आंदोलन किये जा रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के कई अधिवक्ताओं ने भी धरना-प्रदर्शन करके वीवीपेट से निकलने वाली सभी पर्चियां की गिनती कराने की मांग की थी। सारे देश में मतदाताओं द्वारा 100 फीसदी मतदाता पर्ची गिनने की मांग की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से लोगों में निराशा है। चुनाव आयोग के आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को बदलते हुए, सरकार ने जो कानून बनाया है, उसमें सरकार द्वारा जिन दो चुनाव आयुक्त की नियुक्ति अधिसूचना जारी होने के 1 दिन पहले की गई है। उस नियुक्ति को लेकर भी लोगों में चुनाव आयोग के प्रति विश्वास कम हुआ है। लोकसभा चुनाव के पहले और दूसरे चरण के मतदान के दौरान चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर भी सारे लोग हैरान हैं। विपक्ष द्वारा की गई शिकायतों पर चुनाव आयोग मौन साध कर बैठ जाता है। सत्ता पक्ष की शिकायत पर विपक्ष पर तुरंत कार्रवाई कर दी जाती है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सरकार और चुनाव आयोग को राहत देने वाला फैसला माना जा रहा है। आम मतदाताओं की मांग और आशंकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने विचार नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से निष्पक्ष चुनाव होगा। इस पर मतदाताओं का संदेह कम होने की बजाय और बढ़ जाएगा। मतदाताओं में पहले ही निराशा थी। इस फैसले के बाद यह निराशा और भी बढ़ेगी। सत्ता पक्ष द्वारा जब यह दावा किया जाता है, इस बार 400 पार, यह दावा ईवीएम मशीन और वीवीपीएटी की कार्य प्रणाली को लेकर किया जा रहा है? यह बात मतदाता के मन में बैठ चुकी है। चुनाव आयोग जिस तरह से गांधी जी के तीन बंदर बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, और बुरा मत बोलो, की तर्ज पर सरकार के समर्थन में बैठा हुआ है। इसको देखते हुए लोगों को चुनाव पर कितना विश्वास रहेगा, कहा नहीं जा सकता है। वीवीपेट से निकली हुई पर्ची की 100 फीसदी गिनती और वीवी पेट से सही पर्ची प्रिंट हुई है। यह जानने का अधिकार मतदाता का है। सुप्रीम कोर्ट से यह आशा की जा रही थी, कम से कम आमजनता के इस अधिकार को बनाए रखने में, सुप्रीम कोर्ट का फैसला मतदाताओं के पक्ष में आएगा। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से मतदाताओं को निराशा ही मिली है। लोकतंत्र की रीड की हड्डी चुनाव पर यदि मतदाताओं को भरोसा नहीं रहेगा, तो भारतीय लोकतंत्र और संविधान भी सुरक्षित नहीं रहेगा यह लोगों का मानना है।

भारत में धार्मिक पर्यटन छू रहा नित्त नई ऊचाईयां

प्रहलाद सबनानी

हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में 'स्व' का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं।

जेफरीज नामक एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज कम्पनी ने बताया है कि अयोध्या में निर्मित प्रभु श्रीराम के मंदिर से भारत की आर्थिक सम्पन्नता बढ़ने जा रही है। दिनांक 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में सम्पन्न हुए प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्थानीय कारोबारी अपना उज्जवल भविष्य देख रहे हैं। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। जेफरीज के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। अभी अयोध्या में केवल 17 बड़े होटल हैं इनमें कुल मिलाकर 590 कमरे उपलब्ध हैं। लेकिन, अब 73 नए होटलों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से 40 होटलों का निर्माण कार्य प्रारम्भ भी हो चुका है। अभी तक नए एयरपोर्ट, रेल्वे स्टेशन, टाउनशिप और रोड कनेक्टिविटी में सुधार जैसे कामों पर 85,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इस निवेश का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर दिखाई देने जा रहा है। शीघ्र ही अयोध्या वैश्विक स्तर पर धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में उभरेगा। इससे होटल, एयरलाईन, हॉस्पिटलिटी, ट्रैवल, सिमेंट जैसे क्षेत्रों को बहुत बड़ा फायदा होने जा रहा है। भारत के विभिन्न शहरों से 1000 के आसपास नई रेल अयोध्या के लिए चलाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पूरे देश से दिनांक 23 जनवरी 2024 के बाद से प्रतिदिन भारी संख्या में धार्मिक पर्यटक अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह हर्ष का विषय है कि पहिले दिन ही 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के दर्शन किये हैं।

विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटेकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। अयोध्या में तो किसी भी धर्म, मत, पंथ मानने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार की पाबंदी नहीं होगी। अतः अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 5 से 10 करोड़ तक प्रतिवर्ष जा सकती है। फिर अकेले अयोध्या नगर को होने वाली आय का अनुमान तो सहज रूप से लगाया जा सकता है। अभी अयोध्या आने वाले श्रद्धालु अयोध्या में रूकते नहीं थे प्रातः अयोध्या पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर शाम तक वापिस चले जाते थे परंतु अब अयोध्या को इतना आकर्षक रूप से विकसित किया गया है कि श्रद्धालु 3 से 4 दिन रुकने का प्रयास करेंगे। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नए रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। यह विशेष रेलगाड़ी 18 दिनों में 8000 किलो मीटर की यात्रा सम्पन्न करेगी, इस विशेष रेलगाड़ी के इस रेलमार्ग पर 18 स्टॉप होंगे। यह विशेष रेलमार्ग प्रभु श्रीराम से जुड़े ऐतिहासिक नगरों अयोध्या, चित्रकूट एवं छतीसगढ़ को जोड़ेगा। अयोध्या में नवनिर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर वैश्विक पटल पर इस रूट को भी रखेगा।

केंद्र सरकार द्वारा भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार किए जा रहे प्रयासों का परिणाम भी अब दिखाई देने लगा है। 'मेक माई ट्रिप इंडिया ट्रैवल ट्रेंड्स रिपोर्ट' के अनुसार, भारत के नागरिक अब पहले के मुकाबले अधिक यात्रा कर रहे हैं। भारत के नागरिकों द्वारा विशेष रूप से अयोध्या, उज्जैन एवं बदरीनाथ जैसे आध्यात्मिक स्थलों के बारे में अधिक जानकारी हासिल की जा रही है। उक्त जानकारी 'मेक माई ट्रिप' के प्लेटफार्म के 10 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर सामने आई है। वर्ष 2019 के बाद से भारत में एक वर्ष में तीन से अधिक यात्राएं करने वाले लोगों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। उक्त रिपोर्ट के अनुसार, आध्यात्मिक पर्यटन सम्बंधी जानकारी हासिल करने की गतिविधियों में वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2023 में 97 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। विशेष रूप से अयोध्या के सम्बंध में जानकारी हासिल करने सम्बंधी गतिविधियों में वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में 585 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज हुई है। इसी प्रकार, उज्जैन एवं बदरीनाथ जैसे धार्मिक स्थलों के सम्बंध में भी जानकारी हासिल करने वाले नागरिकों की संख्या में क्रमशः 359 प्रतिशत और 343 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। भारत में अब पारिवारिक यात्रा की बुकिंग भी बहुत तेज गति से बढ़ रही है। इसमें वर्ष 2022 के तुलना में वर्ष 2023 में 64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि इसी अवधि में एकल यात्रा की बुकिंग में केवल 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

उक्त जानकारी को भारत के नागरिक विमानन मंत्रालय द्वारा जारी एक जानकारी से भी बल मिलता है कि भारत में घरेलू हवाई यातायात अब एक नए मुकाम पर पहुंच गया है। दिनांक 21 अप्रेल 2024 (रविवार) को रिकार्ड 471,751 यात्रियों ने 6,128 उड़ानों के माध्यम से, भारत में हवाई सफर किया है। इसके पूर्व हवाई यातायात करने वाले नागरिकों की औसत संख्या, कोरोना महामारी के पूर्व के खंडकाल में, 398,579 यात्रियों की थी। इसमें 14 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है।

देश में धार्मिक पर्यटन में हो रही भारी वृद्धि के चलते भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में भी तेजी दिखाई देने लगी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर ने भारत सहित विश्व के समस्त आर्थिक विश्लेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान, भारत में सकल घरेलू उत्पाद में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हासिल हुई है जबकि प्रथम तिमाही के दौरान वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत एवं द्वितीय तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की रही थी। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रही थी। जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। इसी प्रकार, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इकरा ने 6.5 प्रतिशत, एशिया विकास बैंक एवं बार्कलेस एवं प्राइस वॉटर कूपर्स ने 6.7 प्रतिशत, डेलाईट इंडिया ने 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था।

बदकिस्मत देश
खूबसूरत है फिर भी कोई नहीं जाना चाहता यहां

चमचमाते बीच, साफ-सुथरा पानी, बरसों पुराने रंग में रंगी संस्कृति यानी हर वो चीज, जो पर्यटकों को लुभाने के लिए काफी है। बावजूद इसके इन देशों में पिछले साल गिनती के पर्यटक पहुंचे। यूनाइटेड नेशन वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के सर्वे ने उन देशों को चुना है, जिन्होंने पिछले साल पर्यटकों को सबसे कम आकर्षित किया। हालांकि, ये वजहें साफ नहीं हैं कि इतने खूबसूरत नजारों के बाद भी ये जगहें दुनिया में घूमने के सबसे कम लोकप्रिय ठिकानों में क्यों शामिल हैं।

किरीबाती

हवाई से पांच घंटे की दूरी पर मौजूद इस जगह को गिलबर्ट आइलैंड के नाम से जाना जाता है, जो ब्रिटिश शासन के अधीन है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कुछ भीषण लड़ाइयों के अलावा पश्चिमी प्रभाव इन आइलैंड पर काफी कम है। सदियों से यहां के स्थानीय लोग नारियल, फलों और मछलियों के सहारे जिंदगी गुजार रहे हैं। यहां बाइक और नाव से या फिर पैदल यात्रा की जा सकती है। ये दुनिया का सबसे बड़ा संरक्षित समुद्री क्षेत्र है।

नियु

अकेलेपन के चलते इस खूबसूरत आइलैंड को ज्यादातर लोग अलविदा कर चुके हैं। इस वक्त इस आइलैंड पर तकरीबन 1,400 लोग रह रहे हैं। इस आइलैंड का 20 फीसदी हिस्सा हुवालु वन संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आता है, यानी प्राकृतिक खूबसूरती से भरा हुआ है। वहीं, इस वीराने में होने के बावजूद यहां इंटरनेट की सुविधा मुफ्त है। नियु 2003 में दुनिया का पहला वाई-फाई देश बन गया था।

लिचेंस्टीन

लिचेंस्टीन दुनिया का भले ही छठवां सबसे छोटा देश हो, लेकिन जीडीपी के लिहाज ये काफी अमीर है। इसे अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और अनोखे गांवों के लिए जाना जाता है, लेकिन पर्यटन को लुभाने में इसे कामयाबी नहीं मिली। जर्मन भाषा अपनाने वाला ये दुनिया का अकेला देश है, जो पूरी तरह से आल्प्स की पहाड़ियों पर बसा है। गर्मी के दिनों में यहां पैदल यात्रा और साइकिलिंग का अपना मजा है। वहीं, सर्दियों के दिन में ये स्कीइंग के लिए बेहतरीन जगह है।

मॉन्टसेरेट

एक वक्त में पर्यटन के लिए लोकप्रिय जगह रहा ये आइलैंड अब पर्यटकों को आकर्षित करने में नाकाम साबित हो रहा है। दरअसल, ये आइलैंड भयानक प्राकृतिक आपदाओं के बार-बार हुए हमले से खुद को उबार नहीं सका। 1989 में हरिकेन ह्यूगो ने 90 फीसदी तक इस आइलैंड को नुकसान पहुंचाया और 1995 में निष्क्रिय पड़ा सॉफ्रियर ज्वालामुखी फूट पड़ा। ये शांत माहौल के लिए मशहूर है।

एंगुइल्ला

एंगुइल्ला नाम का ये कैरेबियाई द्वीप ब्रिटेन के अधीन है। 26 किलोमीटर लंबे और 5 किलोमीटर की चौड़ाई में इसका मुख्य आइलैंड बसा है, जिसकी राजधानी वैली है। इसका कुल भूमिक्षेत्र 90 किलोमीटर का है। 2006 की गणना के अनुसार, इस आइलैंड की जनसंख्या तकरीबन 13,500 है। टैक्स हैवन देश के तौर पर इसे लोकप्रियता मिली है।

डॉमिनिका

डॉमिनिका रिपब्लिक रेतीले बीचों और रिजॉर्ट्स की कमी से जूझ रहा है। इसके साथ ही यहां तक पहुंचने के लिए सीधी उड़ानों की कमी भी एक बड़ी वजह है, जिसके चलते पर्यटकों ने इस जगह से दूरी बढ़ा ली। हालांकि, बावजूद इसके ट्रैकिंग, स्नॉर्कल (श्वांस नली लगा कर गोता लगाना) और आराम करने के लिए बढ़िया है।

सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनेडाइंस

सेंट विंसेंट घनी आबादी वाला आइलैंड है, जबकि ग्रेनेडाइंस 600 से ज्यादा कैरेबियाई आइलैंड की श्रृंखला है। ये आइलैंड न सिर्फ खूबसूरत हैं, बल्कि बहुत शांत भी हैं। टूरिज्म के लिहाज से ये काफी महत्वपूर्ण है, जिसके विस्तार की प्रशासन की योजना है। इसे कैरेबियन फिल्मों के समुद्री डाकुओं ने और मशहूर कर दिया, जिनकी यहां पर शूटिंग की जाती है।

मोलडोवा

रोमानिया और यूक्रेन के बीच मौजूद मोलडोवा के 1990 में सोवियत यूनियन से आजाद होने के बाद से इसका अच्छा वक्त आया ही नहीं। गृहयुद्ध और वित्तीय अस्थिरता के दौर से इस देश में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। मोलडोवा अब भी यूरोप के गरीब देशों में शामिल है। ये देश यूरोपीय यूनियन में शामिल होना चाहता है।

बेहद अनूठे जीव हैं दीमक

दीमक अपने उच्चस्तरीय सामाजिक संगठन के लिए विख्यात हैं। ये बाम्बी के अंदर रहते हैं तथा इनका प्रत्येक सदस्य एक विशेष कार्य का सम्पादन करता है। ये टीले की तरह का ऊंचा और बड़ा घोंसला बनाते हैं, जिसे बाम्बी कहा जाता है। इनकी बाम्बी में गैलरियां और आने-जाने के रास्ते बने होते हैं। ये इन रास्तों को साफ रखते हैं तथा अपने प्रत्येक सदस्य को भोजन की आपूर्ति करते हैं। दीमक की कुछ प्रजातियां हरी मक्खियों के झुंड रखती हैं। वे इन्हें हरी सामग्री खिलाती हैं तथा शहद जैसा पदार्थ निस्सारित करती हैं। दीमक की उत्तरी आस्ट्रेलिया में पाई जाने वाली एक प्रजाति मैग्नैटिक टरमाईट शंखाकार बाम्बी बनाती है, जो हमेशा उत्तर या दक्षिण की ओर ही अभिमुख होती है। दीमक की यह प्रजाति धरती पर जीवन के प्राचीनतम रूपों में से एक है। इनका अस्तित्व करीब 2 करोड़ वर्ष पूर्व से है। इनके जबड़े इतने शक्तिशाली होते हैं कि ये किसी भी पदार्थ को काट सकते हैं। एक बार इन्होंने 1500 गैलन बीयर तक पहुंचने के लिए शीशे की एक मोटी चादर को ही छेद डाला था और एक बार ये एक होटल की सभी बिलियर्ड गेंदों को ही खा गए थे।

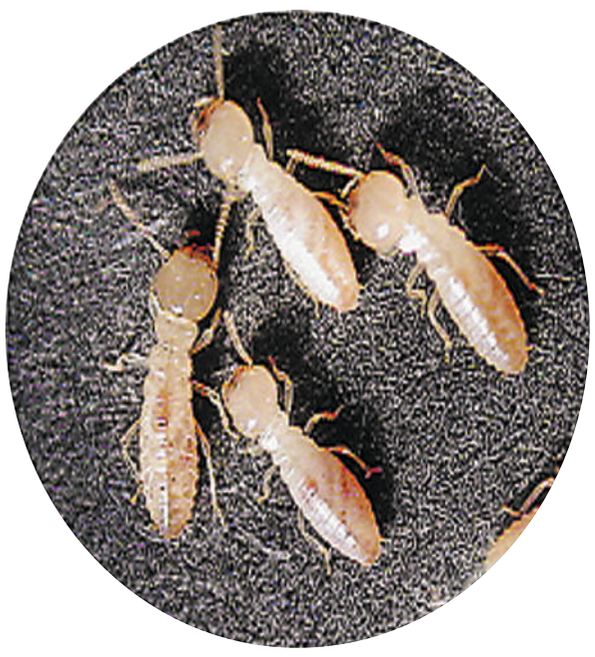

पूर्वी टिमोर

पूर्वी टिमोर दक्षिण पूर्व एशिया के समुद्री क्षेत्र में मौजूद देश है, जो 15,410 किलोमीटर के क्षेत्र में बसा है। यहां के सुनसान पहाड़ ट्रैकिंग और साइकिलिंग का मौका देते हैं, लेकिन 2002 में इंडोनेशिया के स्वतंत्र होने के बाद ये देश अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रहा है।

पलाऊ

पलाऊ आइलैंड समूह माइक्रोनेसिया का हिस्सा है। इसकी आबादी 21,000 के करीब है, जो तकरीबन 250 आइलैंड की श्रृंखला में फैली हुई है। सबसे ज्यादा आबादी किरोर आइलैंड पर है। इस आइलैंड पर तीन हजार साल पहले फिलीपीन्स से पलायन करने वाली आबादी से बसाहट हुई। पर्यटन के लिहाज से ये बेहतरीन जगह है, बावजूद इसके इस आइलैंड को इस लिस्ट में शामिल किया गया है।

बेतिया में बोलेरो ने ट्रक में मारी ठोकर, तीन की मौत

बेतिया। बेतिया पुलिस ज़िला स्थित मझौलिया से बारातियों को वापस लेकर लौट रही बोलेरो ने आगे जा रही ट्रक में पीछे से ठोकर मार दी। इस घटना में बोलेरो में सवार 11 लोगों में से तीन की मौत घटना स्थल पर ही हो गयी है। जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें पटना रेफर कर दिया है। वहीं ड्राइवर व एक अन्य बाराती इस घटना में बाल-बाल बच गए है। घटना रात 11 बजे बेतिया-नवलपुर पथ में बाबू टोला गुरवलिया चौक की है। मनुआपुल थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि गोलाघाट डुमरी निवासी दीनानाथ महतो के पुत्र की बारात गुरुवार की संध्या मझौलिया के गढ़वा भोगाड़ी गयी थी। वहां से खाना खाकर गोलाघाट डुमरी निवासी उमा यादव के बोलेरो से चालक समेत 13 बाराती वापस लौट रहे थे। गाड़ी उमा यादव ही चला रहा था। बाबू टोला गुरवलिया के समीप बोलेरो ने आगे जा रही ट्रक से साइड लेने में अपने बाएं हिस्से से ट्रक के पीछे ठोकर मार दी, जिससे बोलेरो में बैठे गोलाघाट डुमरी निवासी जनार्दन यादव, प्रकाश यादव, धर्मनाथ यादव की मौत हो गयी। वहीं छह लोग घायल हो गए।

घायलों में पूर्वी चंपारण ज़िला स्थित पहाड़पुर के कमाल पिपरा निवासी लवकुश कुमार, पटजिरवा के निमुईया कुंड के रामदेव महतो तथा सोनू कुमार को गंभीर स्थिति में पटना रेफर कर दिया गया है। जबकि सोनू के पिता योगेन्द्र प्रसाद, सोनू के चचेरे भाई राज कुमार, राजनंदन कुमार तथा सोनू के फुफेरे भाई बैरिया के बगही बघंबरपुर निवासी रामदेव, गोलाघाट डुमरी निवासी रेश्म यादव की चिकित्सा बेतियाजीएमसीएच में हो रही है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना कैसे घटी इसका पता ड्राइवर व घायलों से पूछताछ के बाद ही चलेगा। दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को जब्त कर लिया गया है। बेतिया मे पोस्टमार्टम के बाद लाशों को परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

सीवान में बस ने बाइक को रौंदा, मां-बेटों की मौत

पटना। सीवान जिले के सिसवन थाना क्षेत्र अन्तर्गत सिसवन-सिवान मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को हरे राम ब्रहमचारी उच्च विद्यालय के समीप बस ने बाइक को रौंद दिया, जिससे बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान भागर निवासी जयराम राम की पत्नी चिंता देवी (42), पुत्र कुंदन कुमार (18) तथा प्रिंस कुमार (08) के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर सिवान अस्पताल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक भागर निवासी जयराम राम की पत्नी चिंता देवी सारण के एकमा थाना क्षेत्र के ढेकुली स्थित रिश्तेदार के यहां से आज सुबह पुत्र कुंदन कुमार एवं प्रिंस कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर घर लौट रही थी। इस बाच सिसवन-सिवान मुख्य पथ पर हरेराम ब्रहमचारी उच्च विद्यालय के समीप सामने से आ रही बस ने उनकी बाइक को रौंद दिया। इस दुर्घटना में चिंता देवी एवं पुत्र कुंदन कुमार की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि प्रिंस कुमार घायल हो गया। घटना के बाद बस चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना थाने को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घायल प्रिंस को रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में उसकी स्थिति गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान प्रिंस कुमार की मृत्यु हो गई।

ट्रक ने बाइक सवार स्कूल संचालक को कुचला, मौके पर हुई मौत

नवादा। नवादा-जमुई एसएच-8 पर शुक्रवार को नवादा जिले के कादिरगंज थाना के समीप अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। जिससे मौके पर उसकी मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान रोह थाना क्षेत्र के मनियोचक गांव निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई। मृतक मनोज निजी स्कूल संचालक थे। रोह में उनका स्कूल है। हादसे के बाद कादिरगंज थाना की पुलिस पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक व बाइक को जब्त कर लिया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मृतक शव ट्रक के नीचे फंस गया था। जिसे निकालने का प्रयास किया जा रहा है। आसपास के ग्रामीणों ने सड़क को जाम कर दिया है। उक्त मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से ठप है। पुलिस लोगों को समझा बुझाकर शांत कराने में जुटी हुई है। हादसे के बाद ट्रक का चालक भागने में सफल रहा।

संक्षिप्त

नौ नामांकन पत्रों को किया गया अस्वीकृत

समस्तीपुर। उजियारपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से किये गये नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा समाहरणालय सभागार में सामान्य प्रेक्षक कुलदीप शर्मा की उपस्थिति में निवाचीं पदाधिकारी, अजय कुमार तिवारी के द्वारा की गयी। संवीक्षा के दौरान निर्दलीय चंदेश्वर राय,आरएसपीआई (एमएल) के चंद्रशेखर राय,निर्दलीय विरेन्द्र कुमार राय,बिहार जस्टिस पार्टी के राम लगन राय,निर्दलीय अरूण कुमार यादव, निर्दलीय राम करण पासवान, निर्दलीय आमोद कुमार, समता पार्टी के अमन कुमार झा एवं निर्दलीय शत्रुघ्न साहके शपथ-पत्र के अपूर्ण रहने के कारण इनके नाम निर्देशन पत्रों को अस्वीकृत किया गया है। नाम निर्देशन पत्रों के संवीक्षा के उपरांत विधिमान्य अभ्यर्थियों के नाम राष्ट्रीय जनता दल के आलोक कुमार मेहता, जनता राज विकास पार्टी के मनोज कुमार, भारतीय जनता पार्टी के नित्यानंद राय, सोशलिस्ट युनिटी सेन्टर आफ इंडिया (कम्यूनिस्ट) के राम पुकार राय, जागरूक जनता पार्टी के निक्की झा, बहुजन समाज पार्टी के मोहन कुमार मौर्या, राष्ट्रीय जन संभावना पार्टी के संतोष राय, सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी के अंशु कुमार, निर्दलीय नारेन्द्र गिरी, निर्दलीय संजय पासवान, निर्दलीय अमरेश राय, निर्दलीय राकेश कुमार, निर्दलीय किशोर कुमार है। संवीक्षा के समय सहायक निर्वाची पदाधिकारी प्रियंका कुमारी, अवर निर्वाचन पदाधिकारी राजीव कुमार एवं अन्य तथा अभ्यर्थी, अभ्यर्थी के प्रस्तावक/निर्वाचन अभिकर्त्ता उपस्थित थे।

लोडेड पिस्टल के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मोतिहारी शहर से सटे रघुनाथपुर से चार अपराधियों को लोडेड पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में गोविंदगंज थाना क्षेत्र का प्रिंस कुमार,रघुनाथपुर का गुरु भूषण कुमार उर्फ सौरभ कुमार , संग्रामपुर थाना क्षेत्र का शुभम सिंह एवं रघुनाथपुर थाना क्षेत्र का प्रिंस कुमार शामिल है। उक्त अपराधियों के पास से एक पिस्तौल,एक मैगजीन व दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। इस संबंध में एएसपी शिखर चौधरी ने बताया है कि सभी अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए इकट्ठा हुए थे,जिसकी भनक पुलिस को लग गई और चारो बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया है कि प्रिंस कुमार के विरुद्ध रघुनाथपुर तुरकौलिया में वर्ष 2018 में चोरी का मामला दर्ज है। वर्ष 2018 में ही गुरुभूषण के खिलाफ भी तुरकौलिया थाने में एक चोरी का केस दर्ज किया गया था। पुलिस टीम में एएसपी के अलावा रघुनाथपुर थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

10 हजार का इनामी कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिला पुलिस टीम ने टॉप 20 श्रेणी में शामिल 10 हजार का इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव को लेकर एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान के दौरान मिली गुप्त सूचना पर एएसपी सदर शिखर चौधरी के नेतृत्व में छतौनी थाना पुलिस ने छापेमारी कर हत्या एवं लूट कांड में वांछित 10 हजार रूपये का इनामी और जिले के टॉप-20 श्रेणी में शामिल कुख्यात अपराधी पश्चिम चंपारण के रामनगर थाना क्षेत्र निवासी लारेब खान उर्फ समीर खान को खोदानगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि लारेब खान कुछ दिनों से मोतिहारी के खोदानगर मुहल्ले में छुप कर रह रहा था।इसके विरूद्ध छतौनी थाना में हत्या,लूट व आर्म्स एक्ट के दो मामले दर्ज है, जिसमे उसकी तलाश की जा रही थी।इस संदर्भ में छतौनी थाना द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

लालू यादव ने सारण सीट से रोहिणी आचार्य के खिलाफ दाखिल किया नामांकन का पर्चा

छपरा। बिहार की सारण लोकसभा सीट से रोहिणी आचार्य के खिलाफ लालू यादव ने नामांकन का पर्चा दाखिल कर दिया है। यह खबर हैरान करने वाली है। वजह रोहिणी आचार्य के पिता खुद लालू यादव हैं, तो हम आपको बता दें कि, ये वाले लालू यादव राजद सुप्रीमो नहीं हैं, बल्कि उनके ही हम नाम हैं, जो आए दिन चुनाव लड़ते हैं। और हार का सामना भी करते हैं। लालू यादव का नाम होने के कारण इनको अच्छा खासा वोट भी मिल जाता है। पिछले लोकसभा चुनाव में इन्होंने 14000 वोट हासिल कर लिया था। एक बार फिर लोकसभा चुनाव में यह लालू यादव चुनाव लड़ने की तैयारी में जुट गए हैं। सारण से नामांकन दाखिल कराने आए लालू प्रसाद यादव राजपा से प्रत्याशी होंगे। लालू प्रसाद यादव की कर्मस्थली सारण में लालू के

हमनाम होने का ये बखूबी फायदा उठाते हैं। साल 2001 से लगातार हर स्तर के चुनाव में ये नामांकन करते हैं। चुनाव लड़ते हैं।

आज तक नहीं मिली जीत, फिर भी लड़ते हैं चुनाव : चुनाव चाहे पंचायत स्तर का हो या विधानसभा का, विधान परिषद का या लोकसभा यह सभी जगह अपनी किस्मत आजमाते रहते हैं। हालांकि आज तक किसी भी चुनाव में इन्हें विजय का स्वाद तो नहीं मिला, लेकिन राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के हमनाम और उनके ही चुनाव क्षेत्र का होने के कारण मीडिया की सुर्खियां जरूर बटोर लेते हैं।

इस बार नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से बात करते हुए लालू यादव ने कहा कि उनकी जीत सुनिश्चित है और लोगों ने उन्हें जीताने का मन बना लिया है। लालू यादव मढ़ौरा के रहने वाले हैं और उनके चुनाव में उम्मीदवार बनने सबसे अधिक नुकसान राजद के प्रत्याशी को होता है, जिनके वोटर कई बार लालू यादव के नाम पर वोटिंग कर देते हैं।

लालू यादव एक बार फिर छपरा के चुनावी समर में कूद चुके हैं और राजीव प्रताप रूढ़ी और रोहिणी को टक्कर देने की बात कह रहे हैं हालांकि इनका भविष्य क्या होगा यह आने वाला वक्त बताएगा।

बच्चों से भरी स्कूल वैन में लगी आग, आधा दर्जन से ज्यादा बच्चे झुलसे, वैन जलकर राख

सारण। सारण में एक स्कूल वैन में अचानक आग लगने से वैन में सवार आठ बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गये। वैन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना शुक्रवार की दोपहर एनएच 331 पर बनियापुर थाना क्षेत्र के दधीबाढ़ी मोड़ के पास की बतायी जा रही है। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में कार का शीशा तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला। जिसके बाद तुरंत सभी बच्चों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल बनियापुर लाया गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एमएम जाफरी ने तुरंत इलाज शुरू किया और सभी घायल बच्चों के लिए पूरी व्यवस्था की।

चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि आठ बच्चों के हाथ, पैर सहित अन्य अंग झुलस गये थे। जिनका प्राथमिक उपचार करने के बाद छह बच्चों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया। जहां सभी घायल बच्चों का इलाज जारी है।

ये बच्चे हुए घायल : घायलों में कपिल यादव के आठ वर्षीय पुत्र अनीस कुमार एवं 10 वर्षीया पुत्री गुंजन कुमारी, आशीष कुमार, अजित शर्मा के 10 वर्षीय पुत्र आशु कुमार, आठ वर्षीय निखिल कुमार, संजीव कुमार के साढ़े चार वर्षीय पुत्र रौनक कुमार, पप्पू कुमार के सात वर्षीय पुत्र अंशु

कुमार, सात वर्षीय अजित कुमार रेफरल अस्पताल पहुंचे थे।

20 से अधिक बच्चे थे वैन में : स्थानीय लोगों के मुताबिक स्कूल वैन में 20 से ज्यादा बच्चे सवार थे। इनमें से कुछ बच्चों का इलाज स्थानीय स्तर पर भी किया जा रहा है। इधर, बच्चों के सदर अस्पताल पहुंचते ही अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आनन-फानन में सदर एसडीओ संजय कुमार राय, अस्पताल प्रबंधक राजेश्वर प्रसाद, डीपीएम अरविंद कुमार भी सदर अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने घायल बच्चों के इलाज की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिये।

परिजनों ने कहा सीट से अधिक बैठाये जा रहे बच्चे : परिजनों का आरोप है कि सभी बच्चे सहाजितपुर थाने के कोल्लुआ बाजार स्थित न्यू गुरुकुल शिक्षा निकेतन के छात्र हैं। जिन्हें स्कूल की छुट्टी होने के बाद स्कूल प्रबंधन द्वारा घर भेजा जा रहा था। जहां स्कूल प्रबंधन की लापरवाही के कारण इस तरह की घटना घटी। अभिभावकों का आरोप है कि आग लगने के बाद वैन चालक मौके से भाग गया। जिसके बाद स्थानीय दुकानदारों द्वारा बच्चों को बचाने का प्रयास किया गया। यदि समय रहते बच्चों को बाहर नहीं निकाला जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

स्थानीय लोगों में आक्रोश : घटना के बाद से स्थानीय लोग काफी आक्रोशित हैं। लोगों का आरोप है कि बनियापुर प्रखंड के प्रायः सभी निजी विद्यालयों द्वारा नामांकन से लेकर मासिक फी और किताब, ड्रेस से लेकर ट्रांसपोर्ट फी तक में मोटी राशि की उगाही की जा रही है। बावजूद इसके बच्चों को सुविधा प्रदान करने के नाम पर लापरवाही से काम लिया जा रहा है। एक तरफ खटारा वाहनों से बच्चों को घर से विद्यालय तक लाया जाता है।

वाहन जांच के दौरान निगरानी दल ने जब्त किये लाखों रुपए

सहरसा। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर जिले के विभिन्न स्थलों पर बनाए गए चेक पोस्टों पर चल रहे सघन वाहन जांच के दौरान स्थैतिक निगरानी दल हुसैनचक 76 सिमरी बख्तियारपुर चेक पोस्ट पर गौतम कुमार पिता अरविंद कुमार यादव सलखुआ थाना के इटहरी ग्राम निवासी कि स्कॉर्पियो गाड़ी की जांच के द्वारा कुल 1,99,500 एक लाख निन्यानवे हजार पांच सौ नगद राशि पाई गई । जब्त राशि के संबंध में जांच स्थल पर कोई संतोषप्रद प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में स्थैतिक निगरानी दल के दंडाधिकारी सूरज कुमार एवं उड़नदस्ता दल के दंडाधिकारी शुभम वर्मा द्वारा राशि जब्ती की कार्यवाही की गई एवं संबंधित थाना अध्यक्ष सिमरीबख्तियारपुर के एसएचओ को राशि सुपुर्द कर दिया गया। निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग के नोडल पदाधिकारी प्रवीण कुमारने बताया कि आदर्श आचार संहिता के अक्षरशः अनुपालन तथा निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने हेतु हमारी पूरी टीम पुलिस बल के साथ जिले के सभी चेक पोस्टों पर पूरी मुस्तादी के साथ सभी गाड़ियों की जांच करवाई जा रही है।

पप्पू यादव के चार समर्थक डमी ईवीएम के साथ पकड़े गये

पूर्णिया। सहायक खजांची के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के द्वारा रजनी चौक पर वाहन चेकिंग के दौरान एक महिंद्रा जीप (थार) में बैठे चार व्यक्तियों के पास से तीन डमी ईवीएम बरामद किया । जिसमे से तीन बाहरी जिला गोपालगंज से चुनाव प्रचार-प्रसार के लिए आए हुए थे । डमी ईवीएम के साथ गिरफ्तार व्यक्ति का नाम शमशुल हक अजाद , विजय प्रताप सिंह, रूकसार अहमद, अरविन्द साह हैं।

फर्जी प्रमाणपत्र पर नौकरी कर रही जिला महिला समादेष्टा पद से हटाने का आदेश

सहरसा। जिला लोक शिकायत निवारण प्राधिकारी द्वारा परिवादी राम प्रसाद यादव परिवाद का विषय जिला समादेष्टा रक्षक वाहिनी द्वारा आवेदक मोसमात अनीता देवी पिता शिव शर्मा नरैया पंचगछिया सत्तर कटैया को फर्जी प्रमाण पत्र रखने के कारण पद से शीघ्र हटाए जाने का निर्णय दिया है। जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा इस संबंध में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना के द्वारा अनीता देवी का फर्जी प्रमाण पत्र रखने का पत्र निर्गत किया गया है। वही परिवाद के आलोक में लोक प्राधिकार वरीय जिला समादेष्टा बिहार गृह रक्षा वाहिनी को नोटिस निर्गत किया गया। उक्त सूचना के आलोक में लोक प्राधिकार ने कार्यालय आदेश ज्ञापक 567 दिनांक 24 अप्रैल के द्वारा सूचित किया गया कि सहरसा जिला इकाई के गृह रक्षिका संख्या 33265 अनीता देवी को जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी महिषी के आलोक में फर्जी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए कर्तव्य से वंचित किया जाता है।परिवादी के परिवार एवं लोक प्राधिकार की प्रतिवेदन से सहमत हुए परिवादी के परिवार को निष्पादित किया गया। जिसकी प्रति परिवादी एवं वरीय जिला समादेष्टा बिहार की रक्षा वाहिनी को उपलब्ध कराया गया है। वही सहरसा जिला इकाई के गृह रक्षक अनीता देवी को जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी महिषी के ज्ञापन के आलोक में फर्जी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए कर्तव्य से वंचित किए जाने का आदेश दिया गया है।

ज्ञात हो कि इस संबंध में फर्जी दस्तावेज फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र जारी करने की आरोप में प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा मध्य विद्यालय धनोज धरमपुर के प्रधानाध्यापक शिव शंकर चौधरी के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। उक्त पत्र में श्री चौधरी पर आरोप अंकित किया गया है कि छात्र अनिता कुमारी का प्रथम वर्ग में प्रवेश तिथि 1 मई 1996 अंकित है।वही आठवां का विद्यालय परित्याग प्रतिज्ञा कि तिथि 31दिसम्बर 99 अंकित है। मात्र 3 वर्ष के अंतराल में वर्ग आठ का स्थानांतरण प्रमाण पत्र देना पूर्ण रूपेण फर्जीवाड़ा है।

इस संबंध में प्रधानाध्यापक के द्वारा ससमय प्राथमिक की दर्ज नहीं कराई गई। अर्थात विद्यालय में रक्षित अभिलेख से जानबूझकर छेड़छाड़ कर गायब कर दिया गया। इस जांच प्रतिवेदन के आलोक में प्रखंड शिक्षक नियोजन इकाई की बैठक मैं लिए गए निर्णय के आलोक में श्री चौधरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय प्रखंड संसाधन केंद्र महिषी निर्धारित किया गया। डीपीओ स्थापना के निर्देश पर वीडियो सुशील कुमार ने मध्य विद्यालय धनोज के प्रधानाध्यापक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बीडीओ द्वारा निर्गत पत्र में कहा गया है कि प्रधानाध्यापक पर जिला लोक शिकायत से अनिता कुमारी के कक्षा आठ का निर्गत प्रत्यागपत्र फर्जी पाया गया तथा विद्यालय में रक्षित अभिलेख के साथ उनके द्वारा जानबूझकर छेड़छाड़ को गायब करने का आरोप सिद्ध होने के बाद जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को प्रधानाध्यापक के विरुद्ध बीड़ीओ को पत्र भेज कार्रवाई का निर्देश दिया गया था।

पेज एक का शेष

कांग्रेस के मैनिफेस्टो...

गरीबों को मतदान करने में दिया जाता था।फलस्वरूप दबंगों के डर से गरीब अपने घरों में दुबके रहते थे। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने ईवीएम को लेकर देश जनता के मन में भी भ्रम पैदा करने की कोशिश की।लेकिन आज सुप्रीम कोर्ट ने मतपेटी लूटने वालों को गहरा झटका दिया है।सारे सपने चकनाचूर कर दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि बैलट पेपर वाला पुराना दौर वापस नहीं आयेगा।उन्होंने कहा कि भारत के लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया की विश्व तारीफ कर रही है।लेकिन बदनियत से निजी स्वार्थ के लिए कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता बदनाम करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र के साथ लगातार विश्वासघात करने का काम किया। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने करारा तमाचा मारा है। उन्होंने लोकतंत्र के लिए आज के दिन को शुभ दिन करार दिया। उन्होंने आईएनडीआईए गठबंधन के सभी नेता को देश से माफी मांगने की बात कही। उन्होंने कहा कि राजनीति में आज दो मुख्य धारा काम कर रही है।एक धारा बीजेपी और एनडीए की धारा देश के लोगों को सशक्त करने में लगी है तो दूसरी ओर कांग्रेस आरजेडी वाली इंडी गठबंधन की धारा का मकसद देश की जनता जो उनके अधिकारों को छीनना है। उन्होंने राजद के 90 के दशक वाले समय के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि नौकरी के बदले जमीन छीन लो, नौकरी है तो तनख्वाह छीन लो, गाड़ी है तो गाड़ी छीन लो और अगर कोई सामर्थ्यवान है तो उसका अपहरण कर लो। उस जंगलराज से बिहार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि बिहार में 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के तहत किसानों और अन्य को सीधे खाते में पैसे भेजे गए हैं। वहीं अररिया सुपौल के किसानों के खाते में 16 सौ करोड़ रुपया जमा हुआ है। जबकि अररिया, सुपौल के गरीबों को 3 लाख पक्का घर केंद्र सरकार द्वारा दिया गया है। उन्होंने बहन बेटियों के जीवन को आसान बनाना एनडीए की प्राथमिकता बताया। जिसके तहत नल जल, शौचालय, मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन योजना, आयुष्मान योजना की स्वीकृति शामिल है। उन्होंने 70 साल के बुजुर्ग का इलाज का खर्चा केंद्र सरकार के द्वारा किए जाने की भी बात कही। चुनावी सभा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावे लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान, बिहार सरकार के मंत्री विजेंद्र यादव,मंत्री नीरज कुमार बबलू,मंत्री दिलीप जायसवाल,भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन,डॉक्टर राजेंद्र गुप्ता आदि ने भी संबोधित किया।

नरेन्द्र मोदी के रहते न तो संविधान पर खतरा और न आरक्षण पर : चिराग पासवान : जनसभा में लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने हुंकार भरी। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों के द्वारा संविधान को खतरा और आरक्षण हटाने की भ्रम वाली बात जनता में फैला रही है।जो नामुमकिन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जब तक देश में प्रधानमंत्री हैं तब तक न तो संविधान को कोई खतरा है और न ही आरक्षण व्यवस्था पर।उन्होंने अपने पिता रामविलास पासवान के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि चिराग पासवान के रहते संविधान और आरक्षण पर किसी तरह की आंच नहीं आयेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2047 तक विकसित भारत निर्माण को बात करते हैं और यह विकसित भारत देश के अभी राज्य,जिले,प्रखंड,पंचायत से लेकर हरेक गांव तक विकसित होने करने की बात कही।उन्होंने विपक्षी पार्टियों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि विपक्ष मुद्दाविहीन राजनीति कर रहे हैं।

उन्होंने जयप्रकाश नारायण के अनुयायियों के कांग्रेस के गोद में जाने की बात करते हुए कहा कि यह कांग्रेस 1975 देश में आपातकाल लाई थी,जो संविधान और लोकतंत्र का हत्या था।उन्होंने कहा कि 1990 के राजद वाला काल याद रखना चाहिए।किस तरह बिहार में मां बहने सुरक्षित नहीं थी और आज भी राजद वाले मां बहन को गाली देने से गुरेज नहीं करते।

झारखंड की चार...

इस संबंध में खूंटी के डीसी ने बताया कि कई उम्मीदवारों के प्रस्तावकों की संख्या कम थी तो कुछ के एफिडेविट में कमियां पायी गयी। वहीं लोहरदगा लोकसभा सीट की बात करें तो गुमला के डीसी कर्ण सत्यार्थी ने इस संबंध में प्रेस वार्ता में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भरे गये नामांकन प्रपत्र में दो उम्मीदवारों की जानकारियां आधी-अधूरी थी। इस वजह उनका पर्चा अस्वीकृत किया गया। हालांकि इस सीट से कुल 18 लोगों ने नामांकन प्रपत्र खरीद था। लेकिन एक प्रत्याशी ईकुस धान नामांकन नहीं कर पाये।

सहायक आचार्य नियुक्ति...

जब सीटेट शिक्षकों की नियुक्ति झारखंड के प्राथमिक स्कूलों में होगी, तो उन्हें झारखंड की भाषा में बच्चों को शिक्षा देने में परेशानी होगी। यह शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन भी होगा। झारखंड हाई कोर्ट को इस तरह के नीतिगत मामलों में निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल संसद के पास है।

क्या कहा था झारखंड हाईकोर्ट ने : झारखंड हाई कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि अगर सीटेट अभ्यर्थियों की नियुक्ति हो जाती है तो उन्हें प्रथम प्रयास में ही जेटेट परीक्षा पास करनी होगी। अगर झारखंड सरकार तीन साल तक जेटेट परीक्षा आयोजित नहीं करती है तो अभ्यर्थियों पर यह शर्त लागू नहीं होगी। अभ्यर्थियों को सहायक आचार्य परीक्षा की तैयारी के लिए तीन माह का समय दिया जाएगा।

बिहार: दरभंगा में शादी...

सिलेंडर के विस्फोट से निकली आग की लपटें रामचंद्र पासवान के दरवाजे पर रखे गए डीजल के स्टॉक में लग गई। जिससे आग ने भयानक रूप ले लिया एवं उनके परिवार के 6 लोगों के साथ तीन मवेशी की मौत हो गई। वहीं दरभंगा के जिलाधिकारी राजीव रौशन ने कहा कि सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और सरकारी स्तर पर पीड़ित परिवार को सभी प्रकार की मदद की जा रही है। इस घटना में 6 लोगों की मौत हुई है। तथा आग की चपेट में आने से तीन मवेशी की भी मौत हुई है। घटना किस कारण घटित हुई है। इसकी जांच के लिए टीम को भेजा जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।

मृतकों में रामचंद्र पासवान का पुत्र सुनील कुमार पासवान (26 वर्ष), पुत्रवधू लाली देवी (25वर्ष), विवाहित पुत्री सह केवटी के उमेश पासवान की पत्नी कंचन देवी (25वर्ष), कंचन के बच्चे साक्षी कुमारी (04वर्ष), सिद्धांत कुमार (02वर्ष) एवं डेढ़ माह का सुधांशु शामिल है। वहीं इस घटना में तीन मकान आग की चपेट में आए हैं। तीन पालतू पशु भी जलकर राख हो गए।

एसीबी ने बलियापुर...

संवेदक को फाइबर ब्लॉक बिछाने के दो कार्य मिले थे, करीब 5 लाख का ये कार्य था। बिल पास कराने के लिए तीस हजार रुपए घूस की मांग की जा रही थी। इसमें कई अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आने की गुंजाइश है। आरोपी से पूछताछ में जो भी नाम आएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। बता दें कि गोलमारा हरी मंदिर और दोलाबड़ में फाइबर ब्लॉक का काम हुआ था, उसी काम का बिल पास कराने के लिए मोहम्मद इरशाद लगातार कार्यालय का चक्कर लगा रहा था। लेकिन जयंत कुमार डे के द्वारा बिल पास करने के बदले 30 हजार रुपये की मांग की गयी थी। इसे लेकर संवेदक ने एसीबी से शिकायत की थी। शिकायतकर्ता से मिली सूचना के बाद एसीबी ने कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को कार्यालय से तीस हजार रुपए घूस लेते हुए आरोपी जयंत कुमार डे को गिरफ्तार किया गया है।

संदेशखाली में सीबीआई का छापा, भारी मात्रा में बंदूक, गोली-बारूद बरामद

कोलकाता। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान विदेश निर्मित पिस्तौल सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किये गये। अधिकारियों ने बताया कि यह तलाशी अभियान प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर हमला किए जाने की घटना से जुड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर पांच जनवरी को संदेशखाली में उस समय हमला किया गया था, जब वह कथित राशन घोटाले के सिलसिले में शेख के परिसर पर छापा मारने गई थी।अधिकारियों के मुताबिक जांच के दौरान जानकारी मिली थी कि संदेशखाली में भारी मात्रा में हथियार छिपाए गए हैं। इसके बाद शुक्रवार सुबह सीबीआई की टीम ने तलाशी अभियान प्रारंभ किया और उस दौरान विदेश निर्मित पिस्तौल सहित हथियार बरामद हुए। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर केंद्रीय एजेंसी ने पांच जनवरी की घटनाओं पर तीन प्राथमिकी दर्ज की थीं। इसके बाद तृणमूल नेता शेख शाहजहां को फरवरी में पश्चिम बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया था। लगभग हजार लोगों की भीड़ के हमले में ईडी के तीन अधिकारी घायलों हो गए थे। इसके बाद एजेंसी के एक उप निदेशक ने बशीरहाट के पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी।

आपका वोट तय करेगा अगली सरकार बने संविधान के सिपाही : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दूसरे चरण के लिए मतदाताओं से घर से निकलकर मतदान करने की अपील की है। शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर राहुल गांधी ने कहा, 'देश की तकदीर का फैसला करने जा रहे इस ऐतिहासिक चुनाव का आज दूसरा चरण है। आपका वोट तय करेगा कि अगली सरकार 'चंद अरबपतियों' की होगी या '140 करोड़ हिंदुस्तानियों' की। उन्होंने कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह आज घर से बाहर निकले और 'संविधान का सिपाही' बन कर लोकतंत्र की रक्षा के लिए वोट करे।

झूठी गारंटियों से कांग्रेस ने हिमाचल को ठगा: अनुराग

शिमला। हमीरपुर से भाजपा उम्मीदवार अनुराग सिंह ठाकुर ने गारंटियों पर कांग्रेस की घेराबंदी की है। उन्होंने कहा है कि झूठी गारंटियों से कांग्रेस ने हिमाचल को ठगने का काम किया है। अपनी झूठी गारंटीयों से माताओं-बहनों, किसानों, गरीबों और एससी, एसटी, ओबीसी को ठगने के बाद अब कांग्रेस हमारे संतानों को भी ठगने की प्लानिंग कर रही है। एक ओर यह ठग हैं और दूसरी ओर मोदी हैं जिन्होंने जो कहा, सो किया। कांग्रेस सामने हार को देख कर ईवीएम पर ठीकरा फोड़ने की तैयारी कर रही है। अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को हिमाचल प्रवास के दूसरे दिन घुमारवीं विधानसभा में चुनावी सभाओं को सम्बोधित किया। अनुराग ठाकुर ने लोगों को कांग्रेस की गलत नीतियों से आगाह करते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद कांग्रेस आपसे अलग अलग हथकंडे अपना कर वसूली तो करती हीं है लेकिन इस बार उन्होंने आपकी मृत्यु के बाद भी आपसे वसूली जारी रखने का प्लान तैयार कर लिया है। आपकी मृत्यु के बाद वह आपकी संपत्ति हड़प कर आपके बच्चों के बजाय अपने वोट बैंक को देना चाहते हैं। इसलिए आप सभी को कांग्रेस और उससे जुड़ी सभी पार्टियों से सचेत रहने की जरूरत है क्योंकि कांग्रेस संतान, संपत्ति, सनातन और सीमा विरोधी है।

कोलकाता हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी

कोलकाता। कोलकाता हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। हालांकि यह धमकी कोरी अफवाह साबित हुई है। हवाई अड्डे के अधिकारियों को शुक्रवार को एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें परिसर के अलग-अलग स्थानों पर बम लगाये जाने का दावा किया गया था। ईमेल प्राप्त होने के बाद हवाई अड्डे पर तलाशी अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि दोपहर 12:55 बजे पर बमों के फटने की धमकी वाला ईमेल झूठा निकला। विधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के हवाई अड्डा खंड की पुलिस उपायुक्त ऐश्वर्या सागर ने बताया कि ईमेल मिलने के बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएससीबीआईए) की सुरक्षा एजेंसियों ने खोज अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि गहन खोज अभियान चलाये जाने के बाद सुरक्षा कर्मियों ने इसे झूठी सूचना करार दिया। अधिकारियों ने बताया कि ईमेल के स्रोत और भेजने वाले का पता लगाने के लिए हवाईअड्डा अधिकारी, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और विधाननगर पुलिस संयुक्त रूप से जांच कर रहे हैं। उपायुक्त ऐश्वर्या सागर ने बताया कि हम ईमेल के स्रोत का पता लगाने की जांच में जुटे हैं।

करंट की चपेट में आने से सेना के सूबेदार की मौत

सुलतानपुर। गोसाईगंज थाना क्षेत्र के अन्नपूर्णानगर गांव में छुट्टी पर घर आए सेना के सूबेदार प्रदीप कुमार पांडेय की करंट की चपेट में आने से शुक्रवार की देर शाम मौत हो गई। थाना क्षेत्र अन्नपूर्णानगर निवासी प्रदीप पाण्डेय (41) पुत्र जनार्दन पाण्डेय मेरठ में सूबेदार पद पर सेना में तैनात थे। वह चार दिन पूर्व छुट्टी लेकर घर आए हुए। अन्नपूर्णानगर गांव स्थित घर में दीवाल प्लास्टर का कार्य चल रहा था। शुक्रवार शाम लगभग पांच बजे इनवर्टर की प्लग बोर्ड में लगाते समय वह करंट की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन आनन-फानन में उन्हें सुलतानपुर मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां डॉक्टर ने प्रदीप कुमार पाण्डेय को मृत घोषित कर दिया। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। प्रदीप की मौत से माता-पिता के साथ पत्नी और दो बेटों का रो-रोकर बुरा हाल है। गोसाईगंज कोतवाल धीरज कुमार ने बताया कि राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गयी। नगर कोतवाली पुलिस विधिक कार्यवाही में जुटी है।

सिलीगुड़ी में तृणमूल व भाजपा के बीच झड़प

सिलीगुड़ी। मतदान चरण के आखिरी क्षण में सिलीगुड़ी में तृणमूल-भाजपा के बीच झड़प की घटना घटी है। दरअसल दार्जिलिंग के भाजपा उम्मीदवार राजू बिष्ट शुक्रवार दोपहर सिलीगुड़ी के वार्ड नंबर 25 के एसएफ रोड स्थित हिंदी हाई स्कूल में बनाए गए मतदान केंद्र के दौरे पर पहुंचे। तभी तृणमूल कार्यकर्ताओं ने बिष्ट को घेर कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। तृणमूल का आरोप है कि बिष्ट ने दूसरे वार्ड के लोगों के साथ बूथ में घुसने की कोशिश किया। हंगामे के कारण राजू बिष्ट अकेले ही बूथ में प्रवेश किए। बाद में उनके बूथ से निकल कर जाने के बाद तृणमूल-भाजपा समर्थकों के बीच बकझक और हाथापाई शुरू हो गई। मामले को बढ़ता देख पुलिस और केंद्रीय बल ने जवानों ने मोर्चा संभाला लिया। हालांकि बाद में विवाद थम गया।

हिसार : दो नशा तस्करों को 15-15 साल कैद

हिसार। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत की अदालत ने नशा तस्करी के दो दोषियों को 15-15 साल कैद की सजा सुनाई है। दोनों पर एक-एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने इनको तीन दिन पहले दोषी करार दिया था। अदालत में चले मामले के अनुसार नारनौद थाना पुलिस ने 24 दिसंबर 2021 को दोनों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत केस दर्ज किया था। मामले के अनुसार हांसी सीआईए के एएसआई जुबेर सिंह ने बताया था कि वह सिपाही संदीप, ईएचसी मुकेश और एसपीओ संदीप के साथ गश्त पर था। इसी दौरान सूचना मिली की नारनौंद से हांसी रोड पर पेट्रोल पंप के नजदीक दो युवक नशा बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर टीम के साथ पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और दो युवकों की शक के आधार पर तलाशी ली। तलाशी के दौरान रामनिवास के पास से एक किलो 466 ग्राम सुल्फा और राम के पास से एक किलो 8 ग्राम सुल्फा बरामद हुआ था। इस पर नारनौंद थाना पुलिस ने इन पर केस दर्ज किया था। इसी मामले में अदालत ने दोनों को शुक्रवार को सजा सुनाई।

वर्तमान में भारत और चीन के बीच सीमा क्षेत्रों की स्थिति सामान्य

पीएम मोदी की टिप्पणी के बाद चीनी रक्षा मंत्रालय ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच जारी सीमा विवाद को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत और चीन के बीच स्थिर और शांतिपूर्ण संबंध पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा था कि मेरा मानना ??है कि हमें अपनी सीमाओं पर लंबे समय से चली आ रही स्थिति पर तुरंत बातचीत करने की जरूरत है ताकि हमारी द्विपक्षीय बातचीत में मतभेदों को पीछे छोड़ा जा सके।

पीएम मोदी की टिप्पणी पर चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा है कि चीन और भारत के बीच सीमा क्षेत्रों में सामान्यत: स्थिरता है। पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए दोनों देश आपसी तालमेल बनाए हुए हैं। भारत के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री की टिप्पणी पर चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा कि वर्तमान में भारत और चीन के बीच सीमा क्षेत्रों की स्थिति सामान्य है। दोनों देश राजनयिक और सैन्य चैनलों के जरिए से आपसी तालमेल बनाए हुए हैं और सकारात्मक रचनात्मक बातचीत की है। दोनों देश जल्द से जल्द एक ऐसे समाधान पर पहुंचने पर सहमत हुए हैं जो दोनों देशों को मंजूर हो।

इससे पहले चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने पीएम मोदी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी थी। निंग ने कहा था कि चीन ने भारत के पीएम की टिप्पणियों पर गौर किया है। हमारा मानना है कि मजबूत और स्थिर चीन-भारत संबंध दोनों पक्षों के साझा हितों के लिए लाभकारी हैं। यह क्षेत्र के साथ शांति और विकास के लिए भी जरूरी है। निंग ने कहा था कि हमें उम्मीद है कि भारत चीन के साथ मिलकर समान दिशा में काम करेगा। आपसी विश्वास बढ़ाएगा और मतभेदों को ठीक से संभालेगा और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत और स्थिर रूप से आगे बढ़ाएगा।

भारत और चीन के बीच सीमा पर साल 2020 से ही तनाव बना हुआ है। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प हो गई थी। इस हिंसक झड़प में भारत के एक कर्नल और 29 जवानों की मौत हो गई थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के संबंधों में भारी गतिरोध जारी है। गतिरोध को सुलझाने के लिए दोनों पक्ष अब तक कोर कमांडर स्तर की 21 दौर की बातचीत कर चुके हैं। चीनी सेना के अनुसार, दोनों पक्ष अब तक चार बिंदुओं, गलवान घाटी, पैंगोंग झील, हॉट स्प्रिंग्स और जियानान दबन से पीछे हटने पर सहमत हुए हैं।

संविधान बदलना चाहते हैं... इसलिए चाहिए 400 पार सीटें

-कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का आरोप

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और भाजपा में वार-पलटवार का दौर चल रहा है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी का हक छीनकर मुस्लिमों को देना चाहती है। इस लेकर कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह पीएम मोदी का ध्रुवीकरण का एजेंडा है। कांग्रेस ने हमेशा कहा है कि हम समाज के कमजोर वर्गों जैसे एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि देश में तेजी से आर्थिक विकास हो और इसका लाभ हर किसी तक पहुंचे। ऐसा नहीं होना चाहिए कि लाभार्थी देश के महज 20-21 अरबपति हों और इसकी कीमत करोड़ों लोगों को चुकानी पड़े। कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि हकीकत उनके 400 पार के नारे के पीछे यह है कि वे संविधान बदलना चाहते हैं... वे आरक्षण के खिलाफ हैं। वे संविधान को हटाना चाहते हैं और आरएसएस हमेशा से आरक्षण के खिलाफ रहा है। उन्होंने कहा कि जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन अब तक नहीं हुई है, क्योंकि जनगणना से एससी और एसटी की आबादी का पता चल जाता। हमारा संविधान जनसंख्या के आधार पर आरक्षण प्रदान करता है। हमारा कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हमारे घोषणापत्र में हमारा एजेंडा स्पष्ट रूप से लिखा हुआ है।

अरविंद केजरीवाल चुनाव तो लड़ सकते हैं, वोट नहीं डाल सकते

- जेल में सजा काट रहे पांच लाख लोग नहीं कर सकेंगे मतदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल लोकसभा चुनाव लड़ेंगे भी या नहीं, ये अभी साफ नहीं हो पाया है, लेकिन इतना तो तय है कि केजरीवाल को जेल में रहते हुए वोट डालने की इजाजत नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे 5 लाख से ज्यादा लोग हैं जो इस लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं कर सकेंगे क्योंकि वे जेल की सजा काट रहे हैं। अब सवाल यह उठाता है कि जेल में रहते हुए जब चुनाव लड़ा जा सकता है, तो मतदान का क्यों नहीं?

गौरतलब है कि डेढ़ दशक पहले बिहार की पटना हाई कोर्ट में एक ऐसा ही मामला आया, जिसमें जेल की सजा काट रहे एक कैदी ने चुनाव लड़ने की मंशा जताई थी। कोर्ट ने इनकार करते हुए कहा कि जब कैदियों को वोट देने का हक नहीं है, तो चुनाव लड़ने की छूट कैसे दे सकते है। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाई कोर्ट के फैसले पर मुहर लगा दी थी, लेकिन बाद में तत्कालीन यूपीए सरकार ने कानून में बदलाव कर दिया था जिसमें जेल में बंद लोगों को चुनाव लड़ने की इजाजत दे दी गई थी। ये मामला 2013 का है, लेकिन जेल में बंद शख्स के पास मतदान करने का अधिकार नहीं है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की 1951 की धारा 62(5) के तहत जेल में बंद कोई भी व्यक्ति वोट नहीं डाल सकता है फिर चाहे वो हिरासत में हो या सजा काट रहा हो। वोट डालना एक कानूनी अधिकार है। दोषी के अलावा जिनपर ट्रायल चल रहा हो, वे भी मतदान नहीं कर सकते हैं। कैदियों को मताधिकार से वंचित करने का इतिहास अंग्रेजी जब्ती अधिनियम 1870 से दिखता है। इस दौरान राजद्रोह या गुंडागर्दी के दोषी लोगों को अयोग्य ठहराते हुए उनसे वोट का अधिकार छीन लिया जाता था। वजह ये कि जो इतने गंभीर अपराध कर रहा है, उसे किसी भी तरह का अधिकार, मतदान करने का अधिकार भी नहीं मिलना चाहिए। यही नियम गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 में भी लागू हो गया। हालांकि 1951 के जन प्रतिनिधित्व अधिनियम ने इसे नए सिरे से देखा और इसमें हर शख्स जो आरोपी या दोषी हो और जेल में हो, उसे मतदान करने का अधिकार नहीं है लेकिन इस प्रावधान में उन्हें छूट मिलती है, जिसमें किसी भी वजह से सरकार को शक हो, इसके बाहर रहने से उपद्रव हो सकता है और इसे ही टालने के लिए उसे नजरबंद कर दिया गया हो। ऐसे लोग वोट डाल सकते हैं। वह पुलिस के घेरे में जाकर वोट डाल सकता है या फिर उसे औपचारिक तौर पर स्थानीय प्रशासन को इत्तिला करनी होगी कि वो फलां समय पर फलां बूथ में जा रहा है ताकि उनपर नजर रखी जा सके। साल 2013 में सेक्शन 62(5) में संशोधन हुआ। इसमें जेल में रहते हुए चुनाव लड़ने की छूट मिल गई। वे चुनाव में उम्मीदवार हो सकते हैं, अपने लोगों के जरिए चुनावी प्रचार भी करवा सकते हैं, लेकिन वोट नहीं डाल सकते। यहां तक कि जेल से जमानत पर बाहर आना भी उन्हें ये सुविधा नहीं देता। आरोपमुक्त होने या सजा पूरी होने के बाद ही वह अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकता है यानी वोट डाल सकता है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय से डीके को राहत, संहिता उल्लंघन का मामला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के आरोपों का सामना कर रहे उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को अंतरिम राहत दी है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित ने डीके के खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर संबंधित अधिकारियों को अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई करने से परहेज करने का निर्देश दिया। मामला 19 अप्रैल को चुनाव आयोग में भाजपा की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने मतदाताओं को ब्लैकमेल करने की कोशिश की है। भाजपा ने दावा किया कि राजराजेश्वरी नगर में एक चुनावी भाषण के दौरान, अपने भाई और लोकसभा उम्मीदवार डीके सुरेश के लिए प्रचार कर शिवकुमार ने मतदाताओं से कांग्रेस को वोट देने के बदले में कावेरी जल आपूर्ति और अधिभोग प्रमाणपत्र देने का वादा किया था।

आपत्ति व्यक्त कर, न्यायालय ने सवाल किया कि क्या शिवकुमार के नाम पर की गई टिप्पणी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 171बी (रिश्वतखोरी) और 171सी (चुनावों पर अनुचित प्रभाव) के तहत अपराध होगी। न्यायाधीश ने मामले पर गहराई से विचार करने की आवश्यकता पर बल देकर जानना चाहा कि क्या डीके के बयान आरोपित धाराओं के मापदंडों पर पूरी तरह खरे उतरते हैं। हालाँकि, कोर्ट ने शिवकुमार के वकील से कहा कि वे अपने मुवक्किल को अपने भाषणों में अधिक सतर्क रहने की सलाह दें।

इसके अतिरिक्त, इसने शिवकुमार को भेजे गए नोटिस का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग द्वारा दिए गए समय के बारे में भी चिंता जाहिर की। शिवकुमार को अंतरिम राहत देते हुए, न्यायालय ने चुनावी भाषणों के गिरते मानकों पर निराशा व्यक्त की और कहा कि गुणवत्ता, सामग्री और प्रस्तुति बेहद कम हो गई है।

शाह का राहुल गांधी से सवाल... क्या देश शरिया से चलेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर भारतीय जनता पार्टी फिर हमलावर दिख रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल से सवाल किया है कि क्या देश शरिया से चलेगा? दरअसल भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का वीडियो शेयर किया है, इस लेकर भाजपा ने दावा किया है कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार गरीब मुसलमानों का होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, कांग्रेस के घोषणा पत्र में कहा गया है कि हम पर्सनल लॉ को आगे बढ़ाएंगे। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि यदि आप पर्सनल लॉ को आगे बढ़ाएंगे तब क्या ये देश अब शरिया के आधार पर चलेगा? किस प्रकार का संविधान आप इस देश में चाहते हैं? भाजपा ने अपने घोषणापत्र में साफ कहा है कि हम यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लाएंगे, सभी पंथ और मजहब के लोगों के लिए एक ही कानून होगा।

उन्होंने कहा, सुरक्षित देश के लिए, समृद्ध देश के लिए, गरीबों के कल्याण के लिए ऐसी पार्टी को वोट दें जो अपने वादों पर खरी उतरे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह मुसलमानों को लाभ पहुंचाने के लिए अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अधिकारों को छीनना चाहती है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह विपक्षी दल का छिपा हुआ एजेंडा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों का है। भाजपा नेता ने कहा कि सिंह ने अप्रैल 2009 में भी इसी तरह की टिप्पणी की थी।

महिला का स्त्रीधन उसकी पूर्ण संपत्ति... इस पर पति का भी अधिकार नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने इस लेकर फैंसले में कहा

लखनऊ (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के बीच कुछ शब्द बार-बार सुनाई पड़ रहे हैं, इसमें मंगलसूत्र और स्त्रीधन आम हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्त्रीधन को लेकर अहम फैसले में कहा कि महिला का स्त्रीधन उसकी पूर्ण संपत्ति है। इस पूर्ण संपत्ति को अपनी मर्जी से खर्च करने का महिला को पूरा अधिकार है। इस स्त्री धन में पति कभी भी हिस्सेदार नहीं हो सकता, लेकिन संकट के समय पत्नी की रजामंदी से इसका इस्तेमाल कर सकता है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने स्त्रीधन को लेकर दायर वैवाहिक विवाद पर सुनवाई कर कहा था कि महिला को अपने स्त्रीधन पर पूरा अधिकार है, इसमें शादी से पहले, शादी के दौरान या बाद में मिलीं हुईं सभी चीजें शामिल हैं, जैसे कि माता-पिता, ससुराल वालों, रिश्तेदारों और दोस्तों से मिले गिफ्ट, धन, गहने, जमीन और बर्तन आदि शामिल है। ये समझना जरूरी होता है कि आखिर स्त्रीधन क्या है। इसके दायरे में क्या-क्या आता है? दरअसल स्त्रीधन एक कानूनी टर्म है, जिसका जिक्र हिंदू धर्म में देखने को मिलता है। स्त्रीधन का अर्थ है महिला के हक का धन, संपत्ति, कागजात और अन्य वस्तुएं। एक आम धारणा ये है कि महिलाओं को शादी के दौरान जो चीजें उपहार स्वरूप मिलती हैं, उन्हें ही स्त्रीधन माना जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है।

स्त्रीधन में किसी महिला को बचपन से लेकर भी जो चीजें मिलती हैं, वह भी स्त्रीधन के दायरे में आती हैं। इसमें नकदी से लेकर सोना, हर तरह के तोहफे, संपत्तियां और बचत भी शामिल हैं। आसान शब्दों में शादी के दौरान या शादी के बाद मिले इस तरह के उपहारों को ही स्त्रीधन माना जाए। स्त्रीधन पर अविवाहित स्त्री का भी कानूनी अधिकार है। इसमें वे सारी चीजें आती हैं, जो किसी महिला को बचपन से लेकर मिलती रही है। इसमें छोटे-मोटे तोहफे, सोना, कैश, सेविंग्स से लेकर तोहफे में मिली प्रॉपर्टी भी आती है।

किस कानून के तहत है स्त्रीधन का अधिकार?

हिंदू महिला का स्त्रीधन का हक हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 14 और हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 27 के तहत आता है। यह कानून शादी से पहले, शादी के समय या शादी के बाद महिला को स्त्रीधन अपने पास रखने का पूरा हक देता है। महिला चाहे तब स्त्रीधन को अपनी मर्जी से किसी को दे सकती है या बेच सकती है। इसके साथ ही घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 की धारा 12 भी महिलाओं को इसतरह के मामलों में स्त्रीधन का अधिकार देती है, जहां वे घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं। वे इन कानूनों की मदद से अपना हक वापस ले सकती हैं। लेकिन कई मामले होते हैं, जहां मंगलसूत्र को छोड़कर ज्यादातर स्त्रीधन महिला के ससुरालवाले रख लेते हैं, ये कहकर कि वे संभालकर रखने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कानून उन्हें स्त्रीधन का ट्रस्टी मानता है। जब भी महिला उन चीजों को मांगती है, तब महिला को देने से मना नहीं किया जा सकता।

स्त्रीधन और दहेज दो अलग-अलग चीजें हैं। दहेज मांगस्वरूप दिया या लिया जाता है जबकि स्त्रीधन में प्रेमस्वरूप चीजें महिला को दी जाती हैं। अगर स्त्रीधन को ससुराल पक्ष ने जबरन अपने कब्जे में रखा है, तब महिला इसके लिए दावा कर सकती है। अगर पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस लगा है, तब उसके साथ में स्त्रीधन को लेकर अलग से केस दर्ज कराया जा सकता है।

आदिवासी राज्य छत्तीसगढ़ में भाजपा की तिकड़ी कर रही जोरदार प्रचार

रायपुर (एजेंसी)। लगभग चार माह पहले छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे दमदार प्रदर्शन करके सत्ता में आई भाजपा पूरी कोशिश में हैं कि राज्य की सभी 11 संसदीय सीटों पर जीत हासिल करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस तरह से राज्य में सघन चुनाव प्रचार कर रहे हैं उसका बड़ा असर यहां की राजनीतिक स्थिति पर दिख रहा है। भाजपा ने 2019 में छत्तीसगढ़ में 11 में से 9 सीटों पर जीत हासिल की थी। तब राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी थी। भाजपा को लगता है कि जब विपरीत परिस्थिति में भी 9 सीटों पर जीत हासिल की जा सकती है,तब अनुकूल परिस्थितियां हैं इसलिए 11 सीटों पर जीत का लक्ष्य हासिल करना कोई नामुमकिन बात नहीं है।

आदिवासी बहुल राज्य में भाजपा को उम्मीद है कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाये जाने का प्रभाव यहां के मतदाताओं पर है। भाजपा ने विष्णु देव साय के रूप में राज्य को पहला आदिवासी मुख्यमंत्री भी दिया है। भाजपा इस बात को प्रचारित कर रही है कि अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में ही आदिवासी मामलों के लिए केंद्र में अलग मंत्रालय का गठन किया गया था। भाजपा दावा कर रही है कि आदिवासियों का भला भाजपा से बेहतर कोई नहीं कर सकता।

राज्य की नई भाजपा सरकार 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीद रही है। साय सरकार ने भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में किए गए दो वादों को पूरा करते हुए, धान किसानों को लंबित बोनस भी हस्तांतरित कर दिया है। इसके अलावा महतारी वंदन योजना की दो किश्तों के पैसे भी जारी कर दिये गये हैं। इस सबका मतदाताओं पर गहरा असर दिख रहा है।

वहीं भाजपा सरकार जिस तरह नक्सलियों के खिलाफ बड़ा अभियान चला रही है उसका भी असर मतदाताओं पर दिख रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य सरकार के नक्सल विरोधी कड़े रुख को देखते हुए लोगों को इस बात का विश्वास है कि भाजपा सरकार नक्सलियों के आतंक से पूरी तरह मुक्ति दिला सकती है। इसके अलावा भाजपा की सरकार बनते ही जिस तरह जबरन या प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने के अभियान को झटका लगा है उससे भी लोग बेहद खुश दिखे।

दूसरी ओर, कांग्रेस के वादों पर कोई विश्वास करने को तैयार नहीं है, क्योंकि जिस तरह महादेव एप घोटाले की छाया पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर पड़ी है उससे कांग्रेस की छवि दागदार हुई है। इसकारण कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के दौरान किसानों को उनकी उपज का अधिक मूल्य देने और उनके कर्ज की माफी का जो वादा किया था, उसके बावजूद पार्टी को वोट

नहीं मिले थे और वह सत्ता से बाहर हो गई थी। इसलिए अब कांग्रेस ने अपनी रणनीति बदलते हुए भाजपा पर यह आरोप लगाना शुरू किया है कि वह यदि सत्ता में आई, तब संविधान बदल देगी। कांग्रेस के जो भी नेता यहां प्रचार के लिए आ रहे हैं वह यही दावा कर रहे हैं कि भाजपा आदिवासी संस्कृति को नुकसान पहुँचाने के साथ ही आदिवासियों के अधिकारों में भी कटौती करेगी।

टी20 विश्व कप के लिए भारत की संभावित टीम

रोहित-कोहली कर सकते हैं ओपनिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2024 में हर मैच के साथ पुरुष टी20 विश्व कप चयन के लिए दावेदारों की सूची में एक नया नाम जुड़ जाता है। दूसरी ओर कुछ लोग अपने शानदार प्रदर्शन के माध्यम से अग्रणी बनने की ओर अग्रसर हैं। यह सब अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के लिए पिछले प्रदर्शन के आधार पर या आईपीएल 2024 में मौजूदा फॉर्म के आधार पर खिलाड़ियों को 15 सदस्यीय भारतीय टीम को अंतिम रूप देना बड़ी समस्या बना देता है। टी20 विश्व कप के लिए टीम का ऐलान होना अभी बाकी है लेकिन किन सदस्यों को जगह मिल सकती है इस पर नजर डाल लेते हैं-

रोहित शर्मा (कप्तान)

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस साल फरवरी में घोषणा की थी कि वह मेगा इवेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। आईपीएल 2024 के आठ मैचों में रोहित ने 162.9 की स्ट्राइक रेट के साथ 303 रन बनाए हैं जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 105 रन भी शामिल हैं।

विराट कोहली

रोहित ने अफगानिस्तान श्रृंखला में जयसवाल और गिल के साथ ओपनिंग की, जबकि कोहली ने दो मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की, यह विश्व कप के लिए बदल सकता है। आईपीएल 2024 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी कोहली को रोहित के साथ सलामी बल्लेबाजी करने के लिए अपग्रेड किया जा सकता है।

सूर्यकुमार यादव

शीर्ष क्रम के पुरुष टी20आई बल्लेबाज पिछले कुछ वर्षों में अपने अपरंपरागत स्ट्रोकप्ले और उससे लगातार रन बनाने के कारण शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टखने की चोट और स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी से लौटने के बाद सूर्यकुमार दो शून्य के बावजूद अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हैं जिन्होंने पांच पारियों में 140 रन बनाए हैं।

ऋषभ पंत

दिसंबर 2022 में एक जानलेवा कार दुर्घटना में लगी विभिन्न चोटों से उबरने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के बाद से बाएं हाथ का विकेटकीपर-बल्लेबाज अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में वापस आ रहा है। आईपीएल 2024 के 9 मैचों में पंत ने नौ पारियों में 48.86 के औसत और 161.32 के स्ट्राइक-रेट से 342 रन बनाए हैं। विकेटकीपर के रूप में पंत बेहद प्रभावशाली रहे हैं, उन्होंने 10 कैच लपके और तीन स्टंपिंग की।

शिवम दुबे

जब से चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2022 से पहले अपने साथ जोड़ा है, तब से दुबे टी20 में बल्लेबाजी के मामले में सचमुच उलटफेर कर गए हैं। दुबे को मध्य ओवरों में स्पिन-हिटर होने की भूमिका दी गई थी, जिसमें उन्होंने अपनी लंबी पहुंच और शक्तिशाली शॉट्स की बदौलत उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अपने शानदार आईपीएल 2023 के आधार पर उन्होंने भारत की टी20आई टीम में वापसी की और अफगानिस्तान श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी हासिल किया।आईपीएल 2024 में भी दुबे ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ रन बटोरे, खासकर शॉर्ट गेंदों के खिलाफ जो लंबे समय से उनकी दुश्मन रही है।

हार्दिक पांड्या

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर बल्ले और गेंद दोनों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, साथ ही आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के नेता भी हैं। लेकिन उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी दुबे को प्रभाव खिलाड़ी नियम के कारण आईपीएल 2024 में गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला। इसका मतलब है कि हार्दिक अपने कौशल के कारण 15 सदस्यीय टीम में शामिल हो जाएंगे।आईपीएल 2024 में हार्दिक उतने शानदार हिटर नहीं रहे, जितने के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने 8 पारियों में केवल 151 रन बनाए और केवल सात छक्के लगाए। गेंद के साथ उन्होंने केवल 17 ओवर फेंके और 10.94 की इकॉनमी रेट से सिर्फ चार विकेट लिए।

रिंकू सिंह

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ पारी की आखिरी 5 गेंदों पर पांच छक्कों के साथ सुर्खियां बटोरीं। एक ऐसा सीजन जहां उन्होंने लगातार अपनी फिनिशिंग कौशल दिखाया। वह साल के अंत में भारत के लिए टी20आई में पदार्पण किया और 15 मैचों में 356 रन बनाए जिनमें से सात में 176.23 की उच्च स्ट्राइक रेट से नाबाद रहे। हालांकि उन्हें आईपीएल 2024 में केकेआर के लिए फिनिशर बनने के ज्यादा मौके नहीं मिले हैं।

रविंद्र जड़ेजा

जडेजा ने आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए चार विकेट लिए हैं और बल्ले से 157 रन बनाए हैं जिसमें कई बार बल्लेबाजी करते समय फ्री होने के लिए संघर्ष करना भी शामिल है। वेस्टइंडीज में पहले खेलने और प्रारूप में एक क्लच खिलाड़ी होने का उनका अनुभव, विशेष रूप से उनकी गेंदबाजी को मदद करने वाली परिस्थितियां उन्हें विश्व कप के लिए एक योग्य खिलाड़ी बनाती हैं।

कुलदीप यादव

आईपीएल 2022 से पहले दिल्ली कैपिटल्स द्वारा चुने जाने के बाद से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर का इस प्रारूप में शानदार प्रदर्शन रहा है। तब से आईपीएल में मजबूत प्रदर्शन (छह मैचों में 12 विकेट सहित), अंतरराष्ट्रीय वापसी और 5 विकेट लेने के साथ पिछले साल अपने जन्मदिन पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विकेट लेने वाले कुलदीप का वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप में भारत के लिए मुख्य स्पिनर बनना निश्चित है।

जसप्रीत बुमराह

भारत को बुमराह के एक्स-फैक्टर की बहुत कमी खली, जब वह पीठ की चोट के कारण 2022 टी20 विश्व कप से चूक गए थे जिसके लिए सर्जरी की जरूरत थी। लेकिन तब से बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अब 2024 टी20 विश्व कप में भारत के लिए नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आईपीएल 2024 में बुमराह आठ मैचों में 13 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

अर्शदीप सिंह

मोहम्मद शमी अकिलिस सर्जरी से उबर रहे हैं और मोहम्मद सिराज आईपीएल 2024 में सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं, इसका मतलब है कि अर्शदीप की भूमिका उस प्रारूप में बहुत अधिक महत्वपूर्ण होगी जिसने भारतीय टीम में उनके प्रवेश को प्रशस्त किया और 2022 टी20 विश्व कप में 10 विकेट लिए। हालांकि अंतरराष्ट्रीय खेलों के साथ-साथ आईपीएल 2024 में भी उनका फॉर्म ऊपर-नीचे होता रहा है, लेकिन पावर-प्ले और डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने का अर्शदीप का कौशल विश्व कप में भारत के लिए उपयोगी हो सकता है।

आवेश खान

आवेश ने आईपीएल 2024 में अपनी डेथ ओवरों की गेंदबाजी में काफी सुधार दिखाया है और 9.41 की इकॉनमी रेट के साथ 8 विकेट लिए हैं, जिसमें उनकी वाइड यॉर्कर और धीमी गेंदें शामिल हैं। डेथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करने के अलावा, अगर भारतीय टीम सिराज का चयन नहीं करती है तो आवेश जरूरत पड़ने पर बीच के ओवरों में भी दमदार भूमिका निभा सकते हैं।

यशस्वी जयसवाल

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज का आईपीएल 2024 में लगातार कम स्कोर रहा, लेकिन उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 59 गेंदों में शतक बनाकर फॉर्म में वापसी की। मिश्रण में शुबमन गिल के साथ मुख्य रूप से विविधता और आक्रामकता के कारण चयनकर्ताओं द्वारा जयसवाल को मंजूरी दी जा सकती है, हालांकि काफी हद तक कोहली-रोहित ओपनिंग कॉम्बिनेशन की मांग उठ रही है।

अक्षर पटेल

विश्व कप टीम के लिए दावेदारी में विशेषज्ञ लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और रवि बिश्नोई हैं, लेकिन अक्षर मुख्य रूप से अपने हरफनमौला कौशल के कारण सबसे आगे हैं। हालांकि उन्होंने गेंद से ज्यादा विकेट नहीं लिए हैं, लेकिन अक्षर कुलदीप के साथ मिलकर काम करते हुए होल्डिंग का काम करने में सक्षम हैं। बल्ले से उनका तीन पर प्रमोशन मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ क्योंकि उन्होंने 66 का आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया और स्पिनरों के खिलाफ खूब बाउंड्री लगाईं। इसके अलावा, वह एक बहुत ही उपयोगी क्षेत्ररक्षक भी हैं, जो चहल और बिश्नोई की तुलना में विश्व कप में पहुंचने का उनका दावा मजबूत बनाता है।

मैंने हर बल्ला संभालकर रखा जिससे शतक लगाया : पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के विश्व कप विजेता आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने हर वो बल्ला संभालकर रखा है जिससे उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ा है और उस पर विरोधी टीम का नाम तथा अपना स्कोर भी उन्होंने लिख रखा है। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच पोंटिंग अपने दौर के बेहतरीन बल्लेबाजों में से थे। उन्होंने युवा क्रिकेटरों को किट देने की 'डीपी वर्ल्ड बियोंड बाउंड्रीज' पहल के मौके पर यह बात कही ।2012 में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले पोंटिंग ने 71 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं जिनमें 41 टेस्ट शतक शामिल हैं। पोंटिंग ने कहा कि आप विश्वास करें या नहीं लेकिन मेरे घर पर मेरा पहला बल्ला भी रखा है। इस पर स्टिकर्स लगे हैं। हमारे घर में करीब एक हजार बल्ले हैं। जिस भी बल्ले से मैंने अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा था, वह मेरे पास है। इस पर मैंने अपना स्कोर और विरोधी टीम का नाम भी लिखा है। उनकी यादगार पारियों में भारत के खिलाफ 2003 वनडे विश्व कप फाइनल में जड़े नाबाद 140 रन शामिल है। उस समय भारतीय टीम के कप्तान रहे सौरव गांगुली अब दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक हैं और वह भी इस मौके पर मौजूद थे। गांगुली ने अपने पहले बल्ले के बारे में कहा कि मैं 13 साल का था जब पहला बल्ला खरीदा। गेंद को बल्ले से मारकर हवा में जाते देखकर मैं बहुत खुश होता था। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स फिलहाल अंक तालिका में छठे स्थान पर चल रही है। उसने 9 में से चार मुकाबले जीते हैं। बीते दिनों दिल्ली ने गुजरात को रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। अब उनके आगामी मुकाबले मुंबई, कोलकाता, राजस्थान, बेंगलुरु और लखनऊ से होने हैं। उन्हें प्लेऑफ में जाने के लिए सभी मुकाबलों में जीतना जरूरी है।

तीन मेडन ओवर, 0 रन और 7 विकेट, डेब्यू मैच में 17 साल की क्रिकेटर ने बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड

इंडोनेशिया (एजेंसी)। इंडोनेशियाई महिला टीम की क्रिकेट गेंदबाज रोहमालिया ने बाली के उदयना क्रिकेट ग्राउंड में 6 मैचों की श्रृंखला के पांचवें टी20आई मैच में मंगोलिया के खिलाफ सबसे उत्कृष्ट गेंदबाजी आंकड़े दर्ज करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। 17 वर्षीय रोहमालिया ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट जगत को चौंका दिया क्योंकि उन्होंने 24 अप्रैल को अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर 7 विकेट लिए, जो टी20आई क्रिकेट इतिहास में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े थे। उन्होंने अपने 3.2 ओवर के स्पैल में तीन मेडन ओवर फेंके और एक भी रन नहीं दिया।

दाएं हाथ की ऑफ स्पिनर रोहमालिया की मदद से इंडोनेशिया की महिलाओं ने मंगोलिया की महिलाओं को 127 रनों से हरा दिया।किशोर सनसनी ने नीदरलैंड के फ्रेडरिक ओवरडिज्क के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2021 में ला मंगा क्लब टॉप ग्राउंड में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप यूरोप क्षेत्र क्वालीफायर में एक मैच के दौरान फ्रांस के खिलाफ 4-2-3-7 के आंकड़े के साथ रिकॉर्ड बनाया था। रोहमालिया ने ओवरडिज्क, अर्जेंटीना की महिला एलिसन स्टॉक्स और मलेशिया की सियाजरुल एज़ात इद्रस के बाद टी20आई में सात विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज के रूप में इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज कराया। रोहमालिया ने टी20आई डेब्यू में सर्वश्रेष्ठ आंकड़ों का एक नया रिकॉर्ड भी बनाया क्योंकि उन्होंने 2019 में मालदीव के खिलाफ नेपाल के लिए अंजलि चंद के 2.1-2-0-6 के स्पैल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

राहुल द्रविड़ हाफ पैंट और टीशर्ट में वोट डालने के लिए लाइन में लगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिग्गज क्रिकेटर और फिलहाल भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने आज बेंगलुरु के डॉलर्स कॉलोनी में अपना वोट डाला। वह कैजुअल कपड़े पहनकर पहुंचे थे, जबकि वोट डालने के लिए कतार में खड़े नजर आए। उनकी सादगी ने लोगों का दिल जीत लिया और क्रिकेटर की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। एक एक्स यूजर ने ऐसा ही एक वीडियो शेयर किया है। उसने लिखा- वोटिंग लाइन में द वॉल, उनका कहना है कि उन्होंने राष्ट्रहित और भारत को वैश्विक नेता बनाने के लिए मतदान किया।वीडियो में द्रविड़ नीली टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए हैं। वह अपनी बारी का इंतज़ार करते हुए हाथों को क्रॉस करके खड़े हैं। कुछ घंटे पहले शेयर किए जाने के बाद से इस वीडियो को करीब लाख बार से अधिक देखा जा चुका है। इस पोस्ट पर कॉमेंट्स काफी रोचक हैं।राहुल द्रविड़ की क्लिप पर एक्स यूजर्स ने इस तरह प्रतिक्रिया दी-एक एक्स यूजर ने पोस्ट किया, %वह सर्वश्रेष्ठ हैं। एक अन्य ने कहा, यही असली धन है। उसके पास अपना स्थान है। तीसरे ने कहा, मैं उन्हें जानता हूं। वह बहुत विनम्र व्यक्ति हैं। चौथे ने टिप्पणी की, सादगी का साकार रूप। एक अन्य ने कॉमेंट किया- वाह, यह कमाल है! ऐसे ऊंचे पद पर बैठे किसी व्यक्ति को वास्तविक और व्यावहारिक रूप से व्यवहार करते देखना बहुत अच्छा लगता है। सादगी वाकई सबसे बढ़िया वाइब्स का एहसास कराती है।

हैदराबाद ने पहली बार एक सीजन में ठोके 100 से ज्यादा छक्के, नजरें विश्व रिकॉर्ड तोड़ने पर

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने आईपीएल 2024 सीजन में धूम मचा रखी है। बेंगलुरु के खिलाफ राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलते हुए हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने जैसे ही पहला छक्का लगाया, हैदराबाद सीजन में 100 छक्के पूरे करने वाली पहली टीम बन गई है। खास बात यह है कि हैदराबाद अब तक किसी सीजन में 100 से ज्यादा छक्के लगा नहीं पाई थी लेकिन इस बार उन्होंने यह जादूई आंकड़ा 8वें मैच में ही हासिल कर लिया। हैदराबाद के बल्लेबाजों ने 2022 सीजन में 97, 2016 सीजन में 89 तो 2018 सीजन में 88 छक्के लगाए थे। अब 8 मैचों में ही वह 108 छक्के लगा चुकी है।

सीजन के अनुसार आईपीएल में एक टीम द्वारा सर्वाधिक छक्के

- 2008- पंजाब किंग्स - 15 मैचों में 95 छक्के
- 2009- डेक्कन चार्जर्स - 16 मैचों में 99 छक्के
- 2010- चेन्नई सुपर किंग्स - 16 मैचों में 97 छक्के
- 2011- रॉयल चैलेंजर्स बेनागलुरु - 16 मैचों में 94 छक्के
- 2012- रॉयल चैलेंजर्स बेनागलुरु - 16 मैचों में 117 छक्के
- 2013- मुंबई इंडियंस - 19 मैचों में 117 छक्के
- 2014- पंजाब किंग्स - 17 मैचों में 127 छक्के
- 2015- मुंबई इंडियंस - 16 मैचों में 120 छक्के
- 2016- रॉयल चैलेंजर्स बेनागलुरु - 16 मैचों में 142 छक्के
- 2017- मुंबई इंडियंस - 17 मैचों में 117 छक्के
- 2018- चेन्नई सुपर किंग्स - 16 मैचों में 145 छक्के
- 2019- कोलकाता नाइट राइडर्स - 14 मैचों में 143 छक्के
- 2020- मुंबई इंडियंस - 16 मैचों में 137 छक्के
- 2021- चेन्नई सुपर किंग्स - 16 मैचों में 115 छक्के
- 2022- राजस्थान रॉयल्स - 17 मैचों में 137 छक्के
- 2023- मुंबई इंडियंस - 16 मैचों में 140 छक्के
- 2024*- सनराइजर्स हैदराबाद - 8 मैचों में 108 छक्के

दिल्ली में फिर बरसेंगे रन या गेंदबाजों के लिए कुछ होगा

अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई और दिल्ली कैपिटल्स में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऋषभ पंत के शानदार फॉर्म और बेहतरीन कप्तानी से आत्मविश्वास से ओतप्रोत दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को आईपीएल 2024 फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस से खेलेगी। दिल्ली कैपिटल्स ने टूर्नामेंट में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए कई मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की तो कई में शर्मनाक हार भी झेली। पिछले चार मैचों में से तीन जीतकर वह अंकतालिका में छठे स्थान पर है। मुंबई का हाल भी कुछ ऐसा ही है। टीम को 8 मैच में 3 जीत मिली है। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर होगा।

ऐसी होगी दिल्ली की पिच?

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर इस सीजन दो मैच हुए हैं। दोनों ही मैचों में रनों की बरसात देखने को मिली है। एक बार फिर इस मैदान पर गेंदबाजों का बुरा हाल होना तय दिख रहा है। डे मैच होने की वजह से टॉस जीतने वाली टीम बैटिंग से सकती है क्योंकि दिल्ली की गर्मी में फील्डिंग करना आसान नहीं होगा। पहले बैटिंग करते हुए टीम को जीत हासिल करना है तो इस मैदान पर 220 से ज्यादा का स्कोर बनाना ही होगा।

दिल्ली के मौसम का हाल

दिल्ली में भयंकर गर्मी पड़ रही है। मैच के दिन अधिकतम तापमान 39 डिग्री तक जाने की उम्मीद है। मैच शुरू होने के समय दोपहर में साढ़े 3 बजे तापमान 3-38 के आसपास रहने की उम्मीद है। मैच खत्म होने के समय भी यह 33 डिग्री के आसपास रहेगा। पहले फील्डिंग करने वाली टीम को चिलचिलाती धूप में मैदान पर आना पड़ेगा। विदेशी खिलाड़ियों को ज्यादा परेशानी हो सकती है।

इस प्रकार हैं दोनों टीमें

दिल्ली कैपिटल्स-ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश ढुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्टवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा, शाई होप।

मुंबई इंडियंस-हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3-30 पर शुरू होगा।

न्यूजीलैंड की 'सी' टीम से हारी पाकिस्तान, टी20 सीरीज में 2-1 से पिछड़ी

लाहौर (एजेंसी)। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान के लिए वीरवार की शाम बेहद खराब गुजरी। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज खेल रही पाकिस्तान टीम 2-1 से पिछड़ गई है। सीरीज के चौथे मुकाबले में पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 7 विकेट पर 178 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान की टीम 174 रन ही बना सकी। पाक के लिए इमाद वसीम जब क्रीज पर थे तो आखिरी दो गेंदों पर पाकिस्तान को जीत के लिए 10 रन की जरूरत थी। वसीम ने 5वीं गेंद पर चौका लगा दिया लेकिन आखिरी गेंद पर एक ही रन बना पाए। इस तरह पाकिस्तान को 4 रन से हार झेलनी पड़ी। टी 20 सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण धुल गया था।

बहरहाल, मैच गंवाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि न्यूजीलैंड ने अच्छी शुरुआत की लेकिन हमारे गेंदबाजों ने अच्छी वापसी की, हम एक लेंथ पर टिके रहे। बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों में हमने काफी विकेट गंवाए, फखर की पारी लाजवाब थी, दुर्भाग्य से हम लक्ष्य का पीछा नहीं कर सके। इमाद ने भी अच्छी पारी खेली। यह एक अलग सतह थी, यहां औसत स्कोर 190 है और हमने उन्हें रोकने में अच्छा प्रदर्शन किया। चोटों के कारण टीम प्रभावित हुई है लेकिन हमारे लिए युवाओं ने अच्छा प्रदर्शन किया है। हमारी योजना अपनी बेंच स्ट्रेंथ का परीक्षण करने की थी और हमने विभिन्न संयोजनों को आजमाया। हम हर खेल में कुछ नया और अलग प्रयास कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम टी20 वर्ल्ड कप में जाने से पहले सेटल हो जाएंगे।

वहीं, न्यूजीलैंड के कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने कहा कि जब आप युवाओं के बारे में सीखते हैं तो टीम दबाव में होती है। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने डेथ ओवरों में विशेष रूप से अच्छी गेंदबाजी की और हमें बराबरी के स्कोर पर रोक दिया। जिस तरह से टिम और ब्लंडेल ने शुरुआत की, उन्होंने हमें शीर्ष पर पहुंचा दिया। हम 200 से पार जाने का सोच रहे थे लेकिन हमें रोकने के लिए पाकिस्तानी गेंदबाजों को श्रेय दिया जाता है। यह हमारे लिए बहुत बड़ी सकारात्मक बात है कि हम नए लोगों को अनुभव दे पा रहे हैं। हमें बैकएंड में गेंदबाजी करते हुए जेम्स नीशम के रूप में एक शानदार ऑलराउंडर मिला। विलियम ओ%रूर्के ने विशेष रूप से शानदार खेल दिखाया और डेथ ओवरों में हमारी गेंदबाजी अच्छी थी।

प्लेयर ऑफ द मैच बने विलियम ओरूर्के ने कहा कि मैंने उन्हें धीमी गेंदें फेंकते देखा और हमने भी धीमी गेंदें फेंकने पर ध्यान केंद्रित किया। नई गेंद अच्छी तरह से स्किड हो रही थी, हमने अच्छी शुरुआत की, गेंद की गति बढ़ने से बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ा। हम एक साथ आते हैं और बात करते हैं कि क्या हुआ, हम हर मैच से सीखते हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

न्यूजीलैंड - टिम रॉबिन्सन, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मार्क चैपमैन, जेम्स नीशम, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), जोश क्लार्कसन, ईश सोढ़ी, जैकब डफी, बेन सियर्स, विलियम ओ%रूर्के

पाकिस्तान - सईम अयूब, बाबर आजम (कप्तान), फखर जमान, उस्मान खान (विकेटकीपर), इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, इमाद वसीम, उसामा मीर, अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, जमान खान

जापानी कंपनी मैनावी ने एविग्न में बहुलांश हिस्सेदारी प्राप्त की

नई दिल्ली । जापान स्थित मानव संसाधन समाधान प्रदाता मैनावी कॉरपोरेशन ने मानव संसाधन प्रौद्योगिकी मंच एविग्न में बहुलांश हिस्सेदारी प्राप्त कर ली है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस बदलाव के बाद बेंगलुरु स्थित एविग्न का लक्ष्य 2030 तक एक अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व जुटाना है। इस अधिग्रहण के साथ ही कैप्रिया, ल्यूमिस, एमएसडीएफ, एमिकस कैपिटल और पंकज बंसल सहित एविग्न के कुछ शुरुआती निवेशक कंपनी से बाहर हो गए। एविग्न के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि मैनावी के पास कंपनी में महत्वपूर्ण बहुमत होगा और कंपनी के सह-संस्थापकों के पास भी बड़ी हिस्सेदारी बनी रहेगी। इस अधिग्रहण के तहत निदेशक मंडल में बदलाव होंगे क्योंकि मैनावी के पास बहुलांश हिस्सेदारी होगी। हालांकि, संचालन स्तर वही रहेगा। मैनावी हमारी कंपनी में किसी भी संचालक की नियुक्ति नहीं करेगी। हालांकि, उन्होंने अधिग्रहण के वित्तीय विवरण का खुलासा करने से इनकार कर दिया।

भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली ।
वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड सहित अंतरराष्ट्रीय संगठनों और रिजर्व बैंक ने मौजूदा वित्त वर्ष में भारत की अच्छी जीडीपी ग्रोथ का अनुमान दिया है। कई देशों में महंगाई का दबाव फिर बढ़ा है, लेकिन सरकार और आरबीआई के प्रयासों से भारत में महंगाई घटी है। इस बार मॉनसूनी बारिश सामान्य से अधिक होने के अनुमानों को देखते हुए अच्छी फसल होने और महंगाई और घटने की संभावना है।` वित्त मंत्रालय ने मंथली इकनॉमिक रिव्यू में ये बातें कहीं। रिव्यू में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024 में रिटेल इंफ्लेशन में काफी कमी आई। यह कोविड महामारी के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई। मार्च में कोर इंफ्लेशन 3.3 फीसदी रही। 2024 में मॉनसून सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान फसलों के लिए शुभ संकेत है और इससे महंगाई की चिंता घटेगी। फरवरी में फूड इंफ्लेशन 8.66 फीसदी और मार्च में 8.52 फीसदी थी। सब्जियों के दाम फरवरी में 30.25 फीसदी चढ़े थे। मार्च में वेजिटेबल इंफ्लेशन 28.3 फीसदी पर आ गई थी। दालों में महंगाई दर फरवरी के 18.9 फीसदी से घटकर मार्च में 17.7 फीसदी हो गई थी। ओवरऑल रिटेल इंफ्लेशन फरवरी के 5.1 फीसदी से घटकर मार्च में 4.85 फीसदी हो गई थी। रिव्यू में कहा गया कि वैश्विक व्यापार में सुस्ती आ रही है, लेकिन चुनौतियों के बावजूद भारत का व्यापार घाटा आने वाले वर्षों में कम होने की उम्मीद है क्योंकि पीएलआई स्कीम का दायरा बढ़ रहा है।

आईसीआईसीआई बैंक ने 17 हजार क्रेडिट कार्ड ब्लॉक किए

- क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला

नई दिल्ली।

आईसीआईसीआई बैंक ने कहा है कि क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला सामने आने के बाद उसने लगभग 17 हजार क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कर दिए हैं। निजी क्षेत्र के बैंक ने कहा कि इस मामले में किसी भी कार्ड के किसी दुरूपयोग की सूचना नहीं है। लेकिन उसने कहा कि ग्राहक को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान होने पर वह उसका मुआवजा देने को तैयार है। एक सूत्र ने कहा कि बैंक के नये ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड का नंबर कुछ पुराने ग्राहकों के कार्ड के साथ गलती से जुड़ गए थे। इस गड़बड़ी की वजह से बैंक के मोबाइल ऐप पर चुनिंदा पुराने ग्राहकों को नए कार्डधारकों का पूरा ब्योरा दिखने लगा था। सोशल मीडिया पर बैंक की इस गलती को लेकर चर्चा चल रही थी। हालांकि अब इसे सुधार लिया गया है। गलत मैपिंग के कारण बैंक का पुराना उपयोगकर्ता नए क्रेडिट कार्ड ग्राहक के बारे में पूरी जानकारी को देख पा रहा था। आईसीआईसीआई बैंक के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस समस्या की चपेट में आए क्रेडिट उसके कुल कार्ड पोर्टफोलियो का केवल 0.1 प्रतिशत हैं। प्रवक्ता ने कहा कि इन सभी कार्ड को ब्लॉक कर दिया गया है और ग्राहकों को नये कार्ड जारी किए जाएंगे। बयान के मुताबिक इन कार्ड में से किसी भी कार्ड के दुरुपयोग का कोई मामला हमारे संज्ञान में नहीं लाया गया है। हालांकि, हम आश्वस्त करते हैं कि किसी भी वित्तीय नुकसान के मामले में बैंक ग्राहक को उचित मुआवजा देगा।

लावा कंपनी ने नई स्मार्टवॉच लॉन्च की

- मिलेंगे शानदार फीचर्स और डिजाइन

नईदिल्ली ।
हाल ही में लावा कंपनी ने नई स्मार्टवॉच लॉन्च की हैं। यह वॉच कोरनिंग गोरिल्ला ग्लास 3 और हाई एक्यूरेसी के साथ लॉन्च हुई इस वॉच की कीमत भी बहुत कम है। इस वॉच की शुरुआत 2,599 रुपए से होती है। इसकी मदद से हेल्दी लाइफस्टाइल और एक्टिव फीचर्स मिलते हैं। लावा की इस स्मार्टवॉच में आपको 1.43 इंच अमोलेड डिस्प्ले भी दिया जा रहा है जो 466*466 रेजोल्यूशन के साथ आता है। इसमें आपको हेल्थ फीचर्स भी अलग से दिए जाते हैं और 110 से ज्यादा स्पोर्ट्स मोड्स भी मिलते हैं। स्मार्ट नोटिफिकेशन, 150 वॉच फेस और फास्ट चार्जिंग भी इसका एक फीचर है। यूजर एक्सपीरियंस भी इससे काफी अलग होने वाला है। क्योंकि ये लाइट वेट भी है जो आपको काफी लंबी बैटरी लाइफ भी देती है। लावा की तरफ से अपनी इस वॉच की 24 महीने की वारंटी दी जा रही है। यानी आपको 2 साल तक बिल्कुल चिंता करने की जरूरत नहीं है। यही वजह है कि एक बार खरीदने के बाद आपको लंबे समय तक कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। ट्रैकिंग हेल्थ और अन्य फीचर्स भी इसे

काफी अलग बनाते हैं। हाई परफॉर्मेंस रियलटेक चिपसेट आपको बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस ऑफर करता है। आईपी 68 वॉटर रेसिसटेंट रेटिंग की वजह से आपको बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस भी होने वाला है। प्रोवॉच वीएन भी ऐसा ही प्रोडक्ट है और इसे खरीदने के लिए आपको 1,999 रुपए खर्च करने होंगे। प्रोवॉच झेन और वीएन को आप 26 अप्रैल दोपहर 12 बजे से खरीद सकते हैं।प्रोवॉच झेडएन वर्जन को 2 वैरिएंट्स में लॉन्च किया गया है। पहला वालीरियान ग्रे और ड्रेगनग्लास ब्लेक में लाया गया है। नॉर्मल यूसेज में आपको 7 दिन का नॉर्मल यूसेज टाइम मिलने वाला है।

31 मई तक पैन को आधार से नहीं जोड़ा तो दोगुना कटेगा टीडीएस

मुंबई ।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने उन टैक्सपेयर्स को राहत देने की बात कही है जो 31 मई तक अपने पैन को आधार से लिंक करवा देंगे। विभाग ने कहा है कि अगर 31 मई तक पैन कार्ड से आधार लिंक होता है तो टीडीएस की कम कटौती को लेकर टैक्सपेयर्स और कारोबारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं की जाएगी। इनकम टैक्स विभाग के नियमों के मुताबिक अगर पैन कार्ड आधार नंबर के साथ लिंक नहीं है तो दोगुनी रेट के साथ टीडीएस कटौती की जाएगी। लेकिन टैक्सपयर्स ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स को टैक्सपेयर्स से कई शिकायतें मिलीं कि उन्हें पता ही नहीं था कि पैन-आधार लिंक नहीं करने से उन्हें इतना नुकसान हो सकता है। कई प्रॉपर्टी खरीदारों को अपनी जेब से 19 फीसदी टीडीएस का भुगतान करना पड़ा। टैक्स` विशेषज्ञों ने बताया कि जिन लोगों ने 30 जून 2023 तक अपने पैन कार्ड को आधार से लिंक नहीं कराया था, उन लोगों का पैन कार्ड निष्क्रिय हो गए थे। इनकम टैक्स` विशेषज्ञों ने बताया कि इनकम टैक्स विभाग ने टीडीएस टीसीएस कटौती को लेकर टैक्सपेयर्स के साथ-साथ कारोबारियों को बड़ी राहत इसलिए दी है क्योंकि पता ही नहीं चलता था कि किसका आधार-पैन लिंक नहीं है।

बाद में नोटिस आते थे और पेनल्टी लगती थी। असल में लोगों ने शिकायत की कि विभाग ने ऐसी कोई व्यवस्था नहीं नहीं थी, जिसमें यह पता चले कि पैन-आधार लिंक है या नहीं। बिजनेसमन भी जो टीडीएस काटते थे, उन्हें भी समस्या हो रही थी, क्योंकि उन्हें पता ही नहीं चलता था कि जिन्होंने लिंक नहीं करवाया है, अब विभाग ने कहा है कि वे यूटिलिटी प्रोवाइड करवाएंगे और जिन्हें नोटिस मिला है, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

स्वीगी 120 करोड़ डॉलर का आईपीओ लाएगी

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन ऑर्डर पर खाना पहुंचाने वाली कंपनी स्विगी 1.2 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने पर` विचार कर रही है। बताया जा रहा है` कि स्विगी के इस प्रस्ताव को उसके शेयरधारकों ने मंजूरी दे दी है। बेंगलूरु की यह कंपनी नए शेयर जारी कर करीब 3,750 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। वह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिये 6,664 करोड़ रुपए और आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से करीब 750 करोड़ रुपए जुटाने के बारे में भी सोच रही है। स्विगी का आईपीओ इसी साल आ सकता है। मगर अभी तक उसने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास निर्गम के दस्तावेज जमा नहीं कराए हैं। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के अनुसार स्विगी में सबसे अधिक करीब 32 फीसदी हिस्सेदारी प्रोसस की है। उसमें सॉफ्टबैंक की 8 फीसदी, एस्सेल

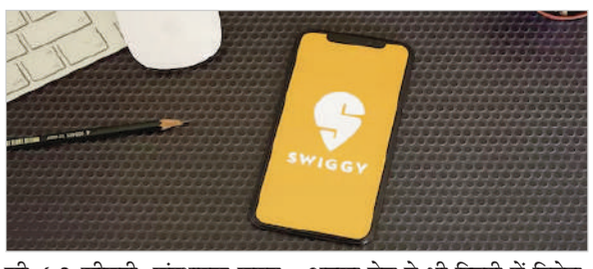

की 6.2 फीसदी, संस्थापक समूह की 6.7 फीसदी और एलिवेशन कैपिटल की 4.4 फीसदी हिस्सेदारी है।

इसके अलावा नॉर्वेस्ट, टेनसेंट, डीएसटी ग्लोबल और अल्फा वेव ने भी स्विगी में निवेश किया है। आईपीओ को शेयरधारकों की मंजूरी का खुलासा हाल ही में हुई स्विगी की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) के एक दिन बाद हुआ है।

हवाई किराया हो सकता है सस्ता

मुंबई । नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हवाई यात्रियों के लिए उड़ान के आधार पर किराए को और अधिक किफायती बनाने को लेकर निर्देश दिया है। इसमें एयरलाइंस द्वारा निर्धारित हवाई किराए में उनके द्वारा प्रदान की गई कुछ सेवाओं के लिए शुल्क का भी जिक्र किया गया है। इस निर्देश के तहत डीजीसीए की ओर से यात्रियों के लिए अनावश्यक सुविधाओं को शुल्क हटाने की बात कही गई है। डीजीसीए की ओर से बताया गया कि अनावश्यक सुविधाओं और उनके शुल्कों को हटा देने से मूल किराया अधिक किफायती हो सकता है। ऐसा होने से यात्रियों को उन सेवाओं के लिए भुगतान करने का विकल्प मिल जाता है, जिनका वह लाभ उठाना चाहता है। अपने निर्देश में डीजीसीए की ओर से सात सेवाओं की एक सूची का उल्लेख किया है। डीजीसीए के इस कदम से आगामी समय में लोगों के लिए हवाई यात्रा सस्ती हो सकती है।

इंडिगो ने दिया 30 ए 350-900 विमानों का ऑर्डर

मुंबई।

सार्वज निक विमानन कंपनी इंडिगो ने यूरोप की विमान बनाने वाली कंपनी एयरबस को चौड़ी बॉडी वाले 30 ए350-900 विमानों का ऑर्डर दिया है। यह ऑर्डर 4 से 5 अरब डॉलर का हो सकता है। देश में विमान यात्रा की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए देसी विमानन कंपनियां पिछले साल से अब तक विमान खरीदने के लिए 4 बड़े ऑर्डर दे चुकी हैं। टाटा के एयर इंडिया समूह ने फरवरी 2023 में 470 विमानों के लिए ऑर्डर दिए थे। उसने एयरबस को 250 विमान और अमेरिकी कंपनी बोइंग को 220 विमान का ऑर्डर दिया था। इंडिगो ने जून 2023 में एयरबस को 500 ए320नियो विमानों का ऑर्डर दिया था, जो दुनिया का सबसे बड़ा विमान ऑर्डर था। नई विमानन कंपनी अकासा एयर ने जनवरी 2024 में बोइंग को 150 बी737 मैक्स विमानों का ऑर्डर दिया था। आज के ऑर्डर की खासियत यह है कि इंडिगो पहली बार चौड़ी बॉडी वाले विमान खरीद रही है। उसके बेड़े में चौड़ी बॉडी वाले 2 बी 777 विमान पहले से हैं मगर वे टर्किश एयरलाइंस से पट्टे पर लिए गए हैं। विमानन कंपनी ने कहा कि इन विमानों का सटीक रंगरूप बाद में तय किया जाएगा। उम्मीद है कि विमान 2027 से मिलने शुरू हो जाएंगे। इंडिगो के पास कुछ शर्तों के साथ 70 एयरबस ए350 विमान खरीदने का भी अधिकार है। उनका ऑर्डर भविष्य की जरूरतों के हिसाब से दिया जाएगा। चौड़ी बॉडी वाले विमानों ईंधन टैंक और इंजन संकरी बॉडी वाले विमानों के मुकाबले बड़े होते हैं। इसलिए इन विमानों को लंबी दूरी की उड़ान में इस्तेमाल किया जा सकता है।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी के साथ ही पिछले पांच कारोबारी सत्र से जारी तेजी भी रुक गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 609.28 अंक करीब 0.82 फीसदी नीचे आकर 73,730.16 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 150.40 अंक तकरीबन 0.67 फीसदी नीचे आकर 22,419.95 के स्तर पर बंद हुआ।

शुक्रवार के कारोबार में टेक महिन्द्रा , डिविस लैब, एलटीआई माइंडट्री , बजाज ऑटो और बीपीसीएल निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्टले इंडिया, इंडसइंड बैंक और एमएंडएम सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार हल्की तेजी के साथ बंद हुए थे।

एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात में तेजी और पूंजी प्रवाह से भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट के अनुसार

मध्यम आय वर्ग की तेज वृद्धि से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है। इससे प्रीमियम लक्जरी प्रोडक्ट्स और सर्विसेज की मांग भी बढ़ी है।

इससे पहले आज सुबह सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, सन फार्मा, एनटीपीसी, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रुप से लाभ में कारोबार कर रहे थे। वहीं दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हुआ। जापान का निक्की 225 0.32 फीसदी बढ़ा, जबकि व्यापक आधार वाला टॉपिक्स सूचकांक 0.07 फीसदी बढ़ा, दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.86 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

बजाज फाइनेंस के शेयर आठ फीसदी गिरे

नई दिल्ली । बजाज फाइनेंस के शेयर में शुक्रवार को करीब आठ प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर शेयर 7.64 प्रतिशत गिरकर 6,736.15 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 7.60 प्रतिशत फिसलकर 6,740 रुपये पर रहा। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस का मुनाफा बीते वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 21 प्रतिशत बढ़कर 3,825 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 3,158 करोड़ रुपये रहा था। बजाज फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया था कि एकीकृत आधार पर मार्च तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 14,932 करोड़ रुपये रही, जो 2022-23 की इसी तिमाही में 11,368 करोड़ रुपये थी।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमानः डेलॉयट

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष 2024-25 में डेलॉयट इंडिया ने भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। निर्यात में तेजी और पूंजी प्रवाह इसमें मुख्य कारक रहेंगे।डेलॉयट ने भारत की आर्थिक परिदृश्य पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि मध्यम आय वर्ग की तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है। प्रीमियम लक्जरी उत्पादों व सेवाओं की मांग भी उत्पन्न हुई है। डेलॉयट ने पिछले वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 7.6 से 7.8 प्रतिशत के बीच कर दिया है। जनवरी में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि के 6.9 से 7.2 प्रतिशत की सीमा में रहने का अनुमान लगाया था। डेलॉयट ने तिमाही के आर्थिक परिदृश्य में कहा कि देश की जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 6.6 प्रतिशत और उसके अगले वर्ष 6.75 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। बाजार अपने निवेश तथा उपभोग निर्णयों में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को ध्यान में रखना सीख रहे हैं। डेलॉयट इंडिया की एक अर्थशास्त्री ने कहो ` कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में 2025 में एक समकालिक बदलाव देखने की उम्मीद है क्योंकि प्रमुख चुनावी अनिश्चितताएं दूर हो जाएंगी और पश्चिम के केंद्रीय बैंक 2024 में बाद में कुछ दरों में कटौती की घोषणा कर सकते हैं। भारत में पूंजी प्रवाह में सुधार और निर्यात में उछाल देखने की भी संभावना है।

यूरोपीय देश भी 525 से ज्यादा भारतीय सामानों पर लगा चुका है प्रतिबंध

नई दिल्ली ।

अभी कुछ दिन पहले सिंगापुर और हांगकांग ने एवरेस्ट और एमडीएच के मसालों पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन क्या आपको पता है कि सितंबर 2020 से अभी तक यूरोपीय देश भी 525 से भी ज्यादा भारतीय सामानों पर प्रतिबंध लगा चुका है। ईयू के मुताबिक इन सामानों में कैंसर पैदा करने वाले रसायन पाए गए हैं। एक खबर के मुताबिक सितंबर 2020 और अप्रैल 2024 के बीच यूरोपीय संघ इयू ने 527 भारतीय वस्तुओं को कंटेमिनेटेड पाया। संघ का कहना है कि इन सामानों में कैंसर पैदा करने वाले रसायन पाए गए। यूरोपीय संघ के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जिन भारतीय सामानों को प्रतिबंध किया उनमें से अधिकांश मेवे और तिल के बीज (313), जडी-बूटी और मसाले (60), डायबेटिक व्यक्ति के लिए खाद्य पदार्थ (48) और अन्य खाद्य उत्पाद (34)। इन सामानों के 87 कंशाइनमेंट को देश के बार्डर पर ही रोक दिया गया था, जबकि शेष को बाद में बाजारों से हटा दिया गया था। अभी सिंगापुर और हांगकांग में जो भारतीय मसालों पर प्रतिबंध लगा है, उनमें एथिलीन ऑक्साइड पाया गया था। इसे कैंसर पैदा करने वाला रसायन माना जाता है। इसी के कारण हांगकांग और सिंगापुर में भारतीय उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया गया

था। हालांकि यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण द्वारा नियमित रूप से भारतीय उत्पादों में यही रसायन पाया गया था, लेकिन अधिकारियों द्वारा इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए कोई सक्रिय कदम नहीं उठाया गया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का भाव 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वै श्विक बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.35 डॉलर की बढ़त के साथ 89.36 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.28 डॉलर उछलकर 83.85 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

सीयूजे कर 16 गो बिद्यार्थीमन कर टैलेंट सर्व में होलक कैंपस प्लेसमेंट

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय कर एमबीए कर 16 गो बिद्यार्थीमन कर टैलेंट सर्व में कैंपस प्लेसमेंट होए हे। इकर में छे गो बिद्यार्थीमन कर मार्केटिंग प्रोफाइल ले 10.50 लाख प्रति बछर सीटीसी आउर अन्य् 10 गो छात्रमन कर एचआर प्रोफाइल में 5.50 लाख सीटीसी कर संगे चयन होए हे।

चयनित बिद्यार्थीमन में एरम फातिमा, अनुराग कश्यप, दीपांजन शाह, दिव्या कुमारी, नयन चंद्रा, निहारिका सिंह, निकिता भारती, पवन कुमार, प्रगति राज, पूर्णेंदु कुमारी, राजलक्ष्मी, राजश्री कुमारी, साक्षी कुमारी, शालिनी, स्तुति स्वांसी आउर शिखा सामिल हयं। सीयूजे कर कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ई बिद्यार्थीमन के बधाई देलयं। एमबीए स्नातक कर 41 गो छात्रमन कर अन्य कंपनीमन में भी अधिकतम साढ़े सात लाख रुपया कर पैकेज में प्लेसमेंट होय हे । इकर में एक्सिस बैंक, रिलायंस रिटेल, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फिनसर्व, त्रिवेणी अलमारी प्राइवेट लिमिटेड, प्लैनेट स्पार्क, आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड, कोरिजो, हाइक एडू, इंवेस्टोश्योर आदि कंपनीमन सामिल हयं। कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास बिजनेस एडमिनिस्ट्रेसन बिभाग के उनकर सानदार परदरसन ले बधाई आउर सुभकामना देलयं।

सीयूजे कर एमबीए अंतिम बछर कर 57 गो छात्रमन कर बैच में एखन तक 48 गो प्रस्तावमन कर साथ पहिले से 41 गो छात्रमन प्लेसमेंट हासिल कइर लेइ हयं। कुछ अन्य प्रमुख संस्थामन जइसे अमूल, इंडिया मार्ट आउर कई अन्य ले प्लेसमेंट प्रक्रिया एखन भी जारी आहे। सीयूजे में परसिछन आउर प्लेसमेंट सेल से डॉ नितेश भाटिया हाल हे में बिश्वबिद्यालय में साइंस, इंजीनियरिंग आउर मैनेजमेंट कर बिद्यार्थीमन ले टीसीएस ले आयोजित प्री प्लेसमेंट वार्ता कर जानकारी देलयं।

ऊ बतालयं कि 22 अप्रैल के टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) कर आकाश बसु आउर संदीप टीसीएस कर बारे में जानकारी देते छात्रमन से संछिप्त बातचीत करलयं। छात्रमन के ई बातचीत से जानकारी मिललक कि उनके टीसीएस कर तीन अलग-अलग प्लेटफॉर्म जइसे टीसीएस निंजा, टीसीएस डिजिटल आउर टीसीएस प्राइम में काम करेक कर अवसर मिली।

सीयूजे कर कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास बतालयं कि बिश्वबिद्यालय आपन नीतिमन कर माध्यम से नई दिल्ली में स्टार्टअप महाकुंभ कर हालिया यात्रामन आउर आगामी एमओयू कर माध्यम से आपन छात्रमन ले सर्वोत्तम अवसर प्रदान करेक ले लगातार काम करत हे।

सत्यानंद राइज अस्तरीय ओपन योग प्रतिजोगिता आइज से

रांची। सत्यानंद राइज अस्तरीय ओपन योग प्रतिजोगिता कर आयोजन बहु बाजार कर ओल्ड् एचबी रोड इस्थित बिशप इस्कूल कर प्रांगन में होवी। दुई दिनक राइज अस्तरीय योग प्रतिजोगिता कर संगे क्विज, स्पीच, पेंटिंग आउर रंगोली कर भी आयोजन करल जाई।

प्रतिजोगिता कर उद्घाटन 27 अप्रैल के अपराह्न 4 बजे रांची कर सांसद संजय सेठ करबयं। उद्घाटन कर मौका में बिशप इस्कूल कर प्राचार्य आई ए जेकब, वाईएमसीए इस्कूल कर सचिव आशीष टोपनो, निर्देसक विजय स्टडी सर्किल पवन आउर पंकज प्रसाद बिसेस रूप से उपस्थित रहबयं।

ई प्रतिजोगिता में 3 साल से लेइ के 70 साल तक कर उम्र कर प्रतिभागी भाग लेंबयं। प्रतिजोगिता तीन चरन में होवी। डॉ परिणीता सिंह कर अध्यछता में सुकरवार के प्रतिजोगिता अस्थल में सउब तैयारी पूरी करल जाए चुइक हे ।

तैयारी कर दौरान बिसेस रूप से निशि अग्रवाल, डॉ रूपम सिंह, विवेक कुमार ,निक्की साहू, शैल मिश्रा दिव्या, पूनम प्रसाद, संजय कुमार निहारिका राय आउर रवि कुमार उपस्थित रहयं।संगठन कर सेक्रेटरी योगाचार्य आदित्य कुमार बतालयं कि प्रतिजोगिता में झारखंड कर बिभिन्न जिला से बिभिन्न आयु बर्ग में 500 से ऊपरे प्रतिभागी भाग लेवत हयं।

छउवामन के सोसल मीडिया कर सही उपयोग के लेइ के करल गेलक जागरूक

- मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा कार्जक्रम करलयं आयोजित

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच कर कार्जक्रम 'एवरी किड हेल्दी वीक' कार्जक्रम कर तहत मारवाड़ी कन्या पाठसाला में छउवामन के सोसल मीडिया कर सही उपयोग कर बारे में जागरूक करल गेलक। इकर परसिछन जेसीआई इंडिया कर जोन ट्रेनी करण चितलांगिया देलयं।करण बतालयं कि छउवामन के कतई देर सोसल मीडिया के देखेक चाही। अभिभावक ले बतालयं कि ऊ मन छउवामन कर सोसल मीडिया में धेयान देवयं। छउवामन के फिल्टर लगाय के ही सोसल मीडिया प्रयोग करे देउ। ऊ बतालयं कि छउवामन के यूट्यूब जूनियर कर उपयोग करेक चाही।

कार्जक्रम कर आयोजन मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा कइर रहे। ई काम में बिद्यालय प्रबंधक भी शाखा कर साथ देलयं। ऊ कहलयं कि छउवामन आउर अभिभावक कर बीच में ई तरह कर जानकारी होवेक चाही। कार्जक्रम में शाखा अध्यछ विनीता सिंघानिया, शाखा कर सदस्य शुभा अग्रवाल, कविता सोमानी, रितु पोद्दार, कोमल पोद्दार, कोमल झुनझुनवाला संगे अन्य उपस्थित रहयं।

रांची विमेंस कॉलेज में एबीवीपी कर नवा इकाई कर अध्यछ बनलयं निकिता

सोनू सपवार, रांची

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) रांची विमेंस कॉलेज में नवा इकाई कर घोसना करलयं नगर छात्रा विस्तारिक किरण कुमारी, महानगर सह मंत्री शारदा कुमारी कर उपस्थिति में करल गेलक। नवा सत्र ले इकाई अध्यछ- निकिता, उपाध्यछ- सुमन, मंत्री-कुशव मिश्रा, सह मंत्री- अनुश्रुति मिश्रा के बनाल गेलक।

एहे लखे एसएफएस प्रमुख- ऊमी प्रिया सहदेव, एसएफडी प्रमुख -साक्षी कुमारी, सोशल मीडिया प्रभारी- रॉली कुमारी, कला मंच प्रमुख-रिया पांडे, खेलो भारत प्रमुख -पूनम कुमारी, खेलो भारत सह प्रमुख सुलेखा, कांता एवं कार्यकारी सदस्य चित्रा, आकांक्षा, राजश्री श्रीवास्तव, कीर्ति साहू, साक्षी, संजू संगे कई कार्जकर्तामन के दायित्व देल गेलक।

मौका में उपस्थित महानगर सह मंत्री शारदा कुमारी सुभकामना देलयं। कहलयं कि युवा ही देस कर भविस हयं। बिद्यार्थी परिसद कैंपस में सउब छात्रामन कर अंदर रास्ट्रवादी बिचारधारा भरेक कर काम करत हे।

महानगर छात्रा विस्तारिक किरण कुमारी कहलयं कि एबीवीपी एकमात्र अइसन संगठन हेके, जे छात्रहित कर संगे-संगे समाज आउर रास्ट्र हित ले भी काम करेला। ई परिसर में भी अपने सउब प्रवेस, परीछा आउर परिनाम के सुदृढ़ बनाएक कर संगे-संगे परिसर से बाहरे भी देस बिरोधी ताकतमन से लड़ेक कर पूरा प्रयास करब, अइसन आसा आउर पूरा बिश्वास हेके।

भीसन गर्मी के देखते एक सप्ताह से धनबाद, गोमो आउर कोडरमा इस्टेसनमन में बांटल जात जे सीतल जल

धनबाद। ई भीसन गर्मी के देखते धनबाद, गोमो आउर कोडरमा इस्टेसन में सीतल जल कर बितरन करेक कर संकल्प लेल गेलक। इके पूरा करेक में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स धनबाद मंडल कर सीनियर स्काउट्स गाइड्स, रोवर, रेंजर्स आउर लीडर्स आपन जोगदान देवत हयं। बीतल एक हफ्ता से इ इस्टेसनमन में आवेक जायेक वाला दुसर सरेनी कर रेल यात्रीमन के सीतल पियेक वाला उपलब्ध कराल जात हे। यात्रीमन भारत स्काउट्स एंड गाइड्स कर ई कार्ज के सराहलयं। उनकर कहेक रहे कि ई चिलचिलाती गर्मी में आपने बट से लेल गेलक संकल्प बहुते नेक हेके। इकर से यात्रीमन के सीतल पेयजल मिलत हे। यात्रा कर दौरान भीड़ से निकइल के पानी लेवेक जुद्ध लड़ेक कर बराबर हेके। ई काम मंडल रेल प्रबंधक सह भारत स्काउट्स एंड गाइड्स कर अध्यछ के के सिन्हा कर निरदेस आउर वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी सह जिला आयुक्त स्काउट अजित कुमार कर नेतृत्व में होवत हे।

एससीओ रछा मंत्रीमन कर बैठकी में 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' कर समर्थन

- आतंकवाद कर प्रति ज़ीरो-टॉलरेंस दृस्टिकोन अपनायेक कर आह्वान करलयं

नई दिल्ली। भारत कर रछा सचिव गिरिधर अरमाने अस्ताना, कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) कर रछा मंत्रीमन कर बैठकी में 26 अप्रैल, 2024 में हिस्सा लेलयं। ई दौरान सउब एससीओ सदस्य देसमन कर रछा मंत्रीमन कर द्वारा एक गो प्रोटोकॉल में हस्ताछर करल गेलक। बैठकी कर बाद एक गो संयुक्त बिज्ञप्ति जारी करल गेलक, जेकर में एससीओ कर रछा मंत्रीमन अन्य पहल कर अलावा, 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' कर बिचार के बिकसित करेक उपरे सहमति ब्यक्त करलयं, जे 'वसुधैव कुटुंबकम' कर प्राचीन भारतीय दरसन कर परिचायक हय।बैठकी में रछा सचिव एससीओ छेतर में सांति, इस्थिरता आउर सुरछा बनाय के राखेक कर प्रति भारत कर अटूट प्रतिबद्धता दोहरालयं। ऊमन एससीओ सदस्य देस कर समृद्धि आउर बिकास ले आतंकवाद कर सउब रूप कर प्रति ज़ीरो-टॉलरेंस दृष्टिकोन अपनाएक कर जरुरत उपरे जोर देलयं। गिरिधर अरमाने संयुक्त रास्ट्र में अंतर्रास्ट्रीय आतंकवाद उपरे ब्यापक सम्मेलन कर भारत कर लंबा समय से चलते आवल प्रस्ताव कर उल्लेख करलयं। ऊ हिंद-प्रसांत ले भारत बट से प्रस्तावित 'छेतर में सउब ले सुरछा आउर बिकास (सागर-एसएजीएआर)' कर अवधारना उपरे भी प्रकास डाललयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना-गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक :** रतन लाल अग्रवाल। फोन नंबरः 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडीः** jharkhandwanitaudyog@gmail.com